नई दिल्ली । सोमवार, 29 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :174/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक विश्व केसरी

नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official

@ खेल फीफा वर्ल्ड कप : अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से...
@ विचार नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योग, हेमंत और शुभेंदु!...
@ व्यापार देश की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केटकैप...

'हिंद महासागर में सहयोग का नया अध्याय भारत-सेशेल्स के बीच महत्वपूर्ण करार'

एजेंसी ■ विक्टोरिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 27 से 29 जून तक की सेशेल्स राजकीय यात्रा के दौरान भारत और सेशेल्स ने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण, डिजिटल परिवर्तन, अक्षय ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा, रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष और वित्तीय सहयोग समेत कई क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई। यह जानकारी भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में दी।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के बीच विक्टोरिया स्थित स्टेट हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, अवैध मछली पकड़ने, मादक पदार्थों की तस्करी और समुद्री डकैती जैसी क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान सेशेल्स की विकास प्राथमिकताओं के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भारत दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे भरोसे और साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दोनों नेताओं ने भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संयुक्त स्मृति-लोगो का भी अनावरण किया। इसके बाद क्षमता निर्माण, यूपीआई, स्वास्थ्य, कृषि, शिपिंग, अंतरिक्ष, प्रत्यर्पण (एक्सट्राडिशन) और लाइन ऑफ क्रेडिट से जुड़े कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने सेशेल्स को 1,250 करोड़ रुपये की लाइन ऑफ क्रेडिट उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, व्यावसायिक प्रशिक्षण, समुद्री सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में भी कई नई विकासात्मक पहलों की घोषणा की गई। साथ ही सेशेल्स ने कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) में शामिल होने की भी घोषणा की।

यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेशेल्स की नेशनल असेंबली के विशेष सत्र को भी संबोधित किया और ऐसा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। अपने संबोधन में उन्होंने भारत और सेशेल्स के बीच ऐतिहासिक मित्रता, लोकतंत्र, कानून के शासन और जन-केंद्रित सुशासन जैसे साझा मूल्यों का उल्लेख किया।

सेशेल्स से हमारा 256 साल पुराना रिश्ता मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने सेशेल्स यात्रा के दौरान पीएम मोदी को मिले सर्वोच्च सम्मान पर बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि पीएम मोदी को सेशेल्स सरकार की तरफ से 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' सम्मान मिलने पर बहुत बधाई। यह सतत विकास और पर्यावरण सुरक्षा में लीडरशिप के लिए सबसे बड़ा सम्मान है। यह सम्मान दुनिया में भारत के आगे बढ़ने का गर्व भरा ऐलान है, जो प्राकृतिक इकोसिस्टम को फिर से जिंदा करने और तरक्की में दुनिया को लीड करने में एक रोल मॉडल के तौर पर उभर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि पीएम मोदी को पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में लीडरशिप के लिए 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन, सेशेल्स का सबसे बड़ा सम्मान मिलने पर बधाई। यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी दूर की सोचने वाली लीडरशिप और ग्लोबल क्लाइमेट एक्शन के प्रति पक्के कमिटमेंट का सबूत है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का ग्लोबल कद लगातार बढ़ रहा है, जो 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' के विजन से दुनिया को प्रेरित कर रहा है। यह सम्मान हर भारतीय के लिए बहुत गर्व की बात है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा कि पीएम मोदी को सेशेल्स ने 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' टाइटल से सम्मानित किया है।

अंडर-15 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप : महिला पहलवानों का दबदबा, जीते तीन स्वर्ण पदक

एजेंसी ■ पटाया

भारतीय महिला पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को यहां अंडर-15 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के दूसरे दिन तीन स्वर्ण पदक जीते। इससे देश के पदकों की संख्या आठ हो गई।

समृद्धि सतीश पाटिल (33 किग्रा), विनाक्षी (46 किग्रा), और दिशा शौकीन (66 किग्रा) ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। तीन स्वर्ण पदकों के अलावा, भारत ने दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते, जिससे दिन के सभी आठ पदक मुकाबलों में 100 प्रतिशत पोडियम रिकॉर्ड पक्का हो गया।

इस बीच, भारतीय अंडर-15 ग्रीको-रोमन टीम अपने पहले दिन के प्रदर्शन के बाद 150 पॉइंट हासिल करके टीम तालिका में कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर रही। उज्बेकिस्तान 171 पॉइंट के साथ टॉप पर रहा, जबकि कजाकिस्तान 167 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

महिलाओं के इवेंट्स में, शौकीन ने 66 किग्रा के फाइनल में जबरदस्त प्रदर्शन किया, और जापान की नोवा डोइके पर तकनीकी श्रेष्ठता से 11-0 से शानदार जीत हासिल की। ??33 किग्रा के खिताबी मुकाबले में, पाटिल ने उज्बेकिस्तान की मदीना नोसिरोवा को 8-2 से हराया, जबकि विनाक्षी ने एक और उज्बेक पहलवान, मुस्लिमा होजिमामातोवा को 7-4 से हराकर 46 किग्रा का फाइनल जीता।

दिव्या रानी (36 किग्रा) और ज्ञानेश्वरी वृषेश्वर शिंदे (42 किग्रा) को अपने-अपने खिताबी मुकाबलों में जापानी विरोधियों से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। रानी सारा कोरी से 2-6 से हार गईं, जबकि शिंदे को रामू सुगिबयाशी से 7-9 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय दल ने अपने तीनों कांस्य पदक प्लेऑफ भी जीते। निशा मोर (54 किग्रा) ने चीनी ताइपे की लो आई हुआंग को 8-0 से हराया, दीपांशी (58 किग्रा) ने मंगोलिया की अनुदारी बयानमुंख को 6-1 से हराया, और अंजलि संतोष वेताल (62 किग्रा) ने मंगोलिया की खोंगोरजुल लखग्वा ओचिर को तकनीकी श्रेष्ठता से 15-2 से हराया।

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप : सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना टूटा

लंदन। भारत विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सेमीफाइनल का टिकट हासिल करने से चूक गया है। रविवार को 'विमेन इन ब्लू' ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 6 विकेट से गंवा बैठी। इसी के साथ भारत अंतिम-4 में पहुंचने का मौका गंवा बैठा। 'ग्रुप-ए' से ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया है, जबकि 'ग्रुप-बी' से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज अगले दौर में पहुंची हैं। रविवार को लॉर्ड्स में टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 170 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने शेफाली वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 55 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की। शेफाली 26 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 34 रन बनाकर आउट हुई।

आतंकी ढांचे को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित करे पाक : भारत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने कराची में हुए हालिया आतंकवादी हमले को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। भारत ने अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों को बेबुनियाद बताया है। इसके साथ ही नसीहत दी है कि पाकिस्तान अपने देश से संचालित आतंकी ढांचे को खत्म करने पर ध्यान केंद्रित करे।

विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी किए गए एक बयान में कहा गया है कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अंदर झांकना चाहिए। पाकिस्तान द्वारा लगाए गए आरोपों से जुड़े मीडिया के सवालों के जवाब में आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हमने कराची में हाल ही में हुई घटना को लेकर भारत के खिलाफ लगाए गए पाकिस्तान के आरोपों वाली रिपोर्टें देखी हैं। हम इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अंदर झांकना चाहिए, अपनी जमीन पर मौजूद आतंकवादी ढांचे के खिलाफ ठोस और विश्वसनीय कार्रवाई करनी चाहिए और आतंकवाद को राज्य की नीति के एक साधन के रूप में इस्तेमाल करने की अपनी प्रवृत्ति को समाप्त करना चाहिए। बता दें कि पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के गुलिस्तान-ए-जौहर कैंप पर हुए आतंकी हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं, जबकि तीन हथियारबंद हमलावरों की भी जान गई है और एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा मामला : 8 आरोपियों के घर पुलिस की एक साथ छापेमारी, दस्तावेज बरामद

एजेंसी ■ अयोध्या

राम मंदिर में चढ़ावे और दान की कथित हेराफेरी के मामले में गिरफ्तार आठों आरोपियों के घरों पर रविवार को पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के घर से आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए। शुक्रवार को आठों आरोपियों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। वे 29 जून तक जेल में रहेंगे और सोमवार को उन्हें दोबारा स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मंदिर प्रबंधन से जुड़े आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव के घर से कुछ नकदी और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं।

पुलिस रविवार शाम तक सभी आरोपियों के घरों से बरामद सामान का आकलन पूरा करेगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किसके घर से क्या-क्या मिला है। इसके बाद देर रात जांच अधिकारी यह तय करेंगे कि सोमवार को अदालत में पेशी के दौरान आरोपियों की दोबारा पुलिस रिमांड मांगी जाए या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक, सभी आरोपियों के घरों से कुछ न कुछ सामान बरामद हुआ है और फिलहाल उसकी जांच व सत्यापन किया जा रहा है। इससे पहले रविवार को आरोपी टिन्नू यादव की पड़ोसी तारा देवी ने आईएएनएस से बातचीत में उन्हें अपना 'भाई' बताते हुए उनकी बेगुनाही पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'वह अच्छे इंसान हैं। उन्हें झूठा फंसाया जा रहा है।' वहीं, आरोपी अनुकल्प मिश्रा के पड़ोसी कृष्णानंद तिवारी ने कहा, 'जो भी इस मामले में शामिल है, चाहे वह मेरा भाई (मिश्रा) ही क्यों न हो, जिसने भी चोरी या गलत काम किया है, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्हें अपने कृत्य पर शर्म आनी चाहिए, क्योंकि यह भगवान से जुड़ा मामला है। उन्होंने करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ विश्वासघात किया है।' उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि अनुकल्प मिश्रा ऐसे व्यक्ति नहीं लगते थे, लेकिन किसी के इरादों का अंदाजा लगाना आसान नहीं होता।'

एक अन्य पड़ोसी अनुराग ने बताया कि वह करीब एक साल से मिश्रा को जानते हैं। उन्होंने कहा, 'उनका स्वभाव अच्छा था। जब भी मुलाकात होती थी, हम एक-दूसरे का अभिवादन करते थे। उनके मन में कोई गलत इरादा था या नहीं, यह मैं नहीं जानता।' मंदिर में कथित चोरी के मामले में कुल आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और सभी को गिरफ्तार कर लिया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर गुरुवार को अयोध्या कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी। मामले में जिन लोगों के नाम शामिल हैं, उनमें रामशंकर यादव, ट्रस्ट के कर्मचारी अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष यादव, करुणेश पांडेय, रामाशंकर मिश्रा, अविनाश शुक्ला और सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी सुभाष श्रीवास्तव शामिल हैं।

12 वर्षों में मोदी सरकार ने 70 करोड़ गरीबों का जीवन बदला: अमित शाह

एजेंसी ■ गांधीनगर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में 70 करोड़ गरीबों के जीवन में व्यापक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि आवास, बिजली, शौचालय, पेयजल, रसोई गैस, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराकर देश का सबसे व्यापक गरीबी उन्मूलन अभियान चलाया गया है।

गांधीनगर में पीएम फैमिली केयर ट्रैकर (पीएम-एफसीटी) पायलट परियोजना और हेल्थ पासपोर्ट का शुभारंभ करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 से सरकार का प्रमुख लक्ष्य गरीबों के जीवन स्तर में सुधार करना रहा है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के 70 करोड़ गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए गए हैं।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वर्ष 2014 से पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश के अपने दौरों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने वहां अत्यधिक गरीबी को करीब से देखा था।

उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि गुजरात में गरीबी नहीं थी, लेकिन जब मैं उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में गया तो मुझे वास्तविक गरीबी का एहसास हुआ। लोगों के पास रहने के लिए घर नहीं थे। घर नहीं था तो बिजली भी नहीं थी। अनगिनत घरों में शौचालय नहीं थे। जहां झोपड़ी थी, वहां भी घर के भीतर पानी की सुविधा नहीं थी।'

भारत की समग्र दृष्टि ही दुनिया की चुनौतियों का समाधान : भागवत

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत की समग्र और एकात्म दृष्टि आज विश्व जिन समस्याओं के समाधान की तलाश कर रहा है, उसका उत्तर प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि दुनिया को पूर्णता प्रदान करना भारत का दायित्व है और इसी दिशा में भारतीय शिक्षण मंडल (बीएसएम) का कार्य एक व्यापक सभ्यतागत मिशन का हिस्सा है। डॉ. मोहन भागवत बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में 26 से 28 जून तक आयोजित भारतीय शिक्षण मंडल के तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'ऑपरेशनलाइजिंग एनईपी-2020 : इंटीग्रेटिंग इंडियन नॉलेज सिस्टम्स' के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक विचारधाराएं जीवन और समाज के केवल आंशिक पक्षों को सामने रखती हैं।

सिया के सामने केतन मर्डर का सीन रीक्रिएट

पुलिस लोहगढ़ किला ले गई, दीवार से डमी गिराकर देखा

एजेंसी ■ पुणे

पुणे मर्डर केस में पुलिस ने रविवार को केतन को लोहगढ़ किले से गिराने का सीन रीक्रिएट किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके लिए पुलिस सुबह 6.30 बजे आरोपी सिया गोयल को लोहगढ़ किले लेकर पहुंची। टीम करीब 2.30 घंटे किले पर रही।

इस बीच केस में पुलिस ने नया खुलासा किया कि सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने गूगल पर लोहगढ़ किले के डेथ पॉइंट सर्च किए थे। वहां तक पहुंचने का रास्ता और खाइयों की भी जानकारी जुटाई थी।

पुलिस ने कहा- दोनों ने गूगल पर 'डेथ पॉइंट और जहर देकर कैसे मारें, ताकि पुलिस को शक न हो' जैसे सवाल सर्च किए। पकड़े जाने पर पुलिस के सवालों के क्या जवाब देने हैं, यह भी खोजा। कौन-कौन से वॉट्सएप मैसेज डिलीट करना है, यह भी सर्च किया था।

पुलिस ने बताया कि चेतन ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मर्डर के दिन अपना मोबाइल एक दुकान पर छोड़ दिया था। इसके बाद उसने दूसरे मोबाइल का इस्तेमाल किया। पुलिस डिलीट किए गए वॉट्सएप मैसेज की भी फोरेंसिक जांच करा रही है। पुलिस ने शनिवार को सिया गोयल के माता-पिता से 12 घंटे पूछताछ की। इससे पहले गुरुवार को सिया के भाई से 10 घंटे तक पूछताछ की थी। पुलिस ने आरोपी चेतन चौधरी की बाइक जब्त की है, जिससे वह लोहगढ़ किला पहुंचा था। इसके अलावा चेतन की हुडी, हेडफोन और अन्य सामान जब्त किया है। सभी की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है।

हत्या से 6 दिन के अंदर आरोपी अरेस्ट

18 जून को केतन की हत्या से छह दिन के अंदर पुलिस ने आरोपी सिया और चेतन को अरेस्ट कर लिया। जांच के दौरान दोनों आरोपी एक-दूसरे को मास्टरमाइंड बता रहे हैं। पुलिस दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ भी कर चुकी है।

सिया के प्रेमी संग 2 पुराने वीडियो; कैफे गई, मैच देखा

सिया के प्रेमी चेतन के साथ के दो पुराने वीडियो अब सामने आए हैं। एक वीडियो में दोनों महाराष्ट्र क्रिकेट लीग का मैच देखते नजर आ रहे हैं। हालांकि, यह वीडियो कब का है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। वहीं दूसरा वीडियो पुणे के कैफे का है जो कि हत्या के एक दिन पहले यानी 17 जून का बताया जा रहा है।

फ्रांस में पैराशूट प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, 11 की मौत

एजेंसी ■ पेरिस

फ्रांस के उत्तर-पूर्वी शहर टॉम्बलेन में रविवार को एक नागरिक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। वहीं सऊदी अरब में भी एक हेलिकॉप्टर हादसे की खबर है। इसमें 14 लोगों की मौत हो गई है।

टॉम्बलेन हादसे की बात करें तो अधिकारियों के अनुसार,विमान के पायलट सहित 10 यात्रियों की जान चली गई। मृतकों में पांच छात्र और पांच प्रशिक्षक शामिल हैं।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, यह विमान एक पैराशूट प्रशिक्षण स्कूल का था। यह हादसा रविवार सुबह करीब 11 बजे उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद नैंसी-एसी हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

पुलिस ने लोगों से म्यूरथ-ए-मोसेल विभाग स्थित हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि गृह मंत्री घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके हैं। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय समाचार पत्र एल 'एस्ट रिपब्लिकैं के अनुसार, विमान में स्काइडाइवर्स का एक दल सवार था। उत्तर-पूर्वी फ्रांस के टॉम्बलेन शहर में नैंसी के पास विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर कई टुकड़ों में बिखर गया। एल 'एस्ट रिपब्लिकैं की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में सवार अधिकांश लोग नैंसी में काम करने वाले नर्स थे, जो पहली बार स्काइडाइविंग का अनुभव लेने जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही ऑर्डर ऑफ इंडिपेंडेंट नर्सेज की म्यूरथ-ए-मोसेल शाखा के अध्यक्ष थियरी पेशे घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। हादसे की असली वजह सामने नहीं आई है। जांच एजेंसियां हादसे का पता लगाने में जुटी हैं। विमान तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से क्रैश हुआ। यह हादसा फ्रांस के हालिया सबसे गंभीर विमान हादसों में से एक माना जा रहा है।

अमृतसर में केजरीवाल के सीता मंदिर बनाने के ऐलान की एनडीए के नेताओं ने की आलोचना

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एनडीए के नेताओं ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। केजरीवाल ने अमृतसर में माता सीता और लव-कुश को समर्पित एक भव्य मंदिर बनाने की घोषणा की है, जिस पर एनडीए नेताओं ने केजरीवाल पर पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले 'चुनावी राजनीति' करने का आरोप लगाया।

केजरीवाल ने शनिवार को पंजाब में कई धार्मिक और सांस्कृतिक पहलों का ऐलान किया, जिसमें अमृतसर में मंदिर बनवाना भी शामिल है। उन्होंने यह घोषणा 'एक शाम भगवान शिव के नाम' कार्यक्रम के दौरान की, जिसमें मुख्यमंत्री भगवंत मान भी मौजूद थे।

आईएएनएस से बात करते हुए भाजपा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा, 'जब अरविंद केजरीवाल मुश्किल में फंसते हैं, तो उन्हें अचानक भगवान, माता सीता और बाकी सब याद आते हैं। जब सत्ता में थे, तब उन्हें राम मंदिर पसंद नहीं था। अब वे चाहे किसी को भी याद करें, अरविंद केजरीवाल की स्थिति पहले ही उल्टी दिशा में जा रही है। वे दिल्ली में पहले ही हार चुके हैं और जल्द ही पंजाब में भी हार जाएंगे।'

हालांकि, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने केजरीवाल के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, 'जो लोग कल तक राम मंदिर पर सवाल उठा रहे थे, वे अब मंदिर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।' जेडी-यू नेता नीरज कुमार के मुताबिक, केजरीवाल ने यह घोषणा करने में 'बहुत देर' कर दी है।

उन्होंने कहा, 'माता सीता जगत जननी हैं, लव-कुश भी बिहार की विरासत हैं। बिहार ने इस दिशा में पहले ही अहम कदम उठाए हैं। हमारे लिए यह गर्व की बात है कि नीतीश कुमार की सरकार ने अपने वित्तीय संसाधनों से माता सीता को समर्पित मंदिर का निर्माण शुरू किया। केंद्र सरकार ने भी राम जानकी पथ परियोजना को मंजूरी दे दी है।' अरविंद केजरीवाल को संबोधित करते हुए नीरज कुमार ने कहा, 'आपकी राजनीतिक छवि पहले ही खराब हो चुकी है, क्योंकि आप भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में जेल जा चुके हैं।'

शिवसेना नेता राजू वाघमारे ने केजरीवाल पर 'चुनावी राजनीति' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'वही अरविंद केजरीवाल जो (अयोध्या में) राम मंदिर के निर्माण को लेकर इतने उत्साहित नहीं थे, अब देवी सीता को समर्पित मंदिर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। पंजाब में माहौल उनके पक्ष में नहीं है, इसलिए अब वे ये सब करके चुनावी राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं।'

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने केजरीवाल पर 'भाजपा के लिए काम करने' का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'वे उतना ही बोलेंगे जितना भाजपा उनसे बुलवाना चाहेगी। उनमें उससे ज़्यादा कुछ कहने की हिम्मत नहीं है। भाजपा अब आम आदमी पार्टी को खत्म नहीं करेगी। वह चाहती है कि ऐसी छोटी पार्टियां बनी रहें और वोट बांटती रहें, क्योंकि पूरा देश कांग्रेस की ओर देख रहा है। भाजपा के थिंक टैंक ने ऐसी छोटी पार्टियों को जिंदा रखने का फैसला किया है।'

ई-ऑफिस व्यवस्था के एक साल पूरे, फाइलों के निस्तारण और पारदर्शिता में हुआ सुधार : रेखा गुप्ता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 1 जुलाई को दिल्ली सरकार में ई-ऑफिस व्यवस्था लागू होने का एक वर्ष पूरा हो जाएगा। अब सरकार की प्रशासनिक कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पहले अधिकांश काम कागजी फाइलों के माध्यम से होता था, जबकि अब फाइलों का संचालन, पत्राचार और अनुमोदन ऑनलाइन होने लगा है। इससे फाइलों के निस्तारण में तेजी आई है। कामकाज अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बना है और लोगों को सरकारी सेवाएं समय पर उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि ई-ऑफिस व्यवस्था के माध्यम से अब यह आसानी से पता चल जाता है कि कोई फाइल किस अधिकारी के पास लंबित है और उस पर क्या कार्रवाई हुई है। इससे रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है, अनावश्यक देरी कम होती है और विभागों के बीच कामकाज पहले की तुलना में अधिक सुचारू ढंग से होता है। यही कारण है कि दिल्ली सरकार लगातार अधिक से अधिक विभागों और संस्थानों को इस व्यवस्था से जोड़ रही है।

उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2025 तक दिल्ली सरकार के 198 विभागों और कार्यालयों के 5,005 अधिकारी और कर्मचारी ई-ऑफिस के माध्यम से सरकारी फाइलों और कार्यालयी कामकाज का ऑनलाइन निस्तारण कर रहे थे। 27 जून 2026 तक यह संख्या बढ़कर 235 विभाग और कार्यालयों के 15,748 अधिकारी और कर्मचारी तक हो गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सभी विभागों और संस्थानों की कार्यप्रणाली एक जैसी नहीं होती। इसी कारण दिल्ली सरकार ने ई-ऑफिस व्यवस्था को तीन अलग-अलग श्रेणियों में विकसित किया है।

पहली श्रेणी पूर्ण रूप से सरकारी विभागों के लिए, दूसरी सार्वजनिक उपक्रमों, बोर्डों, निगमों, आयोगों, समितियों, स्वायत्त व स्थानीय निकायों के लिए तथा तीसरी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए बनाई गई है। इससे प्रत्येक श्रेणी की आवश्यकताओं के अनुरूप कामकाज अधिक प्रभावी ढंग से हो रहा है। इसी के मद्देनजर 1 जुलाई 2025 से दिल्ली सरकार के सभी सरकारी विभागों में ई-ऑफिस का उपयोग अनिवार्य किया गया था। वर्तमान में 132 शुद्ध सरकारी विभाग इस व्यवस्था से जुड़ चुके हैं, जहां 11,940 सक्रिय उपयोगकर्ता कार्य कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

अगर मंदिर में हो रही चोरी तो फिर सबसे सुरक्षित जगह कौन सी, सांसद चंद्रशेखर आजाद का सवाल

विश्व केसरी

हरिद्वार। उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने राम मंदिर चंदा चोरी मामले पर कहा कि अब अगर मंदिर ही सुरक्षित नहीं है तो सच्चाई कहां है और कौन सुरक्षित है। हरिद्वार में मीडिया से बातचीत के दौरान चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जहां लोग चोरी करने से भी नहीं डरते, वहां सच्चाई कहां है। अगर वहां भी डकैती हो रही है तो और कौन सी जगह सुरक्षित मानी जा सकती है। अगर भगवान के दर पर लूटपाट और चोरी हो रही है, तो आप ही बताइए सबसे सुरक्षित जगह कौन सी है। दूसरी ओर, एक दलित युवक की हत्या के बाद पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे सांसद चंद्रशेखर आजाद को हरिद्वार में ही पुलिस ने रोक लिया। सांसद के समर्थकों का दावा है कि पुलिस ने उन्हें जाने से रोका। सांसद ने इस पूरे मामले पर कहा कि इस घटना से हमारे लोगों को काफी तकलीफ है। परिवार ने हमें अपनी आवाज बनने के लिए बुलाया है और हम शांति से मिलने के लिए जा रहे हैं, लेकिन जिस तरह का डर का माहौल है, वह खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस देश में सभी को संवैधानिक तरीके से विरोध जताने का अधिकार है।

के. वेंकट नारायण की नियुक्ति एक नीतिगत फैसला, इसमें कुछ गलत नहीं : मंत्री सेंगोट्टैयन

विश्व केसरी

इरोड। तमिलनाडु के राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री के.ए. सेंगोट्टैयन ने रविवार को राज्य सरकार के उस फैसले का बचाव किया, जिसमें मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की फिल्म 'जन नायकन' के निर्माता के. वेंकट नारायण को दिल्ली में तमिलनाडु सरकार का विशेष प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। मंत्री ने कहा कि सरकार का यह निर्णय उचित है और इसमें किसी तरह की आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'सरकारी प्रतिनिधियों की नियुक्ति एक नीतिगत निर्णय है। भारत में हर व्यक्ति को इसके लिए समान अधिकार है। इसलिए इस नियुक्ति में कुछ भी गलत नहीं है।' मंत्री ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विजय द्वारा नियुक्त सभी लोग केवल तमिलनाडु के हित में काम करेंगे और केंद्र सरकार के सामने राज्य का प्रभावी रूप से प्रतिनिधित्व करेंगे।

राज्य सरकार ने हाल ही में आदेश जारी कर कर्नाटक मूल के वेंकट नारायण को दिल्ली में तमिलनाडु सरकार का विशेष प्रतिनिधि एक वर्ष के लिए नियुक्त किया है। वेंकट नारायण एक व्यवसायी हैं और मुख्यमंत्री विजय की फिल्म 'जन नायकन' के निर्माता भी हैं। यह फिल्म विजय की राजनीति में पूरी तरह सक्रिय होने से पहले उनकी आखिरी फिल्म मानी जा रही है।

अमरावती में हुई झड़पों को लेकर तीन मामले दर्ज, पुलिस कर रही जांच

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अमरावती राजधानी क्षेत्र में पुलिस ने विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेताओं के दौरे के दौरान शनिवार को हुई झड़पों के संबंध में तीन मामले दर्ज किए हैं।

पेनुमका के रहने वाले मणिक्यम की शिकायत पर वाईएसआरसीपी नेताओं के खिलाफ एससी/एसटी (अत्याचार रोकथाम) एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

वाईएसआरसीपी नेता और पूर्व मंत्री अंबाती रामबाबू पर ताडेपल्ली सर्कल इंस्पेक्टर वीरेंद्र बाबू की शिकायत पर एक पुलिस अधिकारी को कथित तौर पर अपनी ड्यूटी करने से रोकने के लिए केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने वाईएसआरसीपी नेता नारायण मूर्ति की शिकायत पर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेताओं के खिलाफ भी कारों के शीशे तोड़ने का केस दर्ज किया है।

शनिवार को राजधानी इलाके में वाईएसआरसीपी नेताओं और सीआरडीए किसान सुरक्षा समिति के सदस्यों के दौरे से तनाव और झड़पें हुईं। वाईएसआरसीपी के मुताबिक, किसानों के 'इनविटेशन' के बाद डेलीगेशन ने उंडावल्ली और पास के पेनुमका का दौरा किया। जो कई दिनों से जबरन जमीन अधिग्रहण के खिलाफ विरोध कर रहे हैं।

नेताओं ने आरोप लगाया कि किसानों पर अपनी जमीन देने से इनकार न करने का दबाव है और दावा किया कि उनके खेतों के आसपास मिट्टी खोद दी गई है, जिससे वे खेती जारी नहीं रख पा रहे हैं। वाईएसआरसीपी ने आरोप लगाया कि टीडीपी कार्यकर्ताओं ने उसके नेताओं, किसानों और गाड़ियों पर पत्थर और अंडे फेंककर हमला किया। हिंसा के दौरान कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचने की खबर है। विपक्ष ने यह भी दावा किया कि मौके पर तैनात कुछ पुलिसवालों को हालात को कंट्रोल करने की कोशिश में चोटें आईं।

संगठन को मजबूत कर जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं : दिलीप जायसवाल

विश्व केसरी

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री दिलीप जायसवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री दिलीप जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को सुबह 11 बजे देशवासियों से 'मन की बात' के माध्यम से संवाद करते हैं, जिसे पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ सुना जाता है। इसी क्रम में अनूपपुर नगरपालिका परिसर में नगरपालिका अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और अन्य कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। इसके बाद भाजपा के संस्थापक नेताओं में से एक और पूर्व जनसंघ अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी पुण्य स्मृति के अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके जीवन और योगदान पर संक्षिप्त चर्चा भी की गई। दिलीप जायसवाल ने कहा कि भाजपा में प्रशिक्षण की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। मंडल, जिला, प्रदेश और केंद्र स्तर पर समय-समय पर कार्यकर्ताओं के साथ-साथ विधायकों, सांसदों और मंत्रियों को भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

तेजस्वी का सरकार पर हमला बोले- खजाना खाली पर घोटालेबाजों की भरी हैं जेबें

विश्व केसरी

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार, वित्तीय कुप्रबंधन और सरकारी योजनाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य का खजाना खाली हो चुका है, जबकि भ्रष्टाचार में शामिल लोगों और कथित घोटालेबाजों को संरक्षण दिया जा रहा है।

पटना में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने कहा कि सरकार के पास कर्मचारियों को समय पर वेतन देने, छात्रों को छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने, पेंशनधारियों को भुगतान करने और किसानों के बकाया का भुगतान करने तक के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर भ्रष्ट लोगों और घोटालेबाजों की जेबें लगातार भर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में बड़े वित्तीय घोटालों की निष्पक्ष जांच नहीं हो रही है। न तो राज्य की जांच एजेंसियां और न ही केंद्रीय एजेंसियां कथित अनियमितताओं की गंभीरता से जांच कर रही हैं। उन्होंने दावा किया कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं। तेजस्वी यादव ने रिशु श्री प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि एक मामूली ठेकेदार कथित तौर पर कई विभागों के टेंडर कैसे हासिल कर रहा था। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि इस मामले में कथित बड़े जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने रिशुश्री प्रकरण समेत विभिन्न कथित वित्तीय अनियमितताओं पर सरकार से विस्तृत स्पष्टीकरण देने की मांग की।

'मन की बात' से अनदेखी प्रतिभाओं को मिली नई पहचान': मुख्यमंत्री धामी

विश्व केसरी

हरिद्वार। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। उन्होंने कहा कि अनेक लोग योग साधना और श्रम साधना में लगे हैं। ऐसे लोगों को देखने वाला कोई नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ऐसे लोगों को सामने लेकर आए। इसके साथ ही, धामी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की युवा शक्ति को सही मार्गदर्शन और नए अवसर मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को हरिद्वार जिले के रुड़की में भाजपा कार्यालय पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रतिभाग लिया। उन्होंने कहा, 'इस कार्यक्रम का यह 135वां संस्करण था। वे दुनिया के ऐसे पहले लीडर हैं, जिन्होंने 135 संस्करण को संबोधित किया है। वे भविष्य में अभी और संस्करण को संबोधित करेंगे।' उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए लोगों को प्रेरणा भी दी है। अनेक लोग योग साधना और श्रम साधना में लगे हैं। ऐसे लोगों को देखने वाला कोई नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ऐसे लोगों को सामने लेकर आए। पीएम मोदी ने उनका प्रोत्साहन किया और उत्साहवर्धन भी किया। पूरी दुनिया के सामने ऐसे लोगों के पीएम मोदी ने दर्शन भी कराए। निश्चित रूप से लोगों को एक अच्छी पहचान मिली है।'

अहमदाबाद में अच्छी बारिश के लिए लोगों ने किया 'पर्जन्य यज्ञ'

विश्व केसरी

अहमदाबाद। गुजरात में मानसून के समय पर आने की प्रार्थना के लिए अहमदाबाद के वस्त्राल इलाके में 'पर्जन्य यज्ञ' का आयोजन किया गया। स्थानीय लोगों ने कड़ी धूप में बड़े-बड़े बर्तनों में भरे हुए पानी बैठकर अच्छी बारिश की कामना की। इस यज्ञ का आयोजन गिरीश कुमार पंडित के देखरेख में हुआ।

गिरीश कुमार पंडित ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'स्थानीय लोगों के सहयोग से 'पर्जन्य यज्ञ' का आयोजन किया गया है। यह यज्ञ बारिश न होने पर किया जाता है। बारिश हो इसके लिए बड़े-बड़े बर्तनों में पानी भरकर और उसे खड़े होकर स्थानीय लोग भगवान से बारिश करने की प्रार्थना करते हैं। पहले राजा-महाराजाओं को ऋषि-मुनी बारिश कराने के लिए 'पर्जन्य यज्ञ' कराने की सलाह देते थे। अगर सच्चे

मन से प्रार्थना की जाती है तो बारिश जरूर होती है। यज्ञ में शामिल अमित पांड्या ने कहा, गुजरात में 12-13 जून के आसपास बारिश शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार अभी तक मानसून नहीं आया है। बारिश न होने से लोग गर्मी से परेशान हैं। 'पर्जन्य यज्ञ' के तहत पानी में बैठकर भगवान की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस तरह पूजा करने से बारिश होती है। शास्त्रों के अनुसार में हमने यह यज्ञ और पूजन किया है।'

हिमांशु त्रिवेदी ने कहा, 'हर साल 15 जून के आसपास बारिश हो जाती थी, लेकिन इस बार अभी तक मानसून नहीं आया है। अगर बारिश नहीं हुई तो आगामी दिनों में पानी की कमी हो जाएगी। पक्षी और जानवर भी पानी के लिए परेशान होंगे। पानी की किल्लत न हो और बारिश जल्दी हो, इसलिए 'पर्जन्य यज्ञ' का आयोजन किया गया है। हमने वरुण देव से प्रार्थना की है कि भारत में अच्छी बारिश करें और सभी लोगों को सुख-शांति मिले।

गौरतलब है कि 'पर्जन्य' शब्द का अर्थ बारिश का देवता होता है। वैदिक साहित्य में पर्जन्य को वर्षा लाने वाले देवता के रूप में मान्यता मिली है। ऋग्वेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद में पर्जन्य देवता को प्रसन्न करने के लिए अनेक मंत्रों और यज्ञों का वर्णन है। पर्जन्य यज्ञ वर्षा की कामना और सूखे से राहत के लिए किया जाता है।

भरत तिवारी एनकाउंटर के वक्त वहां एसडीएम क्या कर रहे थे, पूर्व डीजीपी अभयानंद ने मौजूदगी पर उठाए सवाल

विश्व केसरी

पटना। बिहार के भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बिहार पुलिस की कार्यशैली पर उठ रहे सवालों के बीच पूर्व डीजीपी अभयानंद ने हैरानी जताई। उन्होंने कहा कि इस मामले में एसडीएम की मौजूदगी समझ से परे है। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी के शरीर को गोली कितनी लगी, यह कम महत्वपूर्ण है, बल्कि यह देखना जरूरी है कि फायरिंग कितनी दूरी से हुई।

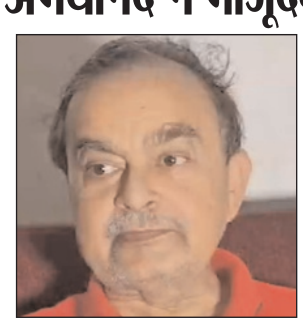

पटना में आईएएनएस से बातचीत में पूर्व डीजीपी ने कहा कि पुलिस एक्शन दो तरह का होता है। एक तब जब भीड़ हो, जमावड़ा हो या लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति हो। ऐसे में मजिस्ट्रेट और पुलिस दोनों तैनात होते हैं, लेकिन इस केस में एक व्यक्ति को पकड़ने पुलिस गई थी। मुझे समझ नहीं आ रहा कि एसडीएम वहां क्या कर रहे थे। यह मजमा वाला मामला नहीं था।

उन्होंने बताया कि जब भी कोई मजिस्ट्रेट तैनात होता है तो डीएम और एसपी मिलकर जॉइंट ऑर्डर जारी करते हैं। मुझे नहीं पता कि इस मामले में जॉइंट ऑर्डर जारी हुआ था या नहीं। अगर नहीं हुआ था तो हो सकता है। पूर्व डीजीपी ने कहा कि एसडीएम का क्राइम या रेड से कोई संबंध नहीं होता। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने बताया कि हमने कभी नहीं देखा कि क्राइम या रेड के दौरान डीएम या एसडीएम साथ गए हों। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कभी-कभी डीएम रहते हैं, लेकिन यहां तो अलग मामला था।

अभयानंद ने इस पूरे मामले पर चिंता जताते हुए कहा कि यह एक मामला है जो मेरे दिमाग में परेशानी पैदा कर रहा है। साजिश हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता।

लोकतंत्र सेनानियों का त्याग नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

आपातकाल हमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव सजग रहने की प्रेरणा देता है : डॉ. रमन सिंह

विश्व केसरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। गरिमामयी समारोह में उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष पर आधारित स्मारिका 'आपातकाल के योद्धा' का विमोचन किया तथा आपातकाल पर आधारित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक जीवन मूल्य है, जिसे समझने और निभाने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है। उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि यह समय भारतीय लोकतंत्र के लिए एक कठिन परीक्षा का काल था, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ा। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को स्मरण करते हुए कहा कि उन लोगों ने जेल, यातनाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतांत्रिक आदर्शों को जीवित रखा।

मुख्य वक्ता कुमार ने कहा कि इतिहास को याद रखना केवल अतीत को जानना नहीं है, बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अनुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करें तथा नशामुक्त और स्वच्छ समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों ने हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य किया है और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश - दुनिया में अपनी पहचान को और मजबूत कर सकता है। उन्होंने युवाओं से 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को जीवन में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्र, ज्ञान और धर्म प्रथम की भावना ही भारत की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या सृष्टि का वह स्थान है जो सदैव पूजनीय रहेगा और सत्य व धर्म के मार्ग पर चलते हुए हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह कालखंड है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, त्याग और जेल जीवन की कठिनाइयों को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया। साय ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सचेत करना है ताकि वे समझ सकें कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र कितनी बड़ी कुर्बानियों के बाद प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती हमेशा से संघर्ष, संस्कृति और परंपरा की भूमि रही है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रही है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराने के लिए इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करना प्रशंसनीय पहल है।

रेरा और बिल्डरों के खिलाफ रायपुर की 30 से अधिक सोसायटियों ने खोला मोर्चा

विश्व केसरी

रायपुर। निजी हाउसिंग सोसायटियों और कॉलोनियों की लंबित समस्याओं को एक मंच से उठाने के उद्देश्य से राजधानी रायपुर की विभिन्न रेसिडेंशियल सोसायटियों ने एकजुट होकर 'फेडरेशन ऑफ रेसिडेंशियल सोसायटीज़' का गठन किया है। इस नवगठन के साथ ही फेडरेशन ने कुछ बिल्डरों की मनमानी, परियोजनाओं के अधूरे हैंडओवर तथा रेरा की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रायपुर में रहने वाले हजारों फ्लैट और प्लॉट खरीदारों के लिए यह एक बड़ी और राहत भरी खबर है। बिल्डरों द्वारा पजेशन और मेंटेनेंस के नाम पर की जाने वाली मनमानी के खिलाफ अब तक लोग अकेले लड़ रहे थे, लेकिन अब इस साझा मंच के बनने से रेरा और कोर्ट में नागरिकों का पक्ष बेहद मजबूत होगा। गठन के पश्चात पाम बेलाजियो में फेडरेशन की पहली अवेयरनेस एवं इंटरेक्शन मीट आयोजित की गई। इस बैठक में शहर की 30 से अधिक सोसायटियों के प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मीट में सभी प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी सोसायटी की समस्याओं, बिल्डरों से उत्पन्न परेशानियों तथा हैंडओवर एवं मेंटेनेंस से जुड़ी कठिनाइयों से एक-दूसरे को वन-टू-वन अवगत कराया, जिससे साझा समाधान की दिशा में ठोस आधार रखा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन इस दिशा में फेडरेशन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन पहले ही दे चुका है। संगठन आगे चलकर रायपुर के अलावा दूसरे जिलों में भी अपना विस्तार करेगा।

इस मौके पर शहर के नामी पत्रकार श्रीप्रकाश तिवारी का सम्मान भी किया गया, जो निजी सोसाइटियों की परेशानियों को मीडिया में नियमित रूप से उठा रहे हैं। रायपुर की 30 से अधिक रेसिडेंशियल सोसायटियों ने एकजुट होकर 'फेडरेशन ऑफ रेसिडेंशियल सोसायटीज़' का गठन किया है। बिल्डरों की मनमानी और नियमों की अनदेखी पर फेडरेशन ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में PIL दाखिल करने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ शासन की ओर से इस संगठन को समस्याओं के निराकरण के लिए पहले ही पूर्ण सहयोग का आश्वासन मिल चुका है।

फेडरेशन आगामी 15 दिनों के भीतर अपनी अगली बैठक रणनीति तय करने के लिए करेगी। इसके साथ ही बिल्डरों द्वारा परियोजनाओं का पूर्ण हैंडओवर न किए जाने की स्थिति में कानूनी और जमीनी स्तर पर बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में छत्तीसगढ़ बना देश का अग्रणी राज्य

रायपुर। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत गर्भवती एवं शिशुवती माताओं के पंजीयन के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक संचालित विशेष अभियान में छत्तीसगढ़ ने ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। राज्य ने अभियान के शुरुआती मात्र 9 दिनों में ही निर्धारित लक्ष्य का 72 प्रतिशत पूरा कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। प्रदेश ने न केवल हितग्राहियों के पंजीयन में देश में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है, बल्कि प्री-रजिस्टर्ड हितग्राहियों के निराकरण में भी सभी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए सर्वाधिक उपलब्धि अर्जित की है। यह उपलब्धि महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पर्यवेक्षकों, मैदानी अमले तथा सभी संबंधित हितधारकों के समन्वित और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। विशेष अभियान के अंतर्गत जिला जांजगीर-चांपा ने 96 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के साथ पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह उपलब्धि मातृ एवं शिशु कल्याण के प्रति जिले की संवेदनशीलता, सक्रियता और प्रभावी कार्यप्रणाली को प्रतिबिंबित करती है। मातृ वंदना योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण मातृ कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और सुरक्षित मातृत्व के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। योजना के तहत प्रथम जीवित संतान के जन्म पर पात्र महिलाओं को 5,000 रूपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है, जबकि दूसरी संतान के रूप में बालिका के जन्म पर 6,000 रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

अनावश्यक 10 करोड़ के रीजेंट की खरीदी क्यों की गयी : आप

विश्व केसरी

रायपुर। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष, कर्मचारी विंग विजय कुमार झा,प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन सिंह द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आप नेताओं ने बताया कि छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में पिछले सरकार के दौरान हुए 440 करोड़ के बहुचर्चित मोक्षित रीजेंट स्कैम के बाद अब पैसों की खुली बर्बादी का नया खेल चालू हो गया है मामला रीजेंट (खून जाँचने का केमिकल) की खरीदी से जुड़ा है। एक तरफ स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश की सरकारी अस्पतालों की पैथोलॉजी लैब को इसी जून महीने से एक निजी एजेंसी एचएलएल को सौंपना शुरू कर दिया है, एचएलएल कंपनी को 5 साल के लिए ठेका दिया गया है,तो क्यों दूसरी कंपनी से 10 करोड़ का रीजेंट खरीदा गया? जब विभाग को पता है की नई कंपनी नई मशीनें लगाएगी तो यह रीजेंट उसमें काम नहीं आएगा। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि निश्चित ही इस खरीदी में सीजी एमएससी और स्वास्थ्य विभाग के अफसर की मिली भगत है और इसमें भ्रष्टाचार हुआ है। आप नेताओं के कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केदो और प्राथमिक स्वास्थ्य केदो जहां पर पैथोलॉजी लैब (हमर लैब) संचालित हो रही है सरकार उसे अगले 6 महीने में बंद करने जा रही है।

प्रकृति की ओर सोसायटी की पहल को मिला उत्साहपूर्ण समर्थन

विश्व केसरी

रायपुर। प्रकृति की ओर सोसायटी द्वारा गांधी उद्यान, बापू की कुटिया में आयोजित 'प्लांट एंड कटिंग स्वैप' कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शहर के बागवानी शौकीनों और प्रकृति प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पौधों की कटिंग, बीज एवं जैविक खाद का आदान-प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कृषि विशेषज्ञ डॉ. विजय जैन ने बागवानी से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने बताया कि नई कटिंग को तभी लगाया जाना चाहिए जब वातावरण में लगभग 70% आर्द्रता हो तथा कम से कम दो बार अच्छी बारिश हो चुकी हो। साथ ही शेवंती और गेंदा जैसी पौधों की कटिंग लगाने की विधि की जानकारी भी दी गई तथा प्रतिभागियों की बागवानी संबंधी समस्याओं का समाधान किया गया।

दूसरे राज्यों के डॉक्टरों को प्रैक्टिस की अनुमति पर विवाद, विरोध शुरू

स्वास्थ्य मंत्री बोले- सिर्फ बयानबाजी नहीं, प्रदेश की भी चिंता

विश्व केसरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से दूसरे राज्यों में पंजीकृत डॉक्टरों को बिना स्थानीय रजिस्ट्रेशन के प्रदेश में प्रैक्टिस की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विवाद तेज हो गया है। राज्य के डॉक्टर इस फैसले का लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे स्थानीय डॉक्टरों के हित प्रभावित होंगे और प्रदेश में कार्यरत चिकित्सकों के अवसर कम हो सकते हैं। विवाद के बीच स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को देखते हुए प्रस्तावित किया गया है। उनका कहना था कि केवल वही डॉक्टर छत्तीसगढ़ में काम कर सकेंगे, जिनका किसी दूसरे राज्य की मेडिकल काउंसिल में वैध रजिस्ट्रेशन हो और वे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग में भी पंजीकृत हों। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार बिना सोच-विचार के कोई निर्णय नहीं ले रही है। उन्होंने बताया कि देश के कई राज्यों में पहले से इस तरह की व्यवस्था लागू है और छत्तीसगढ़ भी उसी मॉडल का अध्ययन कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉक्टरों की आपत्तियों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और इस मुद्दे पर जल्द ही चिकित्सकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की जाएगी। डॉक्टरों की कमी का जिक्र करते हुए जायसवाल ने कहा कि सरकार लगातार नई भर्तियां कर रही है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के 125 नियमित पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन अब तक केवल 78 पद ही भर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास रिक्त पदों की कमी नहीं है, लेकिन आवेदन करने वाले योग्य डॉक्टर पर्याप्त संख्या में नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित होने से बचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करना जरूरी हो गया है।

एनआईटी रायपुर में न्यूरोरिहैबिलिटेशन और असिस्टिव रोबोटिक्स पर हुई संगोष्ठी

विश्व केसरी

रायपुर। स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों और स्वदेशी बायोमेडिकल नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग ने इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स - इंजीनियरिंग इन मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसाइटी के प्रतिष्ठित व्याख्यान कार्यक्रम (डिस्टिंग्विश्ड लेक्चरर्स प्रोग्राम) का आयोजन किया। 'न्यूरोरिहैबिलिटेशन और न्यूरोसाइंस' (तंत्रिका-पुनर्वास और तंत्रिका-विज्ञान) के विषय पर केंद्रित इस उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आज संस्थान परिसर के हीरा प्रेक्षागृह (हीरा ऑडिटोरियम) में किया गया।

इस एक दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन एनआईटी रायपुर के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर समर वाजपेयी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुदीप पॉल के पर्यवेक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम ने ज्ञान साझा करने का एक जीवंत मंच तैयार किया। इसमें न्यूरोसाइंस, रिहैबिलिटेशन रोबोटिक्स और डिजिटल हेल्थकेयर के अग्रणी विकास पर विचार-विमर्श करने के लिए छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और चिकित्सा उपकरण उद्योग के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सभा को संबोधित करते हुए वैश्विक विशेषज्ञों ने इंजीनियरिंग और न्यूरोलॉजिकल मेडिसिन के क्रांतिकारी संगम पर प्रकाश डाला। यूनिवर्सिटी ऑफ मोरातुवा, श्रीलंका के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की बायोनिक्स लेबोरेटरी से आए प्रोफेसर रुवान गोपुरा ने शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना: पावर-असिस्ट रोबोटिक सिस्टम की भूमिका विषय पर अपना आधिकारिक व्याख्यान दिया। प्रोफेसर गोपुरा ने रोबोटिक एक्सोस्केलेटन और पावर-असिस्टेड मोबिलिटी में नवीनतम प्रगति के बारे में विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे स्मार्ट सहायक तकनीकें शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों की आत्मनिर्भरता को बहाल कर रही हैं। मरीजों के ठीक होने में आने वाली नैदानिक चुनौतियों पर चर्चा करते हुए, इटैलियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी - नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इंश्योरेंस अगेंस्ट एक्सीडेंट्स एट वर्क रिहैब टेक्नोलॉजीज लैब, इटली की प्रोफेसर मरियाना सेम्प्रीनी ने न्यूरोरिहैबिलिटेशन में विश्वसनीय मूल्यांकन के लिए चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया।

हीरापुर-जरवाय-अटारी में विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक वार्ड, प्रत्येक बस्ती और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन के रूप में दिखाई दे रहा है। विधायक राजेश मूणत के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र में अधोसंरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, उद्यान, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में निरंतर ऐतिहासिक कार्य किए जा रहे हैं। विकास की इसी सतत श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए रविवार को ग्राम जरवाय स्थित प्रेरणा ब्लाइंड स्कूल परिसर में लोक निर्माण विभाग, नगर पालिक निगम रायपुर तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत एवं नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने संयुक्त रूप से लोक निर्माण विभाग द्वारा ?4.11 करोड़ की लागत से हीरापुर-जरवाय-अटारी क्षेत्र के आंतरिक मार्गों के निर्माण, नगर निगम द्वारा अधोसंरचना मद से लगभग 1.40 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र निर्माण का भूमिपूजन किया।

चलती बस में लगी आग, बड़ा हादसा टला

परिचालक की सूझ-बूझ से यात्रियों को सुरक्षित निकाला गया

विश्व केसरी

रायपुर। राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर क्षेत्र में रविवार को एक बड़ा हादसा घटित हो गया। महेंद्रा ट्रेवल्स (महेंद्रा ट्रेवल्स) की धमतरी से रायपुर आ रही मोबाइल स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस से धुआं निकलने पर यात्रियों को ऊपर-नीचे देखा गया, लेकिन ड्राइवर और हेल्पर की समझदारी से सभी यात्रियों को समय-समय पर बाहर निकाला गया।

बेंदरी इलाके में हुई घटना

जानकारी के अनुसार घटना अभनपुर थाना क्षेत्र के बेंदरी क्षेत्र में जगदलपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। धमतरी से रायपुर आ रही बस सामान्य रूप से चल रही थी, तभी अचानक बस स्टॉप पर लगी थी। स्थिति को भांपते हुए ड्राइवर ने तुरंत बस को सड़क किनारे रोक दिया और यात्रियों को तेजी से नीचे उतार दिया।

कुछ ही मिनटों में बस आग की चपेट में आई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यात्रियों के उतरते ही कुछ ही मिनटों में बस के अंदर आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आग ने बस के बड़े हिस्सों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान यात्रियों में कुछ देर के और कई लोग अपना सामान बस में ठीक कराकर बाहर निकले। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस और फ़ायर विभाग की टीम की ओर से दी लेकिन तब तक बस का बड़ा हिस्सा जल चुका था और वाहनों को भारी क्षति हुई।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने का खतरा

अभनपुर पुलिस थाने की प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह से शॉर्ट सर्किट मनी जा रही है। हालांकि पुलिस मामले की पूरी जांच में हुई है। गनीमत रही कि हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई और समय रहते सभी की जान बच गई।

ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त सोलर बिजली की खरीद दर तय, बिजली बिलों में मिलेगा क्रेडिट

विश्व केसरी

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं के लिए अच्छी खबर है। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रिड में भेजी गई अतिरिक्त (सरप्लस) सोलर बिजली की खरीद दर तय कर दी है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने इस दर को अपनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दर को अनुमोदन के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग (सीएसईआरसी) को भेजा गया है। मंजूरी मिलने के बाद उपभोक्ताओं को इसकी राशि अगले बिजली बिलों में क्रेडिट के रूप में दिखाई देगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) ने बताया कि नेट मीटरिंग व्यवस्था के तहत सोलर संयंत्र से बनने वाली बिजली का पहले उपभोक्ता की मासिक बिजली खपत में समायोजन किया जाता है। यदि इसके बाद भी बिजली बचती है और ग्रिड में जाती है, तो उसकी यूनिट हर महीने उपभोक्ता के खाते में जुड़ती रहती है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर खाते में बची सभी अतिरिक्त यूनिट का नियमानुसार बायबैक किया जाता है। इसकी राशि निर्धारित दर के अनुसार उपभोक्ता के खाते में जमा कर दी जाती है और आगामी बिजली बिलों में समायोजित की जाती है।

शोध आलेख

सूखे की स्थिति में किसानों के पास खेती के विकल्पः टिकाऊ कृषि की ओर एक नई राह

राम प्रसाद दुबे /डॉ नरेश साहू

भूमिका

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहाँ लगभग आधी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। लेकिन जलवायु परिवर्तन, अनियमित मानसून और भूजल के अत्यधिक दोहन के कारण देश के अनेक हिस्सों में सूखे की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। सूखे की स्थिति में किसानों की पारंपरिक फसलें प्रभावित होती हैं, उत्पादन घटता है और आर्थिक संकट गहरा जाता है। ऐसे समय में खेती के वैकल्पिक मॉडल अपनाना न केवल किसानों की आय बचाने का माध्यम बन सकता है, बल्कि कृषि को अधिक टिकाऊ भी बना सकता है।

सूखे का कृषि पर प्रभाव

सूखे के कारण मिट्टी में नमी की कमी हो जाती है, जिससे बीज अंकुरण, पौधों की वृद्धि और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धान, गन्ना और गेहूँ जैसी अधिक पानी वाली फसलें सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। इसके साथ ही पशुओं के लिए चारे की कमी, सिंचाई लागत में वृद्धि और किसानों की आय में गिरावट जैसी समस्याएँ भी सामने आती हैं।

सूखे की स्थिति में खेती के प्रमुख विकल्प

1. कम पानी वाली फसलों का चयन

सूखे के दौरान ऐसी फसलें अधिक लाभकारी होती हैं जिन्हें कम पानी की आवश्यकता होती है। इनमें प्रमुख हैं— बाजरा,ज्वार,रागी,अरहर,मूंग,उड़द,चना,तिल,सरसों

ये फसलें कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी अच्छी पैदावार देती हैं और किसानों के लिए जोखिम कम करती हैं।

2. मोटे अनाज (श्री अन्न) की खेती

सरकार भी मोटे अनाजों को बढ़ावा दे रही है। बाजरा, ज्वार और रागी जैसी फसलें कम पानी में तैयार हो जाती हैं तथा पोषण से भरपूर होती हैं। इनकी बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की

संभावना रहती है।

3. ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई

सूखे की स्थिति में पानी की प्रत्येक बूंद महत्वपूर्ण होती है। ड्रिप सिंचाई से पौधों की जड़ों तक सीधे पानी पहुँचता है, जबकि स्प्रिंकलर प्रणाली वर्षा जैसी सिंचाई करती है। इन तकनीकों से 30-60 प्रतिशत तक पानी की बचत संभव है और उत्पादन भी बेहतर रहता है।

4. बहुफसली एवं मिश्रित खेती

एक ही खेत में विभिन्न फसलों की खेती करने से जोखिम कम होता है। यदि एक फसल खराब हो जाए तो दूसरी फसल से आय प्राप्त हो सकती है। उदाहरण के लिए दालों के साथ तिलहन या मोटे अनाज की खेती करना लाभकारी रहता है।

5. कृषि वानिकी (एग्रोफॉरेस्ट्री)

खेतों की मेड़ों पर नीम, करंज, सहजन, शीशम, बांस तथा फलदार पौधे लगाने से अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। पेड़ मिट्टी की नमी बनाए रखने में भी सहायक होते हैं और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हैं।

6. बागवानी एवं औषधीय पौधे

जहाँ जल उपलब्धता सीमित हो, वहाँ अमरूद, बेर, आँवला, अनार जैसी फसलें अपेक्षाकृत कम पानी में उगाई जा सकती हैं। इसके अलावा अश्वगंधा, सतावर और एलोवेरा जैसे औषधीय पौधों की खेती भी किसानों की आय बढ़ा सकती है।

7. पशुपालन और बकरी पालन

केवल खेती पर निर्भर रहने के बजाय डेयरी, बकरी पालन, मुर्गी पालन और मधुमक्खी पालन जैसे सहायक व्यवसाय अपनाने से किसानों की आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित होते हैं।

8. वर्षा जल संचयन

तालाब, खेत-तालाब, चेक डैम और फार्म पॉन्ड बनाकर वर्षा जल का संग्रह किया जा सकता है। इससे सूखे के समय सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध रहता है और भूजल स्तर भी सुधरता है।

सरकारी योजनाओं की भूमिका

सूखे से निपटने के लिए सरकार विभिन्न योजनाएँ संचालित कर रही है, जिनमें—

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन

जल शक्ति अभियान

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

इन योजनाओं के माध्यम से किसानों को सिंचाई, बीमा, तकनीकी सहायता और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।

तकनीक और आधुनिक कृषि की भूमिका

डिजिटल कृषि, मौसम पूर्वानुमान, मोबाइल ऐप, ड्रोन तकनीक तथा मृदा परीक्षण जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से किसान मौसम के अनुसार फसल चयन और सिंचाई का बेहतर प्रबंधन कर सकते हैं। इससे जल की बचत और उत्पादन दोनों में सुधार संभव है।

चुनौतियाँ

हालाँकि वैकल्पिक खेती के अनेक लाभ हैं, फिर भी कुछ चुनौतियाँ बनी हुई हैं—

आधुनिक तकनीकों की सीमित जानकारी।

छोटे किसानों की आर्थिक कमजोरी।

सिंचाई उपकरणों की अधिक लागत।

बाजार तक पहुँच की समस्या।

कृषि विस्तार सेवाओं की कमी।

इन चुनौतियों को दूर करने के लिए सरकार, कृषि विश्वविद्यालयों और स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त प्रयास आवश्यक हैं।

नई भाजपा के रोल मॉडल हैं योगी, हेमंत और शुभेंदु!

प्रो. संजय द्विवेदी

उत्तर प्रदेश एक ऐसे मुख्यमंत्री से रूबरू है, जिसे राजनीति के मैदान में बहुत गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। उनके बारे में यह ख्यात था कि वे एक खास वर्ग की राजनीति करते हैं और भारतीय जनता पार्टी भी उनकी राजनीतिक शैली से पूरी तरह सहमत नहीं है। लेकिन उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह अपनी पकड़ बनाई है और देश में एक अलग माडल खड़ा दिया है, वह सर्वत्र चर्चा का विषय है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि 'अपनी राजनीति' के प्रति भाजपा का आत्मदैन्य कम हो रहा है। वहीं असम में हेमंत विश्वशर्मा उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे हैं, असम में तीसरी बार सरकार बनाकर भाजपा ने पूर्वोत्तर में इतिहास रच दिया है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति से पश्चिम बंगाल की विजय ऐतिहासिक कही जा रही है और वहां बने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के ताबड़तोड़ फैसलों ने जनविश्वास की हिलोरें पैदा की हैं। जड़ता को तोड़कर एक नई उम्मीद बनी है। केंद्रीय राजनीति में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के आगमन ने भारतीय राजनीति के परिदृश्य को बदलकर रख दिया है।

वैचारिक हीनग्रंथि से बाहर आई भाजपा–

भाजपा का आज तक का ट्रैक हिंदुत्व का वैचारिक और राजनीतिक इस्तेमाल कर सत्ता में आने का रहा है। देश की राजनीति में चल रहे विमर्श में भाजपा बड़ी चतुराई से इस कार्ड का इस्तेमाल तो करती थी, किंतु उसके नेतृत्व में इसे लेकर एक हिचक बनी रहती थी। वो हिचक अटल जी से लेकर आडवानी तक हर दौर में दिखी है। भाजपा का हर नेता सत्ता पाने के बाद यह साबित करने में लगा रहता है वह अन्य दलों के नेताओं के कम 'सेकुलर' नहीं है। उत्तर प्रदेश की 'आदित्यनाथ परिघटना' दरअसल भाजपा की वैचारिक हीनग्रंथि से मुक्ति को स्थापित करती नजर आती है। नरेंद्र मोदी के राज्यारोहण के बाद योगी आदित्यनाथ का उदय भारतीय राजनीति में एक अलग किस्म की राजनीति की स्वीकृति का प्रतीक है। एक धर्मप्राण देश में धार्मिक प्रतीकों, भगवा रंग, सन्यासियों के प्रति जैसी विरक्ति मुख्यधारा की राजनीति में दिखती थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है।

भाजपा जैसे दल भी इस सेकुलर विकार से कम ग्रस्त न थे। धर्म और धर्माचार्यों का इस्तेमाल, धार्मिक आस्था का दोहन और सत्ता पाते ही सभी धार्मिक प्रतीकों से मुक्ति लेकर सारी राजनीति सिर्फ तुष्टीकरण में लग जाती थी। प्रधानमंत्रियों समेत जाने कितने सत्ताधीशों के ताज जामा मस्जिद में झुके होगें, लेकिन हिंदुत्व के प्रति उनकी हिचक निरंतर थी।

यह भी कम आश्चर्यजनक नहीं की एक समय में दीनदयाल जी उदार थे, तो अटलजी और बलराज मधोक अपनी वक्रता के चलते उग्र नेता माने जाते थे। अटलजी का दौर आया तो लालकृष्ण आडवाणी उग्र कहे जाने लगे, फिर एक समय ऐसा भी आया जब आडवानी उदार हो गए और नरेंद्र मोदी उग्र मान जाने लगे। आज की व्याख्याएं सुनें- नरेंद्र मोदी उदार हो गए हैं और योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमित शाह उग्र माने जाने लगे हैं। अब तो असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी आदित्यनाथ की परंपरा के मुख्यमंत्री कहे जाने लगे हैं।

सेकुलर संक्रमण से मुक्ति से मिली नई पहचान–

यह मीडिया, बौद्धिकों की अपनी रोज बनाई जाती व्याख्याएं हैं। लेकिन सच यह है कि अटल, मधोक, आडवानी, मोदी, अमित शाह या आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा और शुभेंदु अधिकारी कोई अलग-अलग लोग नहीं है। एक विचार के प्रति समर्पित राष्ट्रनायकों की सूची है यह। इसमें कोई कम जा ज्यादा उदार या कठोर नहीं है। किंतु भारतीय राजनीति का विमर्श ऐसा है जिसमें वास्तविकता से अधिक ड्रामे पर भरोसा है। भारतीय राजनेता की मजबूरी है कि वह टोपी पहने, रोजा भले न रखे किंतु इफ्तार की दावतें दे। आप ध्यान दें सरकारी स्तर पर यह प्रहसन लंबे समय से जारी रहा है। भाजपा भी इसी राजनीतिक क्षेत्र में काम करती है। उसमें भी इस तरह के रोग हैं। वह भी राष्ट्रनीति के साथ थोड़े तुष्टिकरण को गलत नहीं मानती। जबकि उसका अपना नारा रहा है सबको न्याय, तुष्टिकरण किसी का नहीं। उसका एक नारा यह भी रहा है- 'राम, रोटी और इंसाफ। '

लंबे समय के बाद भाजपा में अपनी वैचारिक लाइन को लेकर गर्व का बोध दिख रहा है। असरे बाद वे भारतीय राजनीति के सेकुलर संक्रमण से मुक्त होकर अपनी वैचारिक भूमि पर गरिमा के साथ खड़े दिख रहे हैं। समझौतों और आत्मसमर्पण की मुद्राओं के बजाए उनमें अपनी वैचारिक भूमि के प्रति हीनताग्रंथि के भाव कम हुए हैं। अब वे अन्य दलों की नकल के बजाए एक वैचारिक लाइन लेते हुए दिख रहे हैं। दिखावटी सेकुलरिज्म के बजाए वास्तविक राष्ट्रीयता के उनमें दर्शन हो रहे हैं। मोदी जब एक सौ चालीस करोड़ हिंदुस्तानियों की बात करते हैं तो बात अल्पसंख्यक और बहुसंख्यक से ऊपर चली जाती है। यहां देश सम्मानित होता है, एक नई राजनीति का प्रारंभ दिखता है। एक भगवाधारी संन्यासी जब मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठता है तो वह एक नया संदेश देता है। वह संदेश त्याग का है, परिवारवाद के विरोध का है, तुष्टिकरण के विरोध का है, सबको न्याय का है।

भारतीयता का विमर्श अब केंद्रीय विमर्श–

आजादी के बाद के सत्तर सालों में देश की राजनीति का विमर्श भारतीयता और उसकी जड़ों की तरफ लौटने के बजाए घोर पश्चिमी और वामपंथी रह गया था।

जबकि बेहतर होता कि आजादी के बाद हम अपनी ज्ञान परंपरा की और लौटते और अपनी जड़ों को मजबूत बनाते। किंतु सत्ता, शिक्षा, समाज और राजनीति में हमने पश्चिमी तो, कहीं वामपंथी विचारों के आधार पर चीजें खड़ी कीं। इसके कारण हमारा अपने समाज से ही रिश्ता कटता चला गया। सत्ता और जनता की दूरी और बढ़ गयी। सत्ता दाता बन बैठी और जनता याचक। सेवक मालिक बन गए। ऐसे में लोकतंत्र एक छद्म लोकतंत्र बन गया। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हम सत्तर साल के बाद सड़कें बना रहे हैं। यह लोकतंत्र की विफलता ही है कि हमारे अपने नौजवानों ने भारतीय राज्य के खिलाफ बंदूकें उठा रखी थीं। गृहमंत्री अमित शाह के दृढ़संकल्प की बदौलत आज माओवादी आतंक का अंत भी हमने देखा। पिछले सत्तर सालों में लोकतंत्र की विफलता की ये कहानियां सर्वत्र बिखरी पड़ी हैं। राजनीतिक तंत्र के प्रति उठा भरोसा भी साधारण नहीं था। आज ऐसा लगता है कि राजनीति से कुछ हो सकता है। मोदी,शाह, आदित्यनाथ भरोसे के प्रतीक बन गए। इसका मतलब यह भी है कि ये कुछ कह रहे हैं तो करेंगें भी।

नरेंद्र मोदी, अमित शाह, आदित्यनाथ देश की इन्हीं उम्मीदों के चेहरे हैं। तीनों अंग्रेजी नहीं बोलते। तीनों जन-मन-गण के प्रतिनिधि हैं। यह भारतीय राजनीति का बदलता हुआ चेहरा है। क्या सच में भारत खुद को पहचान रहा है ? वह जातियों, पंथों, क्षेत्रों की पहचान से अलग एक बड़ी पहचान से जुड़ रहा है- वह पहचान है भारतीय होना, राष्ट्रीय होना।

एक समय में राजनीति हमें नाउम्मीद करती हुयी नजर आती थी। बदले समय में वह उम्मीद जगा रही है। कुछ चेहरे ऐसे हैं जो भरोसा जगाते हैं। एक आकांक्षावान भारत बनता हुआ दिखता है। यह आकांक्षाएं राजनीति दलों के एजेंडे से जुड़ पाएं तो देश जल्दी और बेहतर बनेगा। राजनीतिक विमर्श और जनविमर्श को साथ लाने की कवायद हमें करनी ही होगी। जल्दी बहुत जल्दी। यह जितना और जितना जल्दी होगा भारत अपने भाग्य पर इठलाता दिखेगा।

टूटता भरोसा, दरकते रिश्ते

प्रो. मनोज कुमार

सोनम और सिया के मामले को लेकर जवान लडक़ी का पिता जो मेरा दोस्त है, चिंता में डूबा हुआ है। उसे लगता है कि उसकी बेटी के हाथ पीले करने में अब सौ अड़चनें आएगी। टूटता भरोसा और दरकते रिश्ते का यह जीवंत उदाहरण है। दोस्त की बेटी उच्च शिक्षित है, संस्कारी है और आत्मनिर्भर है लेकिन जो सोनम-सिया कांड है, वह उसके भावी जिंदगी का रोड़ा बन रही है। यह एक कड़ुआ सच है और इस सच से इंकार किया जाना मुश्किल ही नहीं,नामुमकीन है। जिन स्थितियों, परिस्थितियों में सोनम के बाद सिया प्रकरण हुआ, जो हुआ, सो वो हुआ लेकिन रिश्तों के मध्य भरोसे की एक महीन लकीर टूट गई। इन दोनों के कारण पूरे समाज में निराशा फैल गई है। लोगों को भरोसा रिश्ते से उठने लगा, जबकि सच यह है कि ये दोनों मामले एक अपराधिक मामले हैं। अदालत इसका फैसला करेंगी। साफतौर पर इसका बहुसंख्य समाज से बहुत कुछ लेना-देना नही है। समाज में बहुत किस्म के अपराध होते हैं और इसमें एक यह भी है। लेकिन एक अपराध से इतर समाज का मनोविज्ञान कुछ और ही कहता है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रिश्ता करने से पहले परिवार अब जासूसों की मदद लेने लगे हैं। वे तहकीकात कर इत्मीनान कर लेना चाहते हैं। यह भारतीय संस्कारों के प्रतिकूल है लेकिन स्थितियाँ ऐसा करने के लिए मजबूर कर रही है।

लौटते हैं मेरे उस दोस्त की चिंता पर। मैं उसकी बातों से इत्तेफाकर रखता हूँ लेकिन निराशावादी नहीं हूँ और उसे समझाता हूँ कि मध्यप्रदेश में आठ करोड़ से अधिक की आबादी है और कोई डेढ़ करोड़ परिवार होंगे। ऐसे में एक परिवार में होने वाली दुघर्टना को नजीर मान लेना उचित नहीं है। वह इस बात से सहमत है लेकिन उसका अगला सवाल होता है कि मान लो, इसी एक परिवार और हो जाए तब? कहने को तो यह कपोल-कल्पित बातें हैं लेकिन कोई मुक्कमल जवाब मेरे पास नहीं है। इसलिए भी नहीं कि विकास की तमाम संभावनाओं के बाद भी हम रूढ़िवादी संस्कृति से मुक्ति नहीं पा सके हैं। भारतीय समाज का विवाह का ताना-बाना ऐसा है जो आमतौर पर हमें उत्साह से भर देता है। लेकिन बदलती-बिगड़ती व्यवस्था के कारण विवाह संस्था पर आँच आने लगी है। इस पर भी विचार करने की जरूरत है कि ऐसा क्यों? थोड़े समय पहले सुपरिचित अभिनेत्री जया बच्चन ने अपनी नीतिन शादी नहीं करने की बात कही थी। और ऐसे ही गाहे-बगाहे शोध-सर्वेक्षणों में आ रहा है कि भविष्य में विवाह संस्था का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। हो सकता है कि ऐसा हो जाए लेकिन इसके पहले जया के बयान पर गौर करना जरूरी है। यह उनकी सोच नहीं, अनुभव हो सकता है। बरसों वैवाहिक जीवन गुजारने के बाद वे अपनी ही बच्ची को ऐसा सुझाव दें तो कहीं ना कहीं उनका अपना अनुभव सामने आता है। ईश्वर करे ऐसी सारी बातें खारिज हो जाएं लेकिन सोनम-सिया प्रकरण के चलते सोचना जरूरी हो जाता है।

भारतीय विवाह संस्था का ताना-बाना कितना बिखरेगा, यह तो भविष्य बताएगा लेकिन खरोंच अभी से आने लगी है और दिखने लगा है। लिव-इन-रिलेशनशिप जैसी प्रथा इसके मूल में है।

बोध कथा

आपके विचार ही आपका संसार है

विमला चार दिन से बीमार थी। न उसे भूख रही, न प्यास। नींद भी न रही। अच्छी भली थी, सेहत भी ठीक थी, चार दिन में ही सूख गई। रंग भी काला पड़ गया था। कितने वैद्य आए, पर उसकी बीमारी का कारण नहीं ढूंढ पाए। माता पिता भी चिंता में मरे जा रहे थे। बात यह थी कि अगले ही महीने विमला का विवाह होने वाला था। नदी पार के गांव के ही एक लड़के से विवाह तय हुआ था। भय यह था कि यदि ससुराल पक्ष में इसकी बीमारी की सूचना पहुंच गई, तो कहीं वे विवाह से ही इंकार न कर दें। आज सुबह गुरुजी आए। माता-पिता चरणों में पड़ गए और रोने लगे। गुरुजी ने सांत्वना दी। कहा- चिंता मत करो! सब ठीक हो जाएगा। मुझे यह बताओ कि जिस दिन ये बीमार हुई, उस दिन हुआ क्या था? माता ने बताया- उस दिन शाम को यह अपनी सहेली सरला के साथ छत पर खेल रही थी। जब नीचे आई तो चेहरा उतरा हुआ था। बस तभी से बीमार है। गुरुजी ने सरला को बुलाकर पूछा कि छत पर कुछ हुआ था क्या? सरला बोली- हां गुरुजी! जब हम खेल रहे थे, तब सामने नदी के उस पार बहुत से ऊंटों का काफिला जा रहा था। उन सब पर बहुत सी रूई लदी थी। इसने पूछा कि ये इतनी रूई कहां जा रही है? मैंने मजाक में कह दिया कि तेरी ससुराल।

इसने पूछा कि वे इतनी रूई का क्या करेंगे? तो मैंने कह दिया कि तुझसे धागा कतवाएंगे। बस यही बात है। ओह! तो यह बात है। कहते हुए, गुरुजी ने सरला के कान में कुछ कहा और चले गए। अगले दिन सरला विमला के पास आकर बैठ गई।

तीर तेवर —— सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

जो भी करना है, भागवान ने करना है...

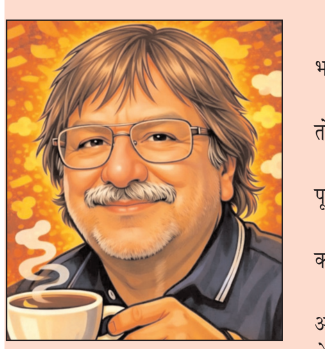

अशोक मतवाला

हमारे मोहल्ले में एक सज्जन हैं—नाम तो उनका रामलाल है, लेकिन लोग उन्हें 'भागवानवादी' कहते हैं। कारण यह कि उनकी ज़िंदगी का एक ही सिद्धांत है— 'जो भी करना है, भागवान ने करना है!'

सुबह उठते ही उनकी पत्नी कहती हैं, 'ज़रा दूध ले आओ।'

रामलाल जी अख़बार से नज़र उठाए बिना जवाब देते हैं, 'अगर भागवान को दूध चाहिए होगा तो वह स्वयं व्यवस्था कर देंगे।'

पत्नी गरजती हैं, 'भागवान नहीं, भगवान!'

रामलाल जी मुस्कुराते हैं, 'मेरे लिए तो तुम ही भागवान हो।'

एक दिन नौकरी चली गई। दोस्तों ने पूछा, 'अब क्या करोगे?'

बोले, 'जो करना है, भागवान ने करना है।'

दो महीने बाद बिजली का बिल आया। मीटर काटने वाले दरवाज़े पर खड़े थे। पत्नी बोलीं, 'कुछ करो!'

रामलाल जी फिर वही अमर वाक्य दोहरा गए— 'जो भी करना है, भागवान ने करना है।'

इस बार भागवान ने सचमुच किया। उन्होंने झाड़ू उठाई और रामलाल जी की पीठ पर लोकतंत्र की तरह लगातार प्रहार किए। अगले ही दिन रामलाल जी नौकरी ढूँढते नज़र आए।

आजकल यह दर्शन केवल रामलाल जी तक सीमित नहीं है। देश में हर तरफ इसके अनुयायी मिल जाएंगे।

परीक्षा में छात्र फेल हो जाए तो कहता है, 'जो करना है, भागवान ने करना है।'

माँ पूछती है, 'बेटा, पढ़ाई कब करेगा?' वह मोबाइल पर रील देखते हुए कहता है, 'अगर भागवान चाहेंगी तो डिग्री खुद चलकर घर आ जाएगी।'

राजनेता चुनाव हार जाए तो कहता है, 'जनता का फैसला सिर माथे, जो करना है भागवान ने करना है।'

लेकिन चुनाव जीत जाए तो तुरंत बोलता है, 'यह मेरी दूरदर्शी नीतियों और अथक परिश्रम का परिणाम है।'

यानी सफलता अपनी और असफलता भागवान की!

हमारे देश में 'भागवान ने करना है' एक ऐसा बहुउपयोगी वाक्य बन चुका है जो आलस्य, टालमटोल और गैर-जिम्मेदारी के लिए सरकारी अनुदान जैसा काम करता है।

छत टपक रही है—भागवान करेंगी।

नल खराब है—भागवान देखेंगी।

वज़न बढ़ रहा है—भागवान घटाएँगी।

डॉक्टर ने कहा टहलना शुरू करो, तो जवाब मिला, 'अगर भागवान चाहेंगी तो बिना टहले ही पेट अंदर हो जाएगा।'

मुझे तो लगता है कि अगर न्यूटन हमारे यहां पैदा हुए होते और सेब उनके सिर पर गिरता, तो वे गुरुत्वाकर्षण का नियम खोजने के बजाय यही कहते, 'जो भी करना है, भागवान ने करना है', और विज्ञान सौ साल पीछे चला जाता।

सच तो यह है कि भागवान बहुत कुछ कर सकती हैं, लेकिन गैस सिलेंडर बुक कराने से लेकर बिजली का बिल भरने तक का काम अभी भी हमें ही करना पड़ता है। भगवान भी शायद ऊपर बैठकर सोचते होंगे, 'भाई, मैंने तुम्हें हाथ-पैर और दिमाग इसलिए दिए थे कि कुछ काम भी कर लो। 'इसलिए जीवन का नया सूत्र यही होना चाहिए—

'जो करना है, पहले खुद करो; जो न हो सके, उसके लिए भगवान से प्रार्थना करो; और जो बिल्कुल न हो पाए, उसके लिए भागवान की अनुमति लेना मत भूलो! 'वरना भागवान भी एक दिन कह सकती हैं— 'जो भी करना है, अब तुमने ही करना है!'

इतिहास

28 जून का इतिहास दुनिया भर में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, आविष्कारों और ऐतिहासिक बदलावों का गवाह रहा है। आधुनिक विश्व की रूपरेखा तय करने वाले प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत से लेकर संगीत की दुनिया में सैक्सोफोन के आविष्कार तक, इस दिन की प्रमुख घटनाएं निम्नलिखित हैं:28 जून की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएंप्रथम विश्व युद्ध (1914): ऑस्ट्रिया के राजकुमार आर्कड्यूक फ्रांसिस फर्डिनेंड और उनकी पत्नी की सारायेवो में हत्या कर दी गई, जो प्रथम विश्व युद्ध के भड़कने का तात्कालिक कारण बनी। ट्रांसअटलांटिक उड़ान (1939): पैन अमेरिकन एयरवेज द्वारा दुनिया की पहली निर्धारित ट्रांसअटलांटिक उड़ान शुरू की गई, जिसने अमेरिका से फ्रांस तक की यात्रा पूरी की।इज़राइल और पूर्वी यरुशलम (1967): इज़राइल द्वारा पूर्वी यरुशलम का विलय कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

धमतरी में मछली कारोबारी की नृशंस हत्या

धमतरी। नगरी थाना इलाके में मछली कारोबारी की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई। हत्या की इस सनसनीखेज वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया। हत्यारों ने मछली कारोबारी को घेरकर धारदार हथियार से दर्जनों वार किए। हत्या की इस वारदात को उस वक्त अंजाम दिया गया, जब मछली कारोबारी दुकान बंद कर अपने साथी के साथ घर लौट रहा था। मछली कारोबारी को बचाने की कोशिश कर रहे उसके साथी की आंखों में बदमाशों ने मिर्च पाउडर डाल दिया। हत्या की इस वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से भाग निकले। पुलिस ने फरार अपराधियों को पकड़ने की कोशिश शुरू कर दी है। बदमाशों के हमले में मारे गए व्यापारी की पहचान बिल्पब मंडल, उम्र 55 साल के रुप में हुई है। लोगों ने बताया कि मृतक बिप्लब मंडल हर दिन नगरी क्षेत्र में मछली बेचने के बाद अपने घर गरियाबंद लौटता था। शनिवार रात भी वह दुकान बंद कर दोपहिया वाहन से अपने घर जा रहा था। उसके साथ गांव का युवक टुम्मन यादव भी मौजूद था। लोगों ने बताया कि रात करीब 7 से 8 बजे के बीच नगरी-गरियाबंद मार्ग पर गोरगांव गांव से आगे जंगल के पास पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात हमलावरों ने उनका रास्ता रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने बिप्लब मंडल पर धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके शरीर पर कई बार चाकू से वार किए, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

बकरी चोरी करने वाला अंतरराज्यीय गैंग बेनकाब

विश्व केसरी

बिलासपुर/रतनपुर। रतनपुर पुलिस और सेल बिलासपुर की संयुक्त टीम ने बकरा-बकरी चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी की बकरा-बकरी की बिक्री से 1.50 लाख रुपये की नकदी प्राप्त की और घटना में प्रयुक्त महिंद्रा स्कार्पियो वाहन जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार, ग्राम चकराभाठा निवासी समन सिंह पैकरा ने 21 जून को शिकायत दर्ज करायी थी कि 19 जून की रात अज्ञात चोर उनके बकरी कोठे की दीवार की चार बकरे और 15 बकरियां, कुल 19 बकरियों की चोरी कर ले गये थे। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान रतनपुर पुलिस और साइबर सेल ने संदिग्धों से पूछताछ की, जिसमें बदमाशों ने चोरी की स्वीकारोक्ति कर ली। उन्होंने बताया कि गांव-गांव के खेत में का काम करते थे और इसी दौरान बकरा-बकरियों की रेकी कर सुनसान जगह पर घटनाओं को अंजाम देते थे। यह भी बताया कि चोरी में 19 बकरा-बकरियों को 1.75 लाख रुपये में बेचा गया था। इसमें 25 हजार रुपए खर्च हो गए, जबकि शेष 1.50 लाख रुपए पुलिस ने बरामद किए।

स्कूटी पर निकले डिप्टी सीएम अरुण साव अरपा नदी के प्रदूषण पर भी जताई चिंता

विकास कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की और दिशा-निर्देश दिए

विश्व केसरी

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने रविवार को बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के स्थलों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति का आधार लिया। उन्होंने मंगल में एसटीपी, सड़क निर्माण कार्य, बिलासपुर कन्वेंशन सेंटर, राम सेतु एवं अशोक नगर में चल रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों से कार्य प्रगति की विस्तृत जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि समय सीमा के अंदर और उच्च गुणवत्ता के साथ सभी विकास कार्य पूरे होने चाहिए। वे जिन कार्यस्थल पर अस्थायी रूप से हो रहे हैं, उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हैं।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अरपा नदी के प्रदूषण पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 70 नालों का पानी सीधे अरपा नदी में गिर रहा है, जिससे नदी का जल जुड़ता जा रहा है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगभग 250 करोड़ रुपए की एसटीपी योजना तैयार की गई है। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिया कि योजना का प्रस्ताव शीघ्र तैयार कर शासन को भेजा जाए, ताकि जल्द ही प्रस्ताव कर निर्माण कार्य शुरू किया जा सके।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि बिलासपुर में मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना, लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम के अधोसंरचना संकल्पना के माध्यम से विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर प्रमुख सुशांत शुक्ला, उपाध्यक्ष एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा के ईंट भट्ठे में बंधक बने छत्तीसगढ़ के मजदूर

विश्व केसरी

सक्ती । छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां बेहतर मजदूरी के लालच में हरियाणा गए दर्जनों श्रमिक एक ईंट भट्ठे में फंस गए हैं। पीड़ित मजदूरों ने जिला प्रशासन से उन्हें सुरक्षित वापस लाने की गुहार लगाई है। मिली जानकारी के मुताबिक, सक्ती जिले के परसाडीह, बाराद्वार और कारी भावर गांव के करीब 35 से 40 मजदूर हरियाणा के हिसार जिले के हांसी थाना क्षेत्र स्थित सुल्तानपुर के एक ईंट भट्ठे में काम करने गए थे। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें वहां बंधक बनाकर रखा गया है और घर लौटने में परेशानी हो रही है। पीड़ितों का कहना है कि हरियाणा का श्रम विभाग जाति प्रमाण पत्र और आय प्रमाण पत्र की मांग कर रहा है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। मजदूरों का यह भी आरोप है कि लेबर ठेकेदार ऊंची मजदूरी का लालच देकर उन्हें बाहर ले जाते हैं और बाद में उनकी मजदूरी का बड़ा हिस्सा पहले ही वसूल लेते ईंट भट्ठे में फंसे मजदूरों ने वीडियो भेजकर हालात बयां की है। इनमें मजदूर सपरिवार एक स्थान पर खड़े हुए नजर आ रहे हैं। इनमें से दो महिलाओं ने बताया कि उनसे काम कराने के बावजूद मजदूरी नहीं दी जा रही है। वे वापस आना चाहते हैं, मगर पैसे नहीं मिलने के चलते वापस लौटने में दिक्कत हो रही है। मजदूरों ने बताया कि वे अपना पूरा सामान बांध कर जाने की तैयारी में हैं, मगर ठेकेदार केवल आधी मजदूरी दे रहा है और उन्हें जाने भी नहीं दे रहा है, विरोध करने पर वह मारपीट की धमकी दे रहा। इन महिलाओं ने आरोप लगाया कि उनकी शिकायत पर जो श्रम अधिकारी यहां पर आए हैं, वे उनकी कुछ भी नहीं सुन रहे हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले तीन लोगों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

विश्व केसरी

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में मॉर्निंग वॉक पर निकले तीन लोगों की मौत हो गई।

हादसा बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरी-कोरबी से गुजरने वाले भारतमाला मार्ग पर हुआ, जहां तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने तीन लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम डोंगरी-कोरबी निवासी 62 वर्षीय दलहरण दास वैष्णव, 52 वर्षीय केदार बरेट और 70 वर्षीय संतु यादव रोज की तरह सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बलौदा पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों को सूचना दे दी है। बलौदा थाना प्रभारी मनोहर सिन्हा ने बताया कि अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार वाहन और चालक की तलाश में जुटी हुई है। पोस्टमार्टम के बाद तीनों शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। इस दर्दनाक हादसे से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

भारतीय किसान संघ की बैठक में सरकार की नीतियों की आलोचना

विश्व केसरी

सुकमा। सुकमा के सर्व युवा समाज भवन में भारतीय किसान संघ (टिकैत) की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के प्रदेश प्रभारी महासचिव क्रांति, प्रदेश महासचिव तेजराम विद्रोही और बीजापुर के इकबाल सांबैया धन्नूर समेत कई लोग शामिल हुए। सरकार के सदस्यों ने कृषि, खादी वितरण और पर्यावरण से जुड़े मुद्दों की आलोचना करते हुए किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

बैठक में खादी की मिट्टी, कथित कालाबाजारी, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण, वनोपज का लाभ, सीलन सुविधा और ग्रामीण परिवहन जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि खाद वितरण की मौजूदा व्यवस्था से छोटे और मजदूर किसानों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण और किसानों के अधिकारों को लेकर गांव-गांव जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की ओर से जल्द ही सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

विश्व केसरी

बिलासपुर। एसईसीएल के वसंत विहार स्थित वसंत क्लब में शनिवार को माइन्स ऑफिसर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएमओएआई) की एसईसीएल शाखा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी अधिकारियों के हितों के संरक्षण के साथ-साथ संगठन और कंपनी की प्रगति में सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका निभाएगी।

इस अवसर पर सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के अध्यक्ष आशीष त्यागी, उपाध्यक्ष तिलकराज एवं अजय पंडित, महासचिव आलोक खुल्लर, संयुक्त महासचिव डॉ. अनु नेहा एवं डॉ. सुमित कृष्णन, कोषाध्यक्ष अनुप रहाटे तथा संयुक्त कोषाध्यक्ष अजय गुप्ता ने अपने-अपने पदों की शपथ ग्रहण की।उल्लेखनीय है कि सीएमओएआई एसईसीएल शाखा के चुनाव की प्रक्रिया के अंतर्गत 6 जून को एसईसीएल मुख्यालय तथा 7 जून को विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों में मतदान संपन्न हुआ था। इसके उपरांत 8 जून को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे।शपथ ग्रहण समारोह में एसईसीएल के अधिकारीगण एवं सीएमओएआई के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

50 दुकानों से बदलेगी भटगांव की तस्वीर, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

विश्व केसरी

भटगांव। नगर पंचायत भटगांव विकास की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ा रहा है। नगर के अड़बन्धा तालाब के किनारे 50 दुकानों वाले आधुनिक व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद न केवल नगर की तस्वीर बदलेगी, बल्कि करीब 50 लोगों को स्थायी रोजगार का अवसर भी मिलेगा। साथ ही नगर पंचायत की आय में भी वृद्धि होगी।

नगर के मुख्य प्रवेश मार्ग बिर्रा मोड़ स्थित अड़बन्धा तालाब के किनारे वर्षों से अस्थायी गुमठियां, ठेले और छोटी दुकानें संचालित होती थीं। यहां ग्राहकों की भीड़ के कारण अक्सर यातायात प्रभावित होता था और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। इन समस्याओं को देखते हुए नगर पंचायत ने स्थायी समाधान के रूप में व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स निर्माण का निर्णय लिया।

नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे के नेतृत्व में शुरू की गई इस योजना के तहत अस्थायी रूप से व्यवसाय करने वाले ठेला और गुमठी संचालकों को पहले बिर्रा रोड पर वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया गया, ताकि उनका रोजगार प्रभावित न हो। अब उनके लिए व्यवस्थित और स्थायी व्यवसायिक परिसर तैयार किया जा रहा है।

अध्यक्ष विक्रम कुर्रे ने बताया कि कॉम्प्लेक्स निर्माण का उद्देश्य नगर के बेरोजगार युवाओं और छोटे व्यापारियों को स्थायी रोजगार उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि यह जनहित का निर्णय है, जिससे नगर का व्यवस्थित विकास होगा और अनेक परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा।

नगर पंचायत उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन ने कहा कि कॉम्प्लेक्स बनने से नगर पंचायत के राजस्व में वृद्धि होगी, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और भटगांव की पहचान एक विकसित नगर के रूप में स्थापित होगी। उन्होंने बताया कि कॉम्प्लेक्स निर्माण के साथ-साथ अड़बन्धा तालाब का गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण भी कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्र की सुंदरता और आकर्षण बढ़ेगा।

हालांकि इस परियोजना को लेकर कुछ लोगों द्वारा विरोध भी किया जा रहा है। इस पर जनप्रतिनिधियों का कहना है कि कुछ विकास विरोधी तत्व नगर के विकास कार्यों को लेकर भ्रामक प्रचार कर रहे हैं, जबकि यह परियोजना पूरी तरह जनहित और नगर के भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। नगरवासियों का मानना है कि कॉम्प्लेक्स के निर्माण के बाद भटगांव में प्रवेश करने वाले लोगों को सुव्यवस्थित बाजार, बेहतर यातायात व्यवस्था और आधुनिक नगर का अनुभव मिलेगा। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि यह परियोजना भटगांव को विकास की नई पहचान दिलाने के साथ-साथ रोजगार और व्यापार के नए अवसर भी प्रदान की जाएगी

ओडिशा में माओवादियों के सुरंग का भांडाफोड़

गुंथबाड़ा के जंगल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद

विश्व केसरी

रायपुर। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में सुरक्षा बलों ने माओवादियों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने माओवादियों के बारूदी सुरंग के एक बड़े हिस्से का पता लगाकर उसे नष्ट कर दिया है। जिला स्वयंसेवी बल की टीम ने कलीमेला इलाके के गुंठबाड़ा और स्टेपगुडा के घने जंगलों में छापा मारा। वहां से दो बड़ी राइफलें, दो पिस्तौलें, जमीन के नीचे जाने वाले बम यानि आईईडी, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, गोलियां और हथियार बरामद किये गये।

पुलिस को यह दस्तावेज़ हाल ही में हिंसा से मुक्ति के आधार पर मिला है। आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे जंगल में सुबह करीब साढ़े छह बजे सुरक्षा बलों ने अपना अभियान शुरू किया था। जांच के दौरान पुलिस को यह सारा सामान मिला। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह पूरा जखीरा आंध्राखंड बॉर्डर स्पेशल जोनल कमेटी के माओवादियों का था। वे इस बंदूक और बंदूक का इस्तेमाल सुरक्षा बलों और आम जनता पर हमला करने की साजिश के लिए करने वाले थे।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह सफलता मलकानगिरी जिले को पूरी तरह से हिंसा से मुक्ति दिलाने के अभियान को और मजबूत बनाती है। पिछले साल जनवरी से लेकर इस साल मार्च तक जिले में दो बड़े माओवादियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके साथ ही हथियार खत्म कर दिया है। लगातार अस्थिर हो रहे नेटवर्क के बीच जखीरा पकड़ा गया माओवादी संगठन के लिए एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है।

एक ही महीने में तीसरी बार हथियार पकड़ा गया

जून महीने में विस्फोटकों की बरामदगी की यह तीसरी बड़ी घटना है। इससे पहले नौ जून को मथिली इलाके में और पिछले जून में पोडिया के जंगलों में भी सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया था। पुलिस ने साफ कर दिया है कि संयुक्त टीम के संयुक्त जिले में अभियान चलाया जा रहा है। जब तक इलाक़े से मावाडियो स्टूडियो पूरी तरह ख़त्म नहीं हो जाता, तब तक यह अभियान इसी तरह रात-दिन जारी रहेगा।

बारिश से ढही दीवार, 2 बच्चियों की मौत

विश्व केसरी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बारिश से कच्चे मकान की एक दीवार ढह गई, हादसे में 2 बच्चियों की मौत हो गई। राऊरपुर गांव में शनिवार रात भर बारिश हुई, रविवार सुबह यह हादसा हुआ। वंशिका कोसले (12) और राधिका कोसले (9) घर के आंगन में दोनों खेल रही थीं, तभी मलबे में दब गई। इसमें एक महिला घायल हुई है।

वहीं, सुकमा जिले के कुकानार गांव में बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई, 4 अन्य घायल हैं। सभी युवक खेत में काम करने के बाद बारिश से बचने के लिए इमली के पेड़ के नीचे बैठे थे। तभी दोपहर 3 बजे आंधी के साथ बिजली गिरी। सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अजय नाग (18) ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश और कई जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने, तूफान की चेतावनी जारी की है। अगले एक सप्ताह तक बारिश की गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं। फिलहाल, मानसून प्रदेश के करीब 80% हिस्से को कवर कर चुका है। बस्तर में बारिश को लेकर सबसे बेहतर स्थिति है, फिर भी यहां 54% तक कम पानी गिरा है। वहीं राजनांदगांव समेत कई जिलों में 80% तक कम बारिश हुई है।

कहां कितनी बारिश हुई

सबसे ज्यादा 50 रू्रू बारिश मुंगेली में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा दरभा में 40 MM, गुंडरदेही, अर्जुंदा और कोंटा में 30-30 MM बारिश हुई। रायगढ़, अकलतरा, प्रेमनगर, मनोरा, करपावंड, पथलगांव, अहिवारा, गुरूर, दुर्ग और दोरनापाल सहित कई क्षेत्रों में 20-20 रू्रूबारिश दर्ज की गई। वहीं अंबागढ़ चौकी, जगदलपुर, बलरामपुर, धरसींवा, गरियाबंद, बस्तर, भानुप्रतापपुर क्षेत्र के कुछ इलाकों समेत कई स्थानों पर 10-10 MM बारिश रिकॉर्ड

कारोबार

विश्व केसरी

देश की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केटकैप 88 हजार करोड़ रुपए से अधिक बढ़ा, आईसीआईसीआई बैंक टॉप गेनर रहा

मुंबई। देश की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों का मार्केटकैप बीते हफ्ते 88,678.1 करोड़ रुपए बढ़ा है। इसमें आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक इजाफा हुआ है।

इसके अतिरिक्त, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और एलएंडटी के मार्केटकैप में बढ़ोतरी हुई है।

वहीं, भारती एयरटेल, एलआईसी, टीसीएस और एचयूएल के बाजार पूंजीकरण में गिरावट दर्ज की गई है।

आईसीआईसीआई बैंक के वैल्यूएशन में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई और इसका मार्केट कैप 29,588.75 करोड़ रुपए बढ़कर 9,95,610.74 करोड़ रुपए हो गया।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 24,718.3 करोड़ रुपए बढ़कर 12,25,981.44 करोड़ रुपए हो गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केटकैप 12,043.96 करोड़ रुपए बढ़कर 17,83,926.92 करोड़ रुपए हो गया है।

बजाज फाइनेंस का मार्केटकैप 11,580.28 करोड़ रुपए बढ़कर 6,10,081.53 करोड़ रुपए, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 9,322.93 करोड़ रुपए बढ़कर 9,64,738 करोड़ रुपए और एलएंडटी का बाजार पूंजीकरण 1,423.88 करोड़ रुपए बढ़कर 5,80,550.83 करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ, भारती एयरटेल का मार्केटकैप 35,615.21 करोड़ रुपए घटकर 11,27,348.09 करोड़ रुपए, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एलआईसी) का मार्केटकैप 21,188.74 करोड़ रुपए कम होकर 5,35,537.56 करोड़ रुपए, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 11,143.71 करोड़ रुपए घटकर 7,58,206.42 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का मार्केटकैप कम होकर 5,321.83 करोड़ रुपए घटकर 5,10,624.92 करोड़ रुपए हो गया है।

बीते हफ्ता शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव भरा रहा। इस दौरान सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत बढ़कर 77,100.47 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,056 पर बंद हुआ।

भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील, कच्चे तेल की कीमत, एफआईआई का रुझान और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से शेयर बाजार की चाल निर्धारित होगी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर अगले हफ्ते निवेशकों की निगाहें रहेंगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा था कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं।

'दीक्षा' स्कूली शिक्षा के लिए 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म' के तौर पर उभरा : केंद्र

विश्व केसरी

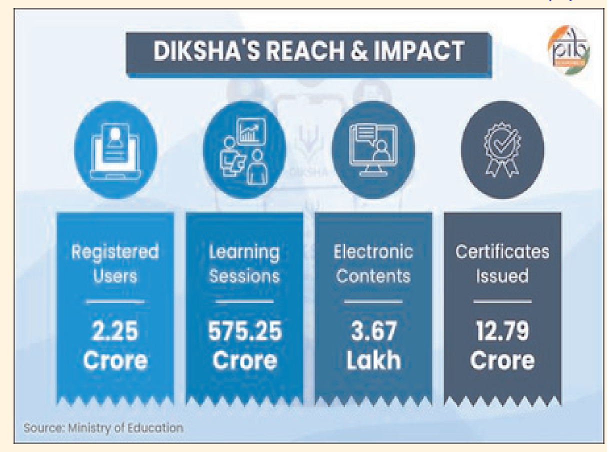

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को कहा कि नॉलेज शेयरिंग प्लेटफॉर्म 'दीक्षा' स्कूली शिक्षा के लिए 'एक देश, एक डिजिटल प्लेटफॉर्म' बनकर उभरा है। यह कई भाषाओं में पाठ्यक्रम से जुड़े डिजिटल लर्निंग रिसोर्स उपलब्ध कराता है और पूरे भारत में छात्रों और शिक्षकों के लिए समावेशी और टेक्नोलॉजी आधारित सीखने को बढ़ावा देता है।

दीक्षा को 2017 में शुरू किया गया था और इसे नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) द्वारा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (सीआईईटी) के सहयोग से चलाया जा रहा है।

सरकार ने इस प्लेटफॉर्म को स्कूली शिक्षा के लिए देश का 'वन नेशन, वन डिजिटल प्लेटफॉर्म' बताया है, जिसका मकसद डिजिटल माध्यमों से पढ़ाई-लिखाई को जारी रखना है।

सरकार के अनुसार, दीक्षा के-12 के लिए व्यापक डिजिटल लर्निंग सपोर्ट देता है, जिसमें बुनियादी साक्षरता और अंक-ज्ञान से लेकर सीनियर सेकेंडरी शिक्षा तक सब कुछ शामिल है।

इस प्लेटफॉर्म को लगभग सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा बोर्ड ने अपनाया है और इसे क्षेत्रीय भाषाओं, पाठ्यक्रम और पढ़ाने के तरीकों की जरूरतों के हिसाब से बदला जा सकता है।

सरकार ने कहा कि दीक्षा टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के जरिए आसानी से उपलब्ध, दिलचस्प और हर किसी की जरूरत के हिसाब से सीखने के अनुभव को बढ़ावा देता है। यह प्लेटफॉर्म कॉन्सेप्ट की समझ बेहतर बनाने और सीखने के अलग-अलग तरीकों में मदद करने के लिए कई तरह के एजुकेशनल रिसोर्स देता है जिसमें 2डी और 3डी एनिमेशन, ऑगमेंटेड रियलिटी अनुभव, सिमुलेशन, वर्चुअल लैब और साइन लैंग्वेज वीडियो शामिल हैं।

प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध क्यूआर-कोडेड टेक्स्टबुक्स, एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को वीडियो, इंटरैक्टिव सामग्री और शिक्षक गाइड से जोड़ती हैं।

आधार से लेकर पासपोर्ट तक एक जुलाई से होने जा रहे ये बदलाव, देखें पूरी लिस्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अगला महीना शुरू होने में कुछ ही दिनों का समय बचा हुआ है। हर महीने की शुरुआत में कुछ न कुछ बदलाव होते हैं। ऐसे में एक जुलाई से आधार, पासपोर्ट, गाड़ियों के दाम से लेकर एलपीजी के दाम तक में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिनका आपकी जेब पर सीधा असर पड़ता है।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने ऐलान किया है कि अगर आप अपने आधार में ईमेल आईटी अपडेट करना चाहते हैं तो एक जुलाई-31 दिसंबर तक निशुल्क कर सकते हैं। इससे पहले आधार में ईमेल अपडेट करने के लिए 75 रुपए देने होते थे।

इस कदम के जरिए आधार का संचालन करने वाली संस्था यूआईडीएआई की ओर से लोगों को आधार में लेटेस्ट जानकारी अपडेट करने के लिए प्रेरित करना है।

सरकार की ओर से पासपोर्ट बनाने की फीस को बढ़ा दिया गया है। अब सामान्य पासपोर्ट को बनवाने के लिए 1,500 रुपए की जगह 2,500 रुपए देने होंगे। वहीं, तत्काल पासपोर्ट को बनवाने के लिए 5,000 रुपए देने होंगे, जो फीस पहले 3,500 रुपए थी। यह नई फीस 1 जुलाई से लागू हो रही है। कई वाहन कंपनियों ने एक जुलाई से कीमतों को बढ़ाने का ऐलान किया है। इनमें टाटा मोटर्स, किआ मोटर्स, एमजी मोटर्स और बीएमडब्ल्यू का नाम शामिल है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल (पीवी) ने अपने वाहनों की कीमत में 1.5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। वहीं, टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल (सीवी) ने कीमतों को 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाने की घोषणा की है। इसके अलावा किआ मोटर्स और बीएमडब्ल्यू ने कीमतों में 2-2 प्रतिशत और एमजी मोटर्स ने 3 प्रतिशत तक बढ़ाने का ऐलान किया है।

इसके अलावा, कई क्रेडिट कार्ड के नियमों में एक जुलाई से बदलाव होने जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एसबीआई कार्ड ने कुछ चुनिंदा फोनपे एसबीआई कार्ड के लिए रिवॉड पॉइंट में बदलाव किया गया है। इसके तहत कई नई सीमाएं लगाई गई हैं और कुछ ट्रांजैक्शन को रिवॉर्ड पॉइंट्स की कैटेगरी से हटाया गया है। वहीं, एचडीएफसी ने रेगलिया गोल्ड क्रेडिट कार्ड होल्डर्स अब हर कैलेंडर वर्ष की तिमाही में तीन बार मुफ्त डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज का इस्तेमाल कर सकेंगे। हालांकि, इसके लिए उन्हें हर तिमाही में कम से कम 60,000 रुपए खर्च करने होंगे।

मार्केट आउटलुक: भारत-अमेरिका ट्रेड डील, कच्चे तेल की कीमत और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। भारत-अमेरिका ट्रेड डील, कच्चे तेल की कीमत, एफआईआई का रुझान और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से शेयर बाजार की चाल निर्धारित होगी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर अगले हफ्ते निवेशकों की निगाहें रहेंगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा था कि भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब हैं।

उनका यह बयान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर से मुलाकात के बाद आया था। इस प्रस्तावित समझौते से दोनों देशों के व्यापारिक संबंध मजबूत होने की उम्मीद है।

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अमेरिका ने शुक्रवार को ईरान पर स्ट्राइक की थी। इसकी वजह ईरान द्वारा हॉर्मुज स्ट्रेट पर मालवाहक जहाज को निशाना बनाना था। हालांकि, हाल के दिनों में कच्चे तेल की कीमत में बड़ी गिरावट देखने को मिली है और ब्रेंट क्रूड 72 डॉलर के आसपास बना हुआ है।

घरेलू आर्थिक डेटा भी बाजार की चाल को प्रभावित करेगा। 29 जून को इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट का डेटा जारी होगा।

30 जून को मई का राजकोषीय घाटे और व्यापार संतुलन, 1 जुलाई को जीएसटी, ऑटो सेल्स एवं मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई और 2 जुलाई को सर्विसेज और कंपोजिट पीएमआई और विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े आएगा।

इस हफ्ते सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत बढ़कर 77,100.47 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,056 पर बंद हुआ।

इसके अतिरिक्त, कच्चे तेल की कम कीमतों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में सुधार के संकेतों के कारण इस हफ्ते भारतीय रुपया मजबूत हुआ। हालांकि, निवेशक यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और बदलाव की संभावना को लेकर सतर्क बने रहे, क्योंकि इससे ग्लोबल कैपिटल फ्लो पर असर पड़ सकता है।

रुपए में स्थिरता, कोरियाई और ताइवानी बाजार में उतार-चढ़ाव से भारत में हो सकती है विदेशी निवेशकों की वापसी

विश्व केसरी

मुंबई । कच्चे तेल की कीमत में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से चुनिंदा खरीदारी के चलते बिकवाली का दबाव कम होने से भारतीय शेयर बाजार की धारणा में सुधार हुआ है। यह जानकारी विश्लेषकों की ओर से दी गई।

पिछले नौ ट्रेडिंग दिनों (15 जून - 25 जून) के दौरान, एफआईआई ने कैश मार्केट में पांच दिन खरीदारी की, हालांकि यह खरीदारी सीमित मात्रा में थी। इससे विदेशी निवेशकों की तरफ से लगातार हो रही भारी बिकवाली अब खत्म होती दिख रही है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा, 'विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों में इस बदलाव के लिए दो बातें जिम्मेदार हैं। पहली, रुपया स्थिर हो गया है और 15 मई को डॉलर के मुकाबले 96.96 के निचले स्तर से मजबूत भी हुआ है। अब रुपया डॉलर के मुकाबले लगभग 94.40 पर है।'

अब रुपया मजबूत हो रहा हो, तो एफपीआई के लिए बिकवाली करना समझदारी नहीं है।

दूसरी बात, दक्षिण कोरियाई और ताइवानी बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव एफपीआई को इन बाजारों में बिकवाली करने के लिए मजबूर कर रहा है। उन्होंने कहा, 'एक दिन दक्षिण कोरियाई बाजार 8 प्रतिशत गिर गया, जिससे ट्रेडिंग रोकनी पड़ी। इससे भारी मुनाफा कमाने वाले एफपीआई दक्षिण कोरिया और ताइवान में बिकवाली कर रहे हैं। यह एफआईआई को भारत में कम कमाई के बावजूद फिर से निवेश करने पर विचार करने के लिए प्रेरित कर रहा है।'

वहीं, कच्चे तेल की कीमतों का 73 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आना भारत के लिए बहुत अच्छी बात है।

भारत जिस 'बैलेंस ऑफ पेमेंट्स' संकट का सामना कर रहा था, वह अब खत्म हो चुका है। इस कारण यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि लगातार एफपीआई बिकवाली का दौर खत्म हो गया है। हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि एफपीआई को भारत में लगातार खरीदार बनने में कुछ समय लग सकता है।

भारत-अमेरिका के बीच संभावित ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर उम्मीदों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया, जबकि बीच-बीच में पैसे निकलने के बाद चुनिंदा एफआईआई की खरीदारी लौटने से बाजार का भरोसा बढ़ा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के रिसर्च एसवीपी अजीत मिश्रा ने कहा कि व्यापक घरेलू आर्थिक संकेतों में सुस्ती और ग्लोबल मॉनेटरी पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण निवेश का एक अनुशासित और शेयर विशिष्ट तरीका अपनाने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि ग्लोबल स्तर पर, कच्चे तेल की कीमतों का ट्रेंड, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और एफआईआई के निवेश का ट्रेंड बाजार के सेंटीमेंट को तय करने वाले मुख्य कारक बने रहेंगे। भारत-अमेरिका के बीच संभावित ट्रेड एग्रीमेंट पर हो रही प्रगति पर भी करीबी नजर रखी जाएगी।

हर महीने 10,000 रुपए निवेश करके भी बना सकते हैं 1 करोड़ का फंड! कैलकुलेशन से समझिए कितना समय लगेगा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अधिकांश लोगों के लिए 1 करोड़ रुपए का निवेश फंड आज भी एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य माना जाता है। लेकिन इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हमेशा बड़ी रकम निवेश करने की जरूरत नहीं होती। अगर आप सही समय पर निवेश शुरू करें, नियमित रूप से निवेश करते रहें और कंपाउंडिंग की ताकत का फायदा उठाएं, तो छोटी मासिक एसआईपी भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकती है।

जी हां, चलिए हम आपको कैलकुलेशन के जरिए बताते हैं कि कैसे कोई निवेशक सिर्फ 10 हजार रुपए हर महीने म्यूचुअल फंड में निवेश करके 1 करोड़ रुपए का फंड तैयार कर सकता है और इसमें कितना समय लग सकता है।

म्यूचुअल फंड में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने एक तय राशि निवेश की जाती है। इससे बाजार में उतार-चढ़ाव का असर औसत हो जाता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

अगर कोई निवेशक हर महीने 10,000 रुपए की एसआईपी करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो लगभग 39 साल में उसका निवेश 1 करोड़ रुपए के आंकड़े को भी पार कर सकता है। इस अवधि में निवेशक अपनी ओर से कुल 46.80 लाख (10,000 रुपए म 12 महीने म 39 वर्ष) का निवेश करेगा। 12 प्रतिशत की अनुमानित वार्षिक कंपाउंडिंग के आधार पर उसे करीब 54.70 लाख रुपए का अनुमानित रिटर्न मिलेगा। इस तरह निवेश की अवधि पूरी होने पर उसका कुल फंड लगभग 1.01 करोड़ रुपए हो जाएगा। हालांकि, यह केवल एक अनुमानित गणना है। म्यूचुअल फंड बाजार आधारित निवेश हैं, इसलिए वास्तविक रिटर्न बाजार के प्रदर्शन के अनुसार अधिक या कम हो सकता है। ध्यान रहे, यह गणना 12 प्रतिशत के अनुमानित वार्षिक रिटर्न और मासिक कंपाउंडिंग के आधार पर की गई है। म्यूचुअल फंड का रिटर्न बाजार से जुड़ा होता है, इसलिए वास्तविक रिटर्न इससे अधिक या कम हो सकता है।

लंबी अवधि के निवेश में सबसे बड़ा फायदा कंपाउंडिंग का होता है। जितनी जल्दी आप एसआईपी शुरू करेंगे, आपका पैसा उतने अधिक समय तक बढ़ता रहेगा।

सरकार ने मेडिकल डिवाइस बनाने के लाइसेंस के लिए मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करने का दिया प्रस्ताव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को चिकित्सा उपकरण नियम, 2017 में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रदर्शन से संबंधित निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करते हुए चिकित्सा उपकरणों की लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाना और उसमें तेजी लाना है।

मंत्रालय ने प्रस्तावित बदलावों पर लोगों की राय जानने के लिए सरकारी गजट में एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

मौजूदा ढांचे के तहत चिकित्सा उपकरणों को जोखिम के आधार पर चार श्रेणियों—क्लास ए, क्लास बी, क्लास सी और क्लास डी—में वर्गीकृत किया गया है। इनमें क्लास डी में सबसे अधिक जोखिम वाले चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इन नियमों में प्रत्येक श्रेणी के चिकित्सा उपकरणों के लाइसेंस बनाने के लिए प्राप्त आवेदनों के निपटारे के लिए वैधानिक समय-सीमा निर्धारित है। प्रस्तावित संशोधनों में इन समय-सीमाओं को कम करने की बात कही गई है, ताकि गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रदर्शन के स्थापित मानकों से समझौता किए बिना नियंत्रक स्वीकृतियां अधिक तेजी से प्रदान की जा सकें।

मंत्रालय ने मुताबिक, प्रस्तावित संशोधनों में क्लास बी चिकित्सा उपकरणों, जिनमें निम्न से मध्यम जोखिम वाले उपकरण जैसे ब्लड प्रेशर मॉनिटर, हाइपोडर्मिक सुइयां और पल्स ऑक्सीमीटर शामिल हैं, के लाइसेंस बनाने की समय-सीमा को 140 दिनों से घटाकर 115 दिन करने का प्रस्ताव किया गया है।

इसी तरह, क्लास सी और क्लास डी के चिकित्सा उपकरणों, जिनमें उच्च जोखिम वाले उपकरण जैसे हृदय स्टेंट, कूल्हे और घुटने के प्रत्यारोपण तथा अन्य हड्डी रोगों से संबंधित प्रत्यारोपण शामिल हैं, के लाइसेंस बनाने की समय-सीमा को 105 दिनों से घटाकर 90 दिन करने का प्रस्ताव है। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, प्रस्तावित मसौदे के संशोधनों में लाइसेंसिंग प्रक्रिया के प्रत्येक चरण के लिए भी स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है। इसमें आवेदनों की जांच, अधिसूचित निकायों द्वारा ऑडिट, अनुपालन का सत्यापन तथा लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया शामिल है। इससे नियामक व्यवस्था में अधिक पारदर्शिता, पूर्वानुमान लगाने और दक्षता आने की उम्मीद है। इसका लाभ चिकित्सा उपकरण उद्योग के साथ-साथ रोगियों को भी मिलेगा, क्योंकि उनकी गुणवत्ता वाले चिकित्सा उपकरणों तक अधिक तेजी से पहुंच उपलब्ध हो सकेगी। मंत्रालय ने कहा कि मसौदे की अधिसूचना को सभी हितधारकों से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित करने के लिए सार्वजनिक किया गया है। राजपत्र तथा केन-?द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की वेबसाइट पर यह अधिसूचना उपलब्ध है।

बारिश में बच्चों को भूलकर भी न खिलाएं ये चीजें, वरना बिगड़ सकती है सेहत और बढ़ सकता है इंफेक्शन का खतरा

मानसून में बच्चों को बाहर का खाना, बासी भोजन, कटे हुए फल, कोल्ड ड्रिंक और ज्यादा तला-भुना खाना देने से बचें. ताजा, साफ और संतुलित भोजन के साथ अच्छी स्वच्छता अपनाकर संक्रमण का खतरा काफी कम किया जा सकता है.

बारिश का मौसम आते ही मौसम सुहाना जरूर हो जाता है, लेकिन यही समय बच्चों की सेहत के लिए सबसे ज्यादा सावधानी बरतने का भी होता है. इस दौरान हवा में नमी बढ़ने से बैक्टीरिया, वायरस और फंगस तेजी से फैलते हैं, जिसका असर सबसे पहले छोटे बच्चों पर देखने को मिलता है. कई बार माता-पिता अनजाने में ऐसी चीजें बच्चों को खिला देते हैं, जो सामान्य दिनों में नुकसान नहीं करतीं, लेकिन मानसून में वही फूड इंफेक्शन, पेट खराब, उल्टी, दस्त और गले के संक्रमण की वजह बन सकती हैं, अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा बारिश के पूरे मौसम में स्वस्थ रहे, तो उसकी डाइट पर खास ध्यान देना जरूरी है.

कुछ छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर आप कई मौसमी बीमारियों से बच्चों को बचा सकते हैं. आइए जानते हैं कि मानसून में बच्चों को किन चीजों से दूर रखना चाहिए और उनकी थाली में क्या शामिल करना ज्यादा बेहतर रहेगा.

बारिश में बच्चों की डाइट क्यों बदलनी चाहिए?

मानसून के दौरान तापमान और नमी का स्तर बढ़ जाता है. ऐसे माहौल में खाने-पीने की चीजें जल्दी खराब होने लगती हैं. बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह विकसित नहीं होती, इसलिए उनका शरीर संक्रमण से जल्दी प्रभावित हो सकता है. यही वजह है कि इस मौसम में सिर्फ स्वाद नहीं, बल्कि खाने की गुणवत्ता और ताजगी भी उतनी ही जरूरी होती है.

1. स्ट्रीट फूड से रखें दूरी

बारिश के मौसम में सड़क किनारे मिलने वाली चाट, गोलगप्पे, समोसे, पकौड़े और दूसरी तली-भुनी चीजें बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं मानी जातीं. कई बार इन्हें तैयार करने में इस्तेमाल किया गया पानी या तेल साफ नहीं होता. खुले में रखा खाना भी जल्दी दूषित हो सकता है।

ऐसे भोजन से फूड पॉइजनिंग, पेट दर्द और दस्त जैसी समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है. अगर बच्चा बार-बार बाहर का खाना खाने की जिद करता है, तो घर पर ही साफ-सुथरे तरीके से उसकी पसंद की डिश बनाना बेहतर रहेगा.

2. बासी खाना और कटे हुए फल न दें

ताजा भोजन ही सबसे सुरक्षित सुबह का बना खाना अगर शाम तक बाहर रखा रहे या पहले से कटे हुए फल लंबे समय तक खुले में पड़े हों, तो उनमें बैक्टीरिया तेजी से बढ़ सकते हैं. ऐसे खाद्य पदार्थ बच्चों के पेट पर सीधा असर डालते हैं. इस मौसम में कोशिश करें कि बच्चे को हर बार ताजा बना भोजन ही मिले. फल भी काटने के तुरंत बाद खिलाएं ताकि उनकी पौष्टिकता बनी रहे और संक्रमण का खतरा कम हो.

3. कोल्ड ड्रिंक और ठंडी चीजों से करें परहेज

बारिश के दिनों में बच्चे अक्सर आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक और ठंडे जूस की मांग करते हैं, लेकिन ज्यादा ठंडी चीजें गले में संक्रमण, सर्दी और खांसी की संभावना बढ़ा सकती हैं. साथ ही सॉफ्ट ड्रिंक में मौजूद अधिक चीनी शरीर को कोई खास पोषण भी नहीं देती. इनकी जगह बच्चों को गुनगुना सूप, ताजा नारियल पानी, नींबू पानी या पर्याप्त मात्रा में साफ पानी देना ज्यादा अच्छा विकल्प हो सकता है।

सिर्फ दोष दूर करने से नहीं बदलेगी किस्मत! पहले मजबूत करें कुंडली के ये 3 सबसे खास ग्रह, फिर देखे कमाल

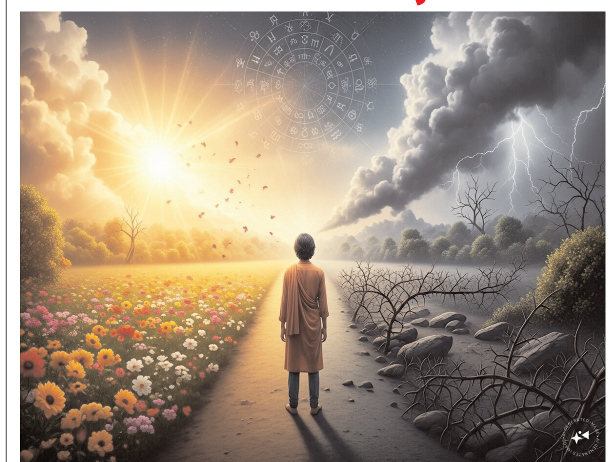

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा, सूर्य और लग्नेश को कुंडली की मजबूत नींव माना गया है. इन ग्रहों को संतुलित करने से मानसिक शांति, आत्मविश्वास और जीवन में सफलता के रास्ते खुलने की मान्यता है.

कई लोग अपनी कुंडली में मौजूद दोषों को दूर करने के लिए अलग-अलग ग्रहों के उपाय करते हैं, लेकिन अक्सर एक बड़ी गलती कर बैठते हैं. वे उस ग्रह पर ध्यान देते हैं जो परेशानी दे रहा है, जबकि ज्योतिष शास्त्र कहता है कि किसी भी उपाय की शुरुआत हमेशा कुंडली की बुनियाद से होनी चाहिए, अगर नींव मजबूत होगी तो पूरी इमारत टिकाऊ बनेगी. ठीक इसी तरह, चंद्रमा, सूर्य और लग्नेश को कुंडली के सबसे अहम स्तंभ माना गया है, अगर ये तीनों ग्रह मजबूत हों तो बाकी शुभ ग्रहों के अच्छे फल भी तेजी से मिलने लगते हैं.

आइए जानते हैं कि ज्योतिष में सबसे पहले इन्हीं ग्रहों को मजबूत करने की सलाह क्यों दी जाती है और इनके आसान उपाय क्या हैं. इस विषय में अधिक जानकारी दे रहे हैं ज्योतिषी, वास्तु विशेषज्ञ एवं न्यूमेरोलॉजिस्ट हिमाचल सिंह.

चंद्रमा को सबसे पहले मजबूत करना क्यों माना जाता है जरूरी?

ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन, भावनाओं और मानसिक संतुलन का कारक माना गया है. शास्त्रों में कहा गया है कि इंसान का हर फैसला उसके मन से निकलता है, अगर मन ही बेचैन, डरा हुआ या उलझन में रहेगा तो अच्छी किस्मत भी पूरी तरह साथ नहीं दे पाएगी.

अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोगों की कुंडली में अच्छे योग होते हैं, फिर भी उन्हें सफलता नहीं मिलती. इसकी एक बड़ी वजह कमजोर चंद्रमा हो सकता है. ऐसा व्यक्ति छोटी-छोटी बातों में तनाव लेता है, सही समय पर फैसला नहीं कर पाता और आत्मविश्वास भी डगमगा जाता है. इसलिए अनुभवी ज्योतिषी सबसे पहले चंद्रमा को मजबूत करने की सलाह देते हैं.

मजबूत चंद्रमा से मिल सकते हैं ये लाभ

मजबूत चंद्रमा इंसान को मानसिक शांति, धैर्य, सकारात्मक सोच और सही फैसले लेने की क्षमता देता है. रिश्तों में भी मधुरता बनी रहती है और जीवन में संतुलन महसूस होता है.

सूर्य मजबूत होगा तो बढ़ेगा आत्मविश्वास और सम्मान

सूर्य को सभी ग्रहों का राजा कहा गया है. यह आत्मबल, नेतृत्व क्षमता, स्वास्थ्य, प्रतिष्ठा और पिता का कारक माना जाता है, अगर सूर्य कमजोर हो तो व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास की कमी देखी जा सकती है. कई बार मेहनत करने के बावजूद उसे अपने काम का पूरा सम्मान नहीं मिल पाता।

पोंछा लगाते समय पानी में मिला दीजिए यह सफेद पाउडर, फर्श की सीलन हो जाएगी गायब

अगर घर के फर्श से सीलन या बदबू की समस्या रहती है, तो पोंछा लगाने वाले पानी में थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा मिला लीजिए. इसके बाद पोंछा लगाने से आपको काफी राहत मिल सकती है. यह एक आसान घरेलू उपाय है, जो बदबू कम करने, गंदगी साफ करने और घर को ताजगीभरा महसूस कराने में मदद कर सकता है.

बरसात का मौसम शुरू हो गया है और बारिश की वजह से घर में सीलन की समस्या बढ़ जाती है. फर्श पर सीलन, बदबू और फिसलन की समस्या बढ़ जाती है. ऐसे में लोग महंगे फ्लोर क्लीनर का सहारा लेते हैं. कई बार महंगे प्रोडक्ट इस्तेमाल करने के बावजूद फर्श पर सीलन बनी रहती है और लोगों के लिए मुश्किलें पैदा हो जाती हैं. अगर आप इस समस्या से परेशान रहते हैं, तो कुछ आसान घरेलू उपायों से इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं. इसके लिए आप पोंछा लगाते समय पानी में थोड़ा बेकिंग सोडा मिला दीजिए. इसका रिजल्ट देखकर आप हैरान रह जाएंगे.

पोंछे के पानी में मिलाएं बेकिंग सोडा

एक बाल्टी साफ पानी में 1 से 2 चम्मच बेकिंग सोडा अच्छी तरह घोल लें. चाहें तो इसमें कुछ बूंदें नींबू का रस या अपना नियमित फ्लोर क्लीनर भी मिला सकते हैं. इसके बाद सामान्य तरीके से पूरे घर में पोंछा लगाएं. यह मिश्रण फर्श की सामान्य सफाई के साथ बदबू कम करने में भी सहायक हो सकता है. बेकिंग सोडा प्राकृतिक क्लीनिंग एजेंट माना जाता है. यह फर्श पर जमी गंदगी और दाग हटाने में मदद करता है. यह नमी के कारण आने वाली दुर्गंध को कम करने में भी कारगर हो सकता है. नियमित सफाई के दौरान इसका सीमित मात्रा में इस्तेमाल करने से घर ज्यादा साफ और ताजगीभरा महसूस हो सकता है।

चॉपिंग बोर्ड के दाग-धब्बे 30 सेकंड में होंगे गायब, नींबू के साथ इस चीज को रगड़ दीजिए, तुरंत दिखेगा असर

अगर आपके चॉपिंग बोर्ड पर जिद्दी दाग या गंदगी जम गई है, तो नींबू और नमक का आसान घरेलू उपाय अपनाएं. सिर्फ 30 सेकंड तक दोनों को रगड़ने से बोर्ड साफ होने के साथ सैनिटाइज भी हो जाता है. यह आसान तरीका लकड़ी और प्लास्टिक दोनों तरह के चॉपिंग बोर्ड पर असरदार होता है.

रसोई में फल, सब्जियां और अन्य खाने-पीने की चीजों को काटने के लिए चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल किया जाता है. इसका उपयोग रोज होता है और इसके कारण चॉपिंग बोर्ड पर दाग-धब्बे और बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं. इससे यह केवल गंदा ही नहीं दिखता, बल्कि सेहत के लिए खतरे पैदा कर सकता है. अगर समय-समय पर इसकी सही तरीके से सफाई न की जाए तो खाने-पीने की चीजें भी दूषित हो सकती हैं. ऐसे में महंगे क्लीनर खरीदने की जरूरत नहीं है, क्योंकि घर में मौजूद कुछ साधारण चीजें ही इसे साफ और सैनिटाइज किया जा सकता है.

नमक और नींबू करेगा कमाल

चॉपिंग बोर्ड को साफ करने के लिए नमक और नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं. सबसे पहले बोर्ड पर एक से दो चम्मच नमक अच्छी तरह छिड़क दें. इसके बाद आधा कटा हुआ नींबू लेकर उसे नमक के ऊपर गोल-गोल घुमाते हुए लगभग 30 सेकंड तक रगड़ें. नींबू का प्राकृतिक एसिड और नमक के हल्के स्क्रबिंग गुण मिलकर जिद्दी दागों को ढीला कर देते हैं और सतह पर जमा गंदगी को आसानी से हटाने में मदद करते हैं. यह घरेलू उपाय चॉपिंग बोर्ड को प्राकृतिक रूप से सैनिटाइज भी करता है. नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड कई प्रकार के बैक्टीरिया और दुर्गंध पैदा करने वाले सूक्ष्मजीवों को कम करने में सहायक माना जाता है. नमक गंदगी और नमी को सोखने का काम करता है.

नमक और नींबू का कॉम्बिनेशन लकड़ी और प्लास्टिक दोनों तरह के चॉपिंग बोर्ड की सफाई के लिए फायदेमंद हो सकता है. रगड़ने के बाद चॉपिंग बोर्ड को 5 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें, ताकि नींबू का रस अपना असर दिखा सके।

इसके बाद गुनगुने पानी से बोर्ड को अच्छी तरह धो लें और साफ कपड़े या पेपर टॉवल से पोंछकर पूरी तरह सूखने दें. ध्यान रखें कि लकड़ी के चॉपिंग बोर्ड को लंबे समय तक पानी में भिगोकर न रखें, क्योंकि इससे लकड़ी फूल सकती है और उसमें दरारें आ सकती हैं.

अगर आपके चॉपिंग बोर्ड पर बहुत पुराने और गहरे दाग हैं, तो इस प्रक्रिया को सप्ताह में एक या दो बार दोहराया जा सकता है. कच्चे मांस और सब्जियों के लिए अलग-अलग चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल करना बेहतर होता है. हर उपयोग के बाद बोर्ड को साबुन और गर्म पानी से धोना और समय-समय पर उसे प्राकृतिक तरीके से सैनिटाइज करना रसोई की स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. छोटे-छोटे घरेलू उपाय न केवल पैसे बचाते हैं बल्कि रसोई की साफ-सफाई को भी आसान बनाते हैं. नींबू और नमक की मदद से चॉपिंग बोर्ड के दाग, बदबू और गंदगी को कुछ ही मिनटों में काफी कम किया जा सकता है।

सपनों का आशियाना बन सकता है मुसीबत का घर! नशा बनवाते समय इन बातों को कभी न करें नजरअंदाज

यदि आप अपने सपनों का आशियाना बनाने की सोच रहे हैं और प्लॉट लेकर खुद या ढ्ढ की मदद से नक्शा भी फाइनल कर चुके हैं, तो निर्माण शुरू करने से पहले उसमें वास्तु का विशेष ध्यान जरूर रखें क्योंकि इसकी एक छोटी सी चूक जीवनभर परेशान कर सकती है. लोकल-18 से खास बातचीत में सिविल इंजीनियर प्रशांत शर्मा ने बताया कि वास्तु सिर्फ धर्म नहीं बल्कि एक पूरा विज्ञान है, जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य और बिजनेस पर पड़ता है. घर में पॉजिटिव एनर्जी बनाए रखने और नकारात्मकता को दूर करने के लिए मुख्य द्वार की दिशा (पूर्व, पश्चिम, उत्तर या दक्षिण) के आधार पर ही रसोई, टॉयलेट, मंदिर, बेडरूम और ड्राइंग रूम की सही दिशा तय की जाती है. आजकल मकान, अस्पताल या स्कूल के हर आधुनिक डिजाइन में इस वैज्ञानिक पद्धति को अपनाया जा रहा है; इसलिए एक खुशहाल जीवन के लिए नया घर बनवाते समय नक्शे में वास्तु के नियमों को नजरअंदाज बिल्कुल न करें।

लौहगढ़ फोर्ट में ऐसा क्या है? कितनी हसीन हैं इसकी वादियां जो कपल के लिए है फेवरेट, कैसा है यहां का मौसम, दिल्ली से कैसे जाएं

महाराष्ट्र का लोहागढ़ फोर्ट सिर्फ इतिहास की पहचान नहीं, बल्कि खूबसूरत वादियों, रोमांटिक नजारों और रोमांचक ट्रेकिंग के लिए भी मशहूर है. जानिए यहां का मौसम, कपल्स के लिए खास जगहें और दिल्ली से पहुंचने का आसान तरीका.

अगर आप किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं जहां इतिहास के साथ पहाड़ों की खूबसूरती, शांत वादियां और यादगार पल बिताने का मौका मिले, तो महाराष्ट्र का लोहागढ़ फोर्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. सह्याद्रि की पहाड़ियों के बीच बना यह किला सिर्फ पुराने युद्धों और राजाओं की कहानियों के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि इसकी हरियाली, बादलों से ढकी चोटियां और शानदार व्यू पॉइंट्स इसे कपल्स और नेचर लवर्स के बीच भी काफी लोकप्रिय बनाते हैं.

यहां पहुंचकर ऐसा लगता है जैसे शहर की भागदौड़ से दूर किसी अलग दुनिया में आ गए हों. खासकर मानसून के मौसम में इसकी खूबसूरती देखने लायक होती है, जब पूरी पहाड़ी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है.

लोहागढ़ फोर्ट में ऐसा क्या खास है?

महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित लोहागढ़ फोर्ट को 'आयरन फोर्ट' के नाम से भी जाना जाता है. समुद्र तल से करीब 1,033 मीटर की ऊंचाई पर बना यह किला अपनी मजबूत संरचना और ऐतिहासिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है. लोहागढ़ का इतिहास कई सदियों पुराना है. इस किले पर चालुक्य, राष्ट्रकूट, यादव, बहमनी, मुगल और मराठा शासकों का प्रभाव रहा है. साल 1648 में छत्रपति शिवाजी महाराज ने इस किले को अपने नियंत्रण में लिया था. इसकी रणनीतिक स्थिति को देखते हुए यह मराठा साम्राज्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता था. कहा जाता है कि शिवाजी महाराज ने सूरत अभियान से मिली संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए भी इस किले का इस्तेमाल किया था. बाद में पेशवा काल में नाना फडणवीस ने यहां कई

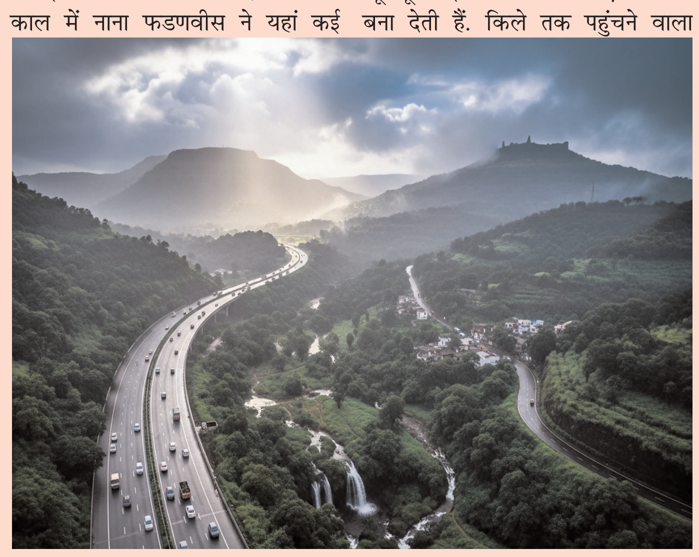

निर्माण करवाए.

कपल्स के लिए क्यों फेवरेट है लोहागढ़?

आज के समय में लोहागढ़ सिर्फ इतिहास प्रेमियों की जगह नहीं रह गया है. यहां की शांत वादियां और प्राकृतिक खूबसूरती इसे कपल्स के लिए भी खास बना देती हैं. किले तक पहुंचने वाला रास्ता हरे-भरे पहाड़ों, बादलों और खूबसूरत नजारों से होकर गुजरता है. ट्रेक के दौरान साथ चलते हुए कपल्स यहां की नेचर ब्यूटी को काफी पसंद करते हैं. किले का सबसे प्रसिद्ध हिस्सा 'विंचूकडा' है, जिसे बिच्छू की पूंछ जैसी आकृति के कारण यह नाम मिला है. यहां से दूर-दूर तक फैली सह्याद्रि की पहाड़ियों का नजारा दिखाई देता है. सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यह जगह बेहद खूबसूरत लगती है. कई लोग यहां फोटोशूट, वीकेंड ट्रिप और शांत समय बिताने के लिए आते हैं.

लोहागढ़ का मौसम कैसा रहता है?

लोहागढ़ का मौसम सालभर बदलता रहता है और हर मौसम में इसका अलग अंदाज देखने को मिलता है.

मानसून में लोहागढ़ की खूबसूरती

जून से सितंबर के बीच बारिश के मौसम में लोहागढ़ पूरी तरह हरा-भरा हो जाता है. पहाड़ियों पर फैली हरियाली, छोटे झरने और बादलों से ढका आसमान इसे बेहद आकर्षक बना देते हैं. हालांकि इस दौरान ट्रेकिंग करते समय सावधानी रखनी पड़ती है क्योंकि रास्ते फिसलन भरे हो सकते हैं.

सर्दियों में घूमने का मजा

अक्टूबर से मार्च तक यहां का मौसम सबसे अच्छा माना जाता है. ठंडी हवा और साफ आसमान के कारण ट्रेकिंग आसान रहती है।

निर्देशक रोहित शेट्टी को फिर मिली धमकी, मांगी गई 20 करोड़ की रंगदारी !

विश्व केसरी

मुंबई। फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक रोहित शेट्टी को एक बार फिर धमकी मिली। इस बार उनसे एक कथित ऑडियो क्लिप के जरिए 20 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। इस ऑडियो में कहा गया है कि अगर रकम नहीं दी गई तो इस बार निशाना सीधे रोहित शेट्टी होंगे। इस घटना के सामने आने के बाद मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गई है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

इस ऑडियो क्लिप में कहा गया है कि रोहित शेट्टी के जुहू स्थित घर पर पहले जो फायरिंग हुई थी, वह सिर्फ एक ट्रेलर था। अगर इस बार मांगी गई रकम नहीं दी गई, तो गोली सीधे फिल्ममेकर को निशाना बनाएगी।

जानकारी के मुताबिक, यह लगभग 90 सेकंड लंबा ऑडियो क्लिप शनिवार सुबह रोहित शेट्टी के स्टाफ को मिला था। स्टाफ ने बिना देरी किए इस क्लिप को पुलिस के हवाले कर दिया, जिसके बाद जुहू पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करने की जांच प्रक्रिया शुरू की गई।

शुरुआती जांच में ऑडियो में आवाज की पहचान की गई, तो वह कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के करीबी सहयोगी शुभम लोणकर से मिलती-जुलती पाई गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, शुभम लोणकर का नाम पहले भी कई गंभीर मामलों में सामने आ चुका है। वह 2024 में हुई नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और इसी साल रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग के मामले में भी वांटेड है। हालांकि, पुलिस ने अभी इस आवाज की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और इसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

मुंबई क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रोहित शेट्टी के स्टाफ द्वारा यह धमकी भरा ऑडियो पुलिस को सौंप दिया गया है और इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। फिलहाल सभी तकनीकी पहलुओं पर जांच चल रही है और ऑडियो क्लिप के स्रोत का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। जैसे ही फॉरेंसिक रिपोर्ट सामने आएगी, मामले में आगे की कार्रवाई तेज कर दी जाएगी।

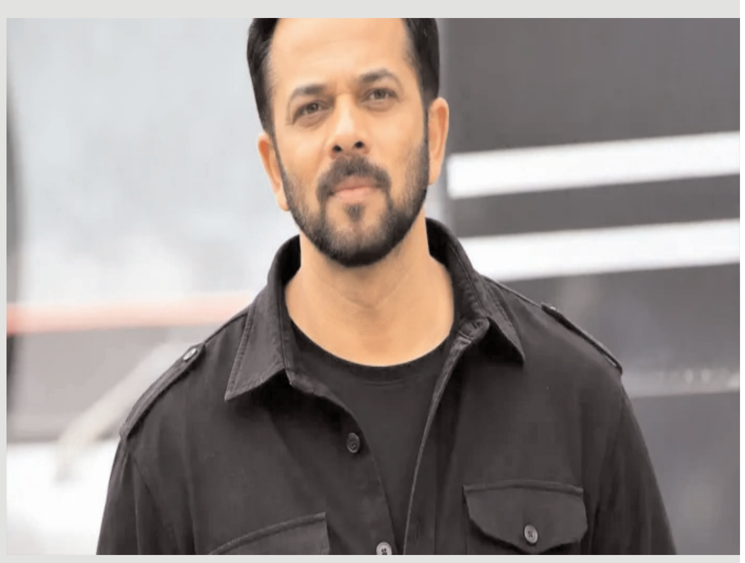

'जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा', अली गोनी ने जैस्मिन भसीन संग शादी को लेकर तोड़ी चुप्पी

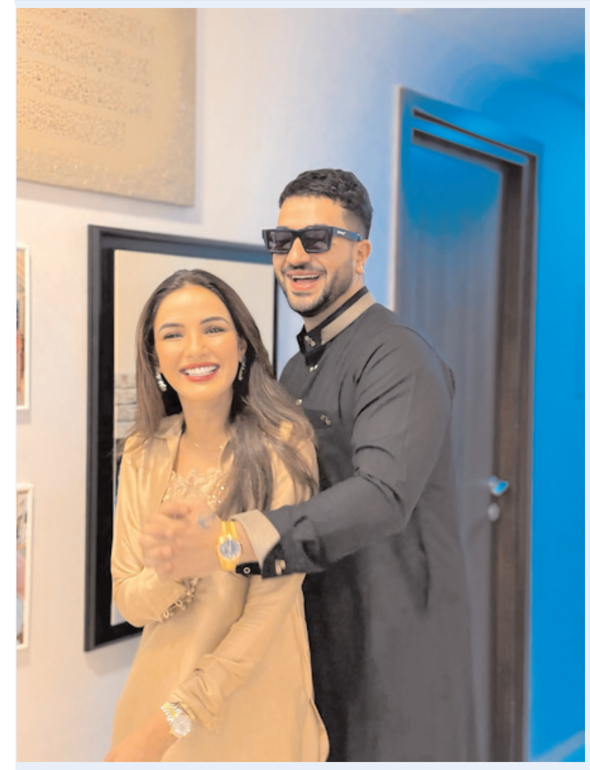

विश्व केसरी

मुंबई । टीवी इंडस्ट्री के मशहूर कपल अली गोनी और जैस्मिन भसीन की जोड़ी को दर्शक काफी समय से बेहद पसंद करते आए हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं। इसी बीच अब अली गोनी ने अपने एक पोस्ट के जरिए पहली बार इस सवाल पर चुप्पी तोड़ी है।

दरअसल, अली गोनी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा, ''जब शादी करनी होगी खुद बता दूंगा सबको। मेरे रिश्तेदार मेरे इतने पीछे नहीं पड़े जितना यहां इंस्टा पर लोग पड़े हैं। अपना अपना काम करो और खुश रहो और रहने दो।''

गौरतलब है कि अली से लोग सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी शादी को लेकर सवाल पूछते रहते हैं और लगातार उनकी शादी को लेकर दबाव बनाते रहते हैं। ऐसे में अली की लोगों से ये अपील काफी चर्चा में है।

बता दें कि जैस्मिन भसीन और अली गोनी की पहली मुलाकात 'खतरों के खिलाड़ी 9' के दौरान एयरपोर्ट पर हुई थी। इस शो के बाद दोनों के बीच दोस्ती की शुरुआत हुई, जो समय के साथ गहरी होती चली गई। लोगों के इस रिश्ते के बारे में पता तब चला, जब 'बिग बॉस 14' के दौरान अली गोनी ने जैस्मिन के लिए घर में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली। इस शो में दोनों ने खुले तौर पर अपने प्यार का इजहार किया।

'बिग बॉस 14' के बाद से अली और जैस्मिन को कई बार एक साथ देखा गया। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं और सोशल मीडिया पर भी अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करते रहते हैं। वे साथ में कई रोमांटिक म्यूजिक वीडियो भी कर चुके हैं।

इससे पहले अली गोनी ने शादी को लेकर फराह खान कुकिंग व्लॉग पर भी बात थीं। व्लॉग में फराह ने पूछा कि क्या परिवार की तरफ से शादी का दबाव है, तो जैस्मिन ने कहा कि उनके परिवार को कोई दिक्कत नहीं है। अली ने भी इस पर सहमति जताई और कहा कि उनके परिवार को कोई समस्या नहीं है।

एक अच्छे मोड़ पर शुरू हुई दोस्ती झगड़े में बदल गई थी, ऐश्वर्या और रानी मुखर्जी के बीच आ गई थी दरार

विश्व केसरी

मुंबई। एक बार हिंदी सिनेमा की अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने अभिनेत्री रानी मुखर्जी को लेकर अपनी दोस्ती के बारे में बात की थी। उन्होंने एक पुराने इंटरव्यू में अपनी दोस्ती का जिक्र किया था।

इंटरव्यू में ऐश्वर्या राय ने रानी के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया था कि कैसे एक इंटरनेशनल कॉन्सर्ट टूर के दौरान लगभग 45 दिनों तक साथ रहने से वे दोनों एक-दूसरे के करीब आ गईं। ऐश्वर्या ने एक इंटरनेशनल वर्ल्ड टूर के दौरान अपनी मजबूत दोस्ती का जिक्र किया था।

शो 'जीना इसी का नाम है' में ऐश्वर्या ने बताया था कि ट्रैवलिंग, परफॉर्मिंग और परिवारों के साथ रहने के दौरान लगभग 45 दिन साथ बिताने से उनके बीच एक करीबी और सहज रिश्ता बन गया। उन्होंने इस सोच को भी गलत बताया था कि एक ही इंडस्ट्री की अभिनेत्री दोस्त नहीं हो सकतीं; उन्होंने रानी मुखर्जी को 'बहुत मिलनसार' और 'बहुत दोस्ताना' बताया था।

ऐश्वर्या ने कहा था, 'असल में, दो साल पहले हम एक बार मिले थे। वह भी बहुत मिलनसार लड़की है। बहुत दोस्ताना। बहुत सहज भी। हमारे बीच कोई झिझक नहीं है। सब कुछ बहुत आसान है। और हम साथ में वर्ल्ड टूर पर थे, हमारा पहला वर्ल्ड टूर साथ में था, जिसमें हम शो कर रहे थे।'

उन्होंने बताया था, 'शो के दौरान, हमें लगभग 45 दिनों तक साथ रहने का मौका मिला। हम परफॉर्म कर रहे थे, काम कर रहे थे, साथ रह रहे थे, और वहीं से हमारा रिश्ता और गहरा हुआ।

शाहिद कपूर की इस फिल्म ने बदली शहनाज ट्रेजरीवाला की किस्मत, जानें मॉडलिंग से बॉलीवुड और फिर ट्रैवल स्टार बनने तक का सफर

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड इंडस्ट्री में सिर्फ एक फिल्म ही कलाकारों की जिंदगी पूरी तरह बदल देती है। ऐसी ही एक फिल्म रही साल 2003 की 'इश्क विश्क', जिसने अभिनेत्री शहनाज ट्रेजरीवाला को पहली बार बड़े पर्दे पर असली पहचान दिलाई। इस फिल्म में उनके किरदार ने दर्शकों का ध्यान खींचा और यहीं से उनके करियर को नई दिशा मिली।

शहनाज का जन्म 29 जून 1981 को मुंबई के एक पारसी परिवार में हुआ था। उनके पिता मर्चेंट नेवी में इंजीनियर थे। उन्होंने मुंबई से पढ़ाई की और कॉलेज के दिनों में ही मॉडलिंग शुरू कर दी थी। मॉडलिंग की शुरुआत के बाद शहनाज ने कई विज्ञापनों में काम किया। इसके बाद उन्हें 'एमटीवी मोस्ट वॉन्टेड' में वीडियो जॉकी बनने का मौका मिला। यह शो उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ, जिसने उन्हें युवाओं के बीच लोकप्रिय बना दिया। टीवी पर सफलता के बाद शहनाज ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। उन्होंने साल 2001 में तेलुगु फिल्म 'एडुरुलेनी मनीषी' से अभिनय की शुरुआत की। हालांकि उन्हें असली पहचान 2003 में बॉलीवुड फिल्म 'इश्क विश्क' से मिली। इस फिल्म में वह शाहिद कपूर और अमृता राव के साथ नजर आईं। उनका किरदार दर्शकों को काफी पसंद आया और वह सुर्खियों में छाने लगी। यह फिल्म उस दौर की हिट फिल्मों में शामिल रही और शहनाज के लिए यह एक बड़ा ब्रेक साबित हुई। 'इश्क विश्क' के बाद उनके करियर को नई रफ्तार मिली और उन्होंने 'हम तुम', 'लव का द एंड' और 'दिल्ली बेली' जैसी फिल्मों में भी काम किया। हालांकि उनका फिल्मी सफर ज्यादा लंबा नहीं रहा, लेकिन उन्होंने अपने छोटे करियर में अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने हर किरदार में कुछ नया करने की कोशिश की और खुद को एक अलग अंदाज में पेश किया।फिल्मों के साथ-साथ शहनाज ने लेखन और ट्रैवलिंग की दुनिया में भी कदम रखा। उन्हें घूमने का बहुत शौक था और उन्होंने इसे अपने काम का हिस्सा बना लिया। उन्होंने कॉस्मोपॉलिटन, एले और फेमिना जैसी मैगजीन के लिए ट्रैवल आर्टिकल लिखे। इसी दौरान उन्होंने ट्रैवल चैनल पर 'कल्चर शॉक' शो भी होस्ट किया। बाद में शहनाज ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काम किया। उन्होंने अमेरिकी टीवी शो 'वन लाइफ टू लिव' में भी अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा वह कई अमेरिकी प्रोजेक्ट्स और पैनल शोज में भी नजर आईं।

'वेलकम टू द जंगल' में मैंने खुद जुड़वाया 'भोजपुरी इज बेटर दैन हॉलीवुड' डायलॉग : अक्षय कुमार

विश्व केसरी

मुंबई । अभिनेता अक्षय कुमार ने आईएएनएस के साथ एक विशेष बातचीत में खुलासा किया कि फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में 'भोजपुरी इज़ बेटर दैन हॉलीवुड' वाला डायलॉग उन्होंने खुद जोड़ने का सुझाव दिया था।

फिल्म के इस सीक्वल में यह संवाद अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने बोला है। अक्षय कुमार से पूछा गया कि उनके जैसे बड़े अभिनेता का फिल्म में

भोजपुरी स्टार की भूमिका निभाना और भोजपुरी गाने पर परफॉर्म करना, क्या उस इंडस्ट्री की छवि को बेहतर बनाता है, जिस पर अक्सर महिलाओं को वस्तु की तरह पेश करने के आरोप लगते रहे हैं?

इस सवाल के जवाब में अक्षय कुमार ने बताया कि 'वेलकम टू द जंगल' में 'भोजपुरी इज बेटर दैन हॉलीवुड' वाला डायलॉग शामिल करने का सुझाव उन्होंने ही दिया था।

'हाउसफुल' अभिनेता अक्षय कुमार ने आईएएनएस से कहा, 'मेरे हिसाब से भोजपुरी सिनेमा, अगर आपने देखा हो, फिल्म में जैकलीन का एक डायलॉग है कि 'भोजपुरी इज बेटर दैन हॉलीवुड।' वह डायलॉग मैंने डलवाया था। हमने उनका इंट्रोडक्शन ऐसा दिखाया है कि वह लंदन, पेरिस से आ रही हैं, यानी उन्होंने पूरी दुनिया देखी है। जब उन्होंने यहां ऐसा माहौल देखा, इतनी चमक-दमक, इतनी एनर्जी और डांस देखा, तो हॉलीवुड में आपको यह सब कहां मिलेगा? ऐसा डांस, जैसा भोजपुरी में होता है।

'मैं हर मामले में करिश्मा जैसी बनना चाहती हूं', बहन को करीना कपूर ने बताया अपनी सबसे बड़ी ताकत

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड में कपूर खानदान की दो मशहूर बहनों, करिश्मा कपूर और करीना कपूर खान का रिश्ता बेहद खास है। दोनों ने अपनी-अपनी मेहनत से फिल्म इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। अक्सर दोनों एक-दूसरे की तारीफ करते हुए नजर आती हैं। करीना कई बार खुलकर कह चुकी हैं कि करिश्मा उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा भी हैं। एक पुराने टीवी शो में भी करीना ने बताया था कि वह हर मामले में करिश्मा जैसी बनना चाहती हैं और उनको अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती हैं।

दरअसल, एक पुराने टॉक शो 'जीना इसी का नाम है' में शामिल होने के दौरान करीना कपूर खान ने बताया था कि वह अपनी बड़ी बहन करिश्मा को हर मायने में अपना आदर्श मानती हैं। वह उनकी जैसी बनने की कोशिश करती हैं। करिश्मा की खूबियां इतनी ज्यादा हैं कि उन्हें शब्दों में बताना आसान नहीं है।

अपने वीडियो मैसेज में करीना ने करिश्मा से कहा, ''आपकी जिन बातों की मैं तारीफ करती हूं, उनकी कोई गिनती नहीं है। आपकी खूबियों की लिस्ट बहुत लंबी है। आज के समय में बहुत कम लड़कियां ऐसी होती हैं, जिन्हें पता होता है कि उन्हें जिंदगी से क्या चाहिए और उन्हें किस तरह व्यवहार करना है। मैं आपकी हर बात की तारीफ करती हूं। सच कहूं तो 'तारीफ' शब्द भी आपके लिए छोटा पड़ जाता है, क्योंकि मेरे पास अपने इमोशन्स को बताने के लिए सही शब्द ही नहीं हैं।'

उन्होंने कहा, ''मेरी बस यही इच्छा है कि मैं हर मामले में आपकी जैसी बन सकूं और

मैं इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रही हूं। लेकिन सबसे ज्यादा मैं इस बात की आभारी हूं कि आप हमेशा मेरे साथ खड़ी रहती हैं और मेरी सबसे बड़ी ताकत हैं। अगर आप मेरे साथ न हों, तो मेरा एक दिन भी ठीक से नहीं गुजर सकता।''

शो के दौरान जब होस्ट फारूक शेख ने दोनों बहनों का एक पुराना वीडियो चलाया, इस वीडियो में छोटी करीना और करिश्मा साथ बैठकर खाना खाती नजर आ रही थीं। वीडियो में करिश्मा अपनी छोटी बहन का बड़े प्यार से ख्याल रखती दिख रही थीं और उन्हें खाने में मदद भी कर रही थीं।

जापान के इवाते में 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके, सुनामी की कोई चेतावनी नहीं

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान की मौसम एजेंसी ने बताया कि रविवार सुबह उत्तर-पूर्वी जापान के इवाते प्रांत में 6.1 तीव्रता के भूकंप के जटके महसूस हुए। हालांकि, सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के हवाले से बताया कि भूकंप स्थानीय समय के हिसाब से सुबह 5:21 बजे इवाते के पूर्वी तट पर लगभग 40 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसकी तीव्रता जापान के भूकंपीय तीव्रता स्केल 7 के मुकाबले 5 से कम थी।

उनके ऑपरेटर के मुताबिक, आओमोरी में हिगाशिदोरी न्यूक्लियर पावर प्लांट या मियागी प्रीफेक्चर में ओनागावा न्यूक्लियर पावर कॉम्प्लेक्स में किसी गड़बड़ी की खबर नहीं है।

भूकंप का केंद्र 40.2 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.4 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। इससे एक दिन पहले, गुरुवार को

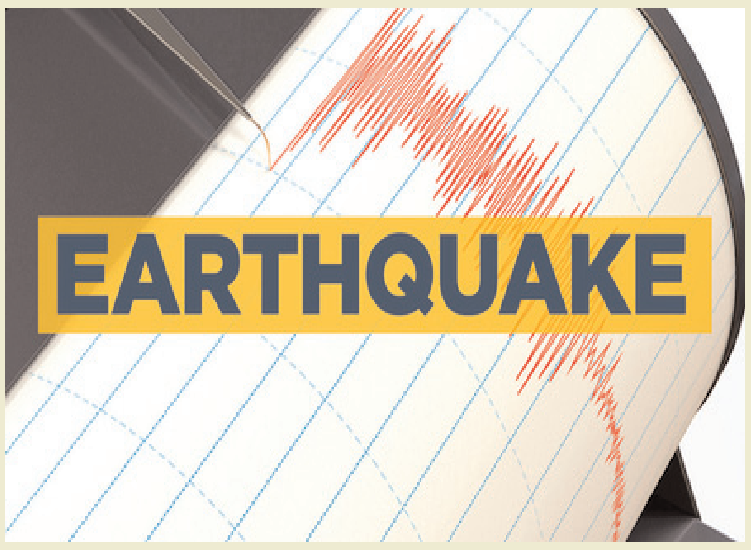

भी इसी क्षेत्र में 7.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कम से कम 10 लोग घायल हो गए थे।

वहीं, शुक्रवार को टोक्यो के निकट 5.6 और 5.8 तीव्रता के दो और भूकंप आए, जिनके झटके राजधानी में भी स्पष्ट रूप से महसूस किए गए। इन घटनाओं में भी कम से कम 10 लोग घायल हुए।

शुक्रवार को सुबह 11:49 बजे, दक्षिणी इबाराकी प्रांत में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। इस बीच, गुरुवार को, उत्तर-पूर्वी जापान में 7.2 तीव्रता के भूकंप में कम से कम चार लोग घायल हो गए।

भूकंप की शुरुआती तीव्रता 6.9 थी और स्थानीय समय के हिसाब से सुबह करीब 7:30 बजे इवाते प्रीफेक्चर के पूर्वी तट पर करीब 40 किमी की गहराई पर आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि हाशिकामी टाउन में इसकी ऊपरी तीव्रता 6 मापी गई, जो जापान के भूकंपीय स्केल 7 पर दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है और हाचिनोहे शहर में निचली तीव्रता 6 मापी गई, दोनों आओमोरी प्रीफेक्चर में हैं।

एजेंसी के हवाले से क्योडो न्यूज ने बताया कि 6 से कम की तीव्रता का मतलब है कि खड़े रहना मुश्किल है और फर्नीचर जैसी चीजें गिर सकती हैं और खिड़कियों को नुकसान हो सकता है।

इजरायल-लेबनान फ्रेमवर्क एग्रीमेंट से शांति समझौते का रास्ता होगा साफ : पीएम नेतन्याहू

विश्व केसरी

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता से शुक्रवार को इजरायल और लेबनान के बीच हस्ताक्षर किया गया फ्रेमवर्क समझौता, संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच शांति समझौते तक पहुंचने का रास्ता बनाता है।

शनिवार को येरुशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम नेतन्याहू ने कहा कि 'यह समझौता इजरायल और लेबनान को मजबूत करता है और ईरान और हिज्बुल्लाह को कमजोर करता है। यह आने वाली चीजों का संकेत है।'

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने आगे कहा कि समझौते के तहत, अमेरिका और लेबनान इजरायल के दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा जोन बनाए रखने के अधिकार को मान्यता देते हैं, जब तक यह इजरायल की सुरक्षा के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना तब तक सुरक्षा जोन पर कब्जा बनाए रखेगी जब तक हिज्बुल्लाह

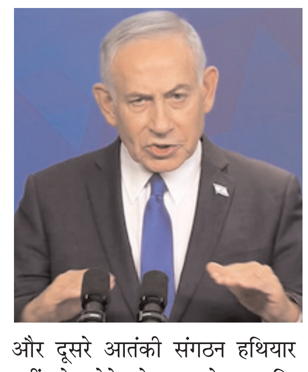

और दूसरे आतंकी संगठन हथियार नहीं छोड़ देते। नेतन्याहू ने कहा कि फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में सुरक्षा जोन की उत्तरी सीमा के पास दो इलाके शामिल हैं, जिनकी सलाह इजरायली सेना ने दी है, जहां हिज्बुल्लाह को खत्म करने और इलाके को लेबनानी सेना के कंट्रोल में देने के लिए एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने 9,000 से ज्यादा हिज्बुल्लाह मिलिटेंट्स को मार गिराया और समूह के 150,000 मिसाइलों और रॉकेट के स्टॉक का लगभग 90 फीसदी नष्ट कर दिया है।

शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में साइन किए गए इस एग्रीमेंट में दोनों देशों के बीच एक नाजुक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। इस दौरान अमेरिकी विदेश सचिव रुबियो ने कहा, 'आज का दिन अच्छा है क्योंकि हमें यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि लेबनान की संप्रभु सरकार और इजरायल सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता हुआ, जो पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाना शुरू करता है।' इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

लेबनान के राष्ट्रपति ने बहरीन-कुवैत पर हुए हमलों को बताया 'उकसावे वाली कार्रवाई'

विश्व केसरी

बेरूत। मध्य एशिया संकट अभी खत्म नहीं हुआ है। अमेरिका-ईरान संघर्ष होर्मुज से शुरू होकर फिर बहरीन और कुवैत की सीमाओं को पार कर गया है। लेबनान ने इसे उकसावे की कार्रवाइयां बताया है।

लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने बहरीन और कुवैत पर हुए हमलों की निंदा करते हुए कहा कि, 'ये उकसावे वाली कार्रवाइयां देशों की संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं और क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए सीधा खतरा हैं।' राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति आउन ने इन हमलों को युद्ध रोकने और तनाव कम करने के उद्देश्य से किए जा रहे 'सभी क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रयासों और पहलों को कमजोर करने की कोशिश' के रूप में देखा है। बयान में कहा गया कि मौजूदा स्थिति अमेरिका-ईरान समझौता ज्ञापन के समर्थकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से तत्काल कार्रवाई की मांग करती है।

भारत ने 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत भूकंप पीड़ित वेनेजुएला को भेजी राहत सामग्री और मेडिकल टीम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत ने भूकंप की त्रासदी झेल रहे वेनेजुएला की सहायता के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत तत्काल मानवीय राहत भेजी है। यह कदम दक्षिण अमेरिकी देश में आए विनाशकारी भूकंप के बाद राहत एवं बचाव प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत की मदद वेनेजुएला पहुंच गई है। हमें विश्वास है कि फील्ड हॉस्पिटल यूनिट, राहत सामग्री, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण वहां चल रहे राहत कार्यों को मजबूत करेंगे।'

कोट डी आइवर स्थित भारतीय दूतावास ने भी एक्स पर जानकारी

देते हुए बताया कि भारतीय वायुसेना के दो सी-17 विमान आबिदजान के रास्ते वेनेजुएला पहुंचे। इन विमानों में 35 टन राहत सामग्री, भारतीय सेना का फील्ड हॉस्पिटल दल और दो भीष्म क्यूब भेजे गए हैं। दूतावास के अनुसार, 41 सदस्यीय इस दल में नौ चिकित्सा अधिकारी शामिल हैं। यह टीम आपातकालीन चिकित्सा सेवा, ट्रॉमा प्रबंधन, जीवनरक्षक सर्जरी और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है।

दल अपने साथ विदेश मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई लगभग छह टन दवाइयां और मानवीय राहत सामग्री भी लेकर गया है। इसके अलावा, एक विमान में आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत भारत हेल्थ इनिशिएटिव फॉर सहयोग, हित एवं मैत्री (भीष्म) क्यूब भी भेजा गया है। भारतीय दूतावास ने कहा कि ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत मेडिकल दल की तैनाती मानवीय सहायता और आपदा राहत के प्रति भारत की स्थायी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही यह मित्र देशों की संकट की घड़ी में समय पर सहायता करने की भारत की तत्परता का भी प्रतीक है। गौरतलब है कि बुधवार को वेनेजुएला में कुछ ही सेकंड के अंतराल पर दो शक्तिशाली भूकंप आए थे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार पहला भूकंप 7.1 तीव्रता का था, जबकि एक मिनट बाद 7.5 तीव्रता का दूसरा झटका महसूस किया गया।

भारत ने की सेशेल्स को 175 मिलियन डॉलर का विशेष आर्थिक पैकेज देने की घोषणा

विश्व केसरी

विक्टोरिया। सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने रविवार को कहा कि हिंद महासागर में सुरक्षा उनके देश और भारत के बीच संबंधों के लिए जरूरी है। उन्होंने घोषणा की कि दोनों देशों ने पाइरेसी, ड्रग ट्रैफिकिंग, गैर-कानूनी मछली पकड़ने और बॉर्डर पार क्राइम से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत बहुत व्यापक और भविष्य को ध्यान में रखने वाली थी। यह बातचीत दोनों देशों के बीच गहरे दोस्ताना संबंधों और आपसी भरोसे को दर्शाती है।

राष्ट्रपति हर्मिनी ने कहा कि

भारत और सेशेल्स ने एक बार फिर इस बात को दोहराया है कि दोनों देशों की साझेदारी समान भौगोलिक स्थिति, इतिहास और एक स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध हिंद महासागर क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच 'सस्टेनेबिलिटी, आर्थिक विकास और सुरक्षा के लिए संयुक्त विजन' को लागू करने पर विशेष चर्चा हुई, जिसे सेशेल्स ने इस साल पहले अपनाया था। यह ढांचा सभी क्षेत्रों में सहयोग की दिशा तय करता है। उन्होंने भारत के लगातार समर्थन के लिए आभार जताया।

पाकिस्तानी सेना ने माना, 'कराची पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर हुआ था आतंकी हमला, मारे गए तीन सुरक्षाकर्मी'

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची में पाकिस्तान रेंजर्स (सिंध) के गुलिस्तान-ए-जौहर कैंप पर शनिवार देर रात हुए आतंकी हमले में तीन सुरक्षाकर्मी और तीन हथियारबंद हमलावर मारे गए और एक घायल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने रविवार को जारी बयान में दावा किया कि हमला जमात-उल-अहरार से जुड़े आतंकियों ने किया था।

जमात-उल-अहरार, प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से अलग हुआ गुट है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, विस्फोट और गोलीबारी के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पूरे क्षेत्र में क्लियरेंस अभियान शुरू किया।

अभियान के दौरान एक संदिग्ध आत्मघाती हमलावर का शव बरामद किया गया।

वहीं, आईएसपीआर के अनुसार, हथियारबंदों ने पहले कैंप के मुख्य द्वार पर विस्फोट किया और फिर परिसर में घुसने की कोशिश की। हालांकि, रेंजर्स के जवानों ने मुस्तैदी से जवाबी कार्रवाई करते हुए उनके मंसूबों को नाकाम कर दिया।

बयान में कहा गया कि मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकी मारे गए, जबकि एक घायल जो अफगान नागरिक है, को गिरफ्तार कर लिया गया। इस गोलीबारी में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि चार अन्य जवान घायल हुए हैं।

आईएसपीआर ने कहा कि हमले के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ जवाबी अभियान चलाया जाएगा। साथ ही क्षेत्र में अन्य संदिग्ध हमलावरों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

अगवा दक्षिण कोरियाई नागरिकों की वापसी के लिए उत्तर कोरिया से बातचीत को तैयार राष्ट्रपति ली

सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने उत्तर कोरिया से संवाद के जरिए दशकों पुराने मामले का समाधान तलाशने का संकल्प लिया है। ली ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार 1950-53 के कोरियाई युद्ध के दौरान उत्तर कोरिया द्वारा अपहृत दक्षिण कोरियाई नागरिकों के मुद्दे को बातचीत और सहयोग के जरिए सुलझाने का प्रयास करेगी।

सोल के उत्तर स्थित पाजू में आयोजित कोरियाई युद्ध अपहृत नागरिक स्मृति दिवस कार्यक्रम में उप एकीकरण मंत्री किम नाम-जुंग ने राष्ट्रपति ली का संदेश पढ़ते हुए कहा, 'सरकार अपहृत नागरिकों के मुद्दे को इतिहास में दबने नहीं देगी।'

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, ली ने कहा कि सरकार संवाद और सहयोग के माध्यम से इस समस्या के व्यावहारिक समाधान के लिए लगातार प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया में 70 वर्षों से अधिक समय से रह रहे अपहृत नागरिकों के परिवारों का दर्द समझा जा सकता है। उन्होंने उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच जारी 'शत्रुता और टकराव' को 'शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व' में बदलने की प्रतिबद्धता जताई।

यह कार्यक्रम 2024 के अंत में कानून के तहत 28 जून को वार्षिक रूप से मनाए जाने वाले स्मृति दिवस की स्थापना के बाद दूसरी बार आयोजित किया गया। इसमें उप एकीकरण मंत्री, अपहृत नागरिकों के परिवारों और संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों समेत करीब 300 लोग शामिल हुए।

मिडिल ईस्ट संकटः बहरीन में रिहायशी इमारत क्षतिग्रस्त, कोई हताहत नहीं

विश्व केसरी

मनामा/वाशिंगटन/तेहरान। बहरीन ने ईरान पर रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। बहरीन के गृह मंत्रालय के अनुसार, ईरानी हमले में मुहर्रक क्षेत्र की एक रिहायशी इमारत क्षतिग्रस्त हुई, लेकिन अच्छी बात ये रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि संबंधित अधिकारी घटनास्थल पर आवश्यक कार्रवाई कर रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बहरीन में अलार्म सायरन को एक्टिव कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने आम लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की है। वहीं, कुवैत के विदेश मंत्रालय ने देश पर हुए ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की है। मंत्रालय ने इन्हें बार-बार की गई गंभीर ईरानी आक्रामक कार्रवाई बताते हुए कहा, 'यह कुवैत की संप्रभुता का खुला उल्लंघन है।' मंत्रालय ने कहा, 'इस तरह के हमले क्षेत्र और दुनिया

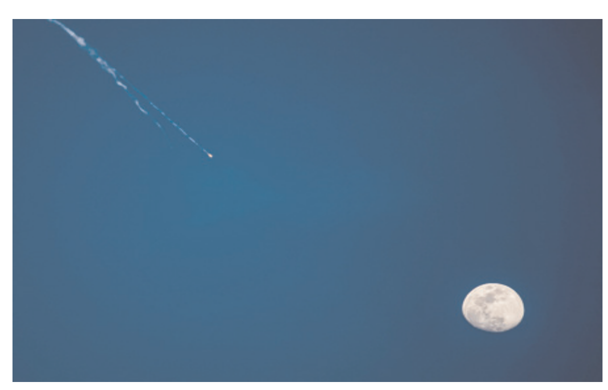

में तनाव कम करने की कोशिशों को कमजोर करते हैं और शांति बहाली को लेकर चल रहे अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को सीधी चुनौती देते हैं।'

इसी बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। आईआरजीसी ने एक बयान में कहा कि अमेरिका का सीरिक शहर पर किया गया हमला होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान के नियंत्रण को कमजोर नहीं कर सकता। नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाजों पर की गई कार्रवाई बाकी जहाजों के लिए साफ संदेश है कि उन्हें तय मार्ग का पालन करना होगा। यूएस-ईरान ने एक दूसरे पर सीजफायर उल्लंघन का आरोप लगाया है। सिंगापुर के कार्गो शिप पर शुक्रवार को आईआरजीसी के हमले का जवाब देते हुए अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के तटीय इलाकों पर कार्रवाई का दावा किया।

लंदन में कार ने पैदल चलने वालों को मारी टक्कर, पांच घायल और एक गिरफ्तार

विश्व केसरी

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। पुलिस की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, लंदन में एक कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। इस घटना में पांच लोग घायल हो गए। लंदन की पुलिस ने हत्या की कोशिश के शक में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की ओर से साझा जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार को स्थानीय समय (1330 जीएमटी) के हिसाब से दोपहर 2:30 बजे से कुछ पहले ईलिंग ब्रॉडवे में हुई। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के मुताबिक, दो लोगों का मौके पर ही इलाज किया गया,

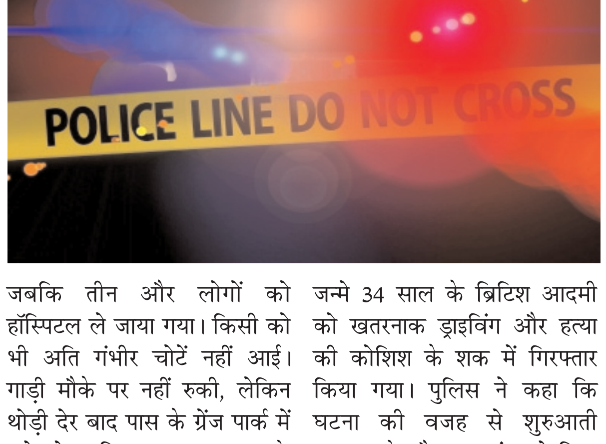

जबकि तीन और लोगों को हॉस्पिटल ले जाया गया। किसी को भी अति गंभीर चोटें नहीं आईं। गाड़ी मौके पर नहीं रुकी, लेकिन थोड़ी देर बाद पास के ग्रेंज पार्क में उसे रोक लिया गया। घटना के दौरान गाड़ी चला रहे सोमालिया में जन्मे 34 साल के ब्रिटिश आदमी को खतरनाक ड्राइविंग और हत्या की कोशिश के शक में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि घटना की वजह से शुरुआती पूछताछ के दौरान काउंटर-टेररिज्म अधिकारियों से सलाह ली गई थी।

अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर किया हमला तेहरान बोला-समझौते का खुला उल्लंघन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए समझौते के बाद एक बार फिर से तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा मामले में होर्मुज स्ट्रेट में हमले के बाद अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान एक बार फिर से चेतावनी दी।

इस बीच भारत में ईरानी दूतावास ने विदेश मंत्रालय का बयान साझा किया, जिसमें कहा गया, 'इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का विदेश मंत्रालय रविवार सुबह अमेरिका की आतंकवादी सेना द्वारा देश के दक्षिणी समुद्र तट पर मौजूद कई मॉनिटरिंग और सर्विलांस सुविधाओं पर किए गए हवाई हमलों की कड़ी निंदा करता है।' बयान में आगे कहा गया, 'ये बर्बर हमले संयुक्त राष्ट्र

के चार्टर के अनुच्छेद 2(4) का खुला उल्लंघन हैं। साथ ही 18 जून को थोपे गए युद्ध की समाप्ति पर समझौता ज्ञापन के पैराग्राफ एक का भी स्पष्ट उल्लंघन हैं। इस तरह की कार्रवाइयां दर्शाती हैं कि अमेरिकी प्रशासन अपनी प्रतिबद्धताओं को न तो गंभीरता से लेता है और न ही उन्हें विश्वसनीय मानता है और समझौतों का उल्लंघन इस शासन की एक अंतर्निहित विशेषता है।'

ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और यूएन महासचिव की जिम्मेदारियों को याद करते हुए इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान यूएन चार्टर के आर्टिकल 51 के अनुसार, अमेरिकी सेना के हमले के खिलाफ ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करने के अपने पक्के इरादे को फिर से सुनिश्चित करता है। इससे पहले ट्रूथ सोशल पोस्ट में ट्रंप ने कहा, 'अमेरिकी एयरक्राफ्ट ने ईरानी मिसाइल और ड्रोन स्टोरेज जगहों के साथ-साथ तटीय रडार साइट्स पर भी हमला किया था। अमेरिका के एयरक्राफ्ट ने सीजफायर समझौते को तोड़ने के लिए ईरानी मिसाइल

अमरावती में ट्रक से टकराई कार एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत

विश्व केसरी

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में रविवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अमरावती के धामणगांव रेलवे तहसील से गुजरने वाले समृद्धि महामार्ग पर यह भीषण हादसा हुआ।

पुलिस के अनुसार, नागपुर से मुंबई की ओर जा रही एक कार तेज रफ्तार ने सामने चल रहे ट्रक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में कार सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में दो पुरुष, दो महिलाएं और एक छोटी बच्ची शामिल है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सभी मृतक चंद्रपुर जिले के रहने वाले एक ही परिवार के सदस्य थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। हादसे के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ। मौके पर पहुंचने बाद पुलिस ने स्थिति को संभाला। इसके बाद सभी लोगों के शव को अस्पताल के लिए भेजा।

समृद्धि महामार्ग पर हुए इस हृदयविदारक हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल है। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

इससे पहले, महाराष्ट्र के सांगली विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सुधीर गाडगिल की कार शनिवार को दुर्घटना का शिकार हो गई। हालांकि, कार के एयरबैग समय पर खुलने से बड़ा हादसा टल गया। इस हादसे में उनकी उंगली में हल्की चोट आई।

मिली जानकारी के अनुसार, सुधीर गाडगिल म्हैशल से सांगली की ओर आ रहे थे। अर्जुनवाड़ सर्विस रोड पर अचानक एक टू-व्हीलर सवार उनकी कार के सामने आ गया, जिससे जोरदार टक्कर हो गई।दुर्घटना में टू-व्हीलर सवार घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तेलंगाना में कमल खिलने का दिन दूर नहीं भाजपा सत्ता में आएगी : नितिन नवीन

विश्व केसरी

हैदराबाद। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को कहा कि तेलंगाना में भाजपा के 'कमल' के खिलने का दिन अब दूर नहीं है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से राज्य में भाजपा की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ पूरी ताकत से काम करने का आह्वान किया।

शमशाबाद में रंगारेड्डी ग्रामीण जिला भाजपा कार्यालय के उद्घाटन और नौ अन्य जिलों में पार्टी कार्यालयों के वर्चुअल उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि कार्यकर्ता पश्चिम बंगाल में पार्टी की हालिया चुनावी सफलता से प्रेरणा लें और तेलंगाना में भी भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प लें।

उन्होंने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तेलंगाना के प्रभारी सुनील बंसल ने पश्चिम बंगाल में पार्टी की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने उनसे तेलंगाना में भी दोगुनी मेहनत करने का आग्रह किया। नितिन नवीन ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहे लोगों ने शासन को केवल व्यक्तिगत लाभ का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं कि आने वाले दिनों में भाजपा कार्यकर्ता इस सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सड़कों पर संघर्ष करने को तैयार हैं। हमने पश्चिम बंगाल में संघर्ष किया, त्याग किया, कठिन परिश्रम किया और अंततः वहां कमल खिलाया।' उन्होंने दावा किया कि देश के विभिन्न हिस्सों में भगवा विचारधारा मजबूत हो रही है और वह दिन दूर नहीं जब तेलंगाना भी 'भगवामय' होगा। भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार को सत्ता से हटाने में भाजपा की भूमिका निर्णायक रही, लेकिन उसका राजनीतिक लाभ कांग्रेस को मिल गया।

संक्षिप्त खबर

तमिलनाडु सरकार ने सॉलिड वेस्ट कंसल्टेंसी टेंडर वापस लिए, सीपीआई (एम)-सीपीआई ने किया स्वागत

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने 12 नगर निगमों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट (नगरपालिका का ठोस कचरा) इकट्ठा करने और उसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए डिटेल्ड फिजिबिलिटी रिपोर्ट (डीएफआर) तैयार करने वाली कंसल्टेंसी फर्मों को नियुक्त करने के लिए जारी किए गए टेंडर वापस ले लिए हैं।

सरकार के इस कदम की आलोचना हो रही थी। इसको लेकर प्राइवेटाइजेशन (निजीकरण) का हवाला दिया जा रहा था। तमिलनाडु अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड की ओर से जारी किए गए टेंडर कुछ ही दिनों में रद्द कर दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि इन टेंडरों को म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) के निजीकरण की नई कोशिश के तौर पर गलत समझा गया। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ किया कि सभी नगर निगमों और नगर पालिकाओं में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का काम 2022 से ही पीपीपी मॉडल के तहत चल रहा है और कंसल्टेंसी का प्रस्ताव सिर्फ मौजूदा सिस्टम का आकलन करने और उसमें सुधार करने के लिए था। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'इस टेंडर का मकसद ऐसे कंसल्टेंट नियुक्त करना था जो फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कर सकें और मौजूदा व्यवस्था को मजबूत करने के तरीकों पर विचार कर सकें। उन्होंने कहा कि इसे निजीकरण की नई पहल समझ लिया गया था, इसलिए सरकार ने इसे वापस लेने और पूरे ढांचे की दोबारा समीक्षा करने का फैसला किया है।'

हीट वेव के बढ़ते खतरे के बीच बच्चों की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार सतर्क

विश्व केसरी

लखनऊ। बदलती जलवायु चुनौतियों के बीच उत्तर प्रदेश सरकार विद्यालयों में बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और जलवायु-अनुकूल वातावरण देने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इसी नीति के अन्तर्गत विद्यालयों को नए सत्र में खोलने के साथ बेसिक शिक्षा विभाग ने 'हीट-संबंधी बीमारियों के प्रति विद्यार्थियों के संवेदनशीलकरण हेतु शिक्षकों के लिए दिग्दर्शिका-2026' जारी की है। अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा तथा माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के निर्देश पर तैयार इस दिग्दर्शिका का उद्देश्य शिक्षकों को हीट वेव से बचाव, हीट एग्जॉशन एवं हीट स्ट्रोक के लक्षणों की पहचान, प्राथमिक उपचार तथा विद्यार्थियों के प्रभावी बचाव के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। इसके साथ ही विद्यालयों में 'क्या करें-क्या न करें' संबंधी पोस्टरों के माध्यम से बच्चों, अभिभावकों और विद्यालय समुदाय को भी जागरूक किया जाएगा, ताकि भीषण गर्मी बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और विद्यालयी जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव न डाल सके। दिग्दर्शिका में स्पष्ट किया गया है कि हीट वेव से विद्यार्थियों की सुरक्षा में शिक्षक सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होंगे। शिक्षक प्रार्थना सभा, कक्षा शिक्षण, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा विद्यालय की दैनिक दिनचर्या के माध्यम से विद्यार्थियों को हीट वेव से बचाव के उपायों से अवगत कराएंगे।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : पिनाराई विजयन ने सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की

विश्व केसरी

तिरुवनंतपुरम। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता पिनाराई विजयन ने रविवार को अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे में बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी के आरोपों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की।

सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री विजयन ने फेसबुक पोस्ट में वित्तीय गड़बड़ी की खबरों को 'बेहद गंभीर' बताया और कहा कि इनसे लोगों की आस्था और धार्मिक भावनाओं के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंताजनक सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने राजनीतिक फायदे के लिए लोगों की आस्था का इस्तेमाल किया, उन्होंने इसकी आड़ में सुनियोजित तरीके से वित्तीय धोखाधड़ी भी की। विजयन ने दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टियों के संघ परिवार से जुड़े संगठनों के साथ करीबी संबंध थे और कहा कि उनकी यह जिम्मेदारी है कि वे बताएं कि लाखों भक्तों से इकट्ठा किया गया पैसा कैसे खर्च किया गया।

उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि चंदा कहां गया। विपक्ष के नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन आरोपों पर जवाब देने को कहा, क्योंकि उन्होंने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में अहम भूमिका निभाई थी।

सीएम पिनाराई विजयन ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा आधिकारिक संसदीय अधिसूचना के जरिए बनाए गए ट्रस्ट पर अब शक के बादल मंडरा रहे हैं, जिससे जवाबदेही और पारदर्शिता जरूरी हो गई है। विजयन के मुताबिक, मंदिर के फंड को लेकर चल रहा विवाद संघ परिवार की राजनीति के 'असली चरित्र' को दिखाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि लोगों की आस्था का इस्तेमाल न सिर्फ राजनीतिक मकसद के लिए, बल्कि पैसे कमाने के लिए भी किया गया।

निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए विजयन ने केंद्र सरकार से सुप्रीम कोर्ट की सीधी निगरानी में उच्च-स्तरीय जांच का आदेश देने को कहा। उन्होंने कहा कि सिर्फ स्वतंत्र और न्यायिक निगरानी वाली जांच ही सच का पता लगा सकती है, जवाबदेही तय कर सकती है और मंदिर प्रोजेक्ट में योगदान देने वाले लाखों भक्तों का भरोसा फिर से कायम कर सकती है।

उनके आधिकारिक फेसबुक पोस्ट के जरिए की गई इन टिप्पणियों ने अयोध्या राम मंदिर के निर्माण के लिए इकट्ठा किए गए चंदे के प्रबंधन को लेकर चल रहे विवाद में एक नया राजनीतिक पहलू जोड़ दिया है। इस मामले की जांच कर रही एसआईटी ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

झारखंड में एसआईआर के लिए 30 जून से घर-घर जाएंगे बीएलओ

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया 30 जून से शुरू हो रही है। इसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) हर घर जाकर मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म देंगे और उनका सत्यापन करेंगे।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं की पहले से मैपिंग हो चुकी है, उन्हें फॉर्म भरते समय किसी भी प्रकार का दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि इस अभियान का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जाए और कोई भी अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो।

निर्वाचन विभाग के मुताबिक, यह अभियान 29 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान बीएलओ प्रत्येक मतदाता को आंशिक रूप से भरा हुआ फॉर्म दो प्रतियों में देगा। एक प्रति भरकर बीएलओ को वापस करनी होगी, जबकि दूसरी प्रति रसीद के रूप में मतदाता अपने पास रखेगा। जिन लोगों के फॉर्म समय पर जमा हो जाएंगे, उनके नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। विभाग ने बताया कि जिन मतदाताओं की पहले ही मैपिंग हो चुकी है, उन्हें सामान्य तौर पर कोई अतिरिक्त कागजात नहीं देने होंगे। अगर किसी मतदाता का रिकॉर्ड विभाग के पास उपलब्ध जानकारी से मेल नहीं खाता है, तभी उसे बाद में नोटिस देकर जरूरी दस्तावेज मांगे जाएंगे। दस्तावेज जमा करने के बाद उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। निर्वाचन विभाग ने ऐसे मतदाताओं से भी अपील की है, जिनकी अब तक मैपिंग नहीं हो सकी है। बीएलओ के घर आने पर वे अपना सही विवरण देकर यह प्रक्रिया पूरी करा सकते हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लोगों से अपील की है कि मतदाता सूची से जुड़ी जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से ही लें और किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक सूचना पर भरोसा न करें।

झारखंड शराब घोटाला : ईडी ने पूर्व मंत्री रामेश्वर उरांव उनके बेटे और पूर्व उत्पाद आयुक्त को भेजा समन

विश्व केसरी

रांची। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस विधायक और राज्य के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, उनके बेटे रोहित उरांव तथा उत्पाद विभाग के सेवानिवृत्त आयुक्त अमित प्रकाश को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। तीनों को निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने के साथ मामले से जुड़े आवश्यक दस्तावेज भी साथ लाने को कहा गया है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी इस मामले में कथित वित्तीय लेन-देन और झारखंड की नई आबकारी व्यवस्था के क्रियान्वयन के दौरान विभिन्न निजी कंपनियों की भूमिका की जांच कर रही है। एजेंसी को संदेह है कि छत्तीसगढ़ की कुछ कंपनियों को झारखंड में काम दिलाने की प्रक्रिया में रोहित उरांव की भूमिका की भी जांच की आवश्यकता है। हालांकि, इस संबंध में ईडी की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ईडी ने शराब घोटाले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में दर्ज कांड संख्या 9/2025 को आधार बनाते हुए इन्फोर्स केस इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) संख्या 10/2025 दर्ज की है। इसके बाद एजेंसी ने मामले में गिरफ्तार कुछ आरोपियों से जेल में पूछताछ भी की थी।

गौरतलब है कि एसीबी ने पिछले वर्ष मई में शराब घोटाले के आरोपों को लेकर प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनय चौबे, उत्पाद विभाग के तत्कालीन संयुक्त सचिव गजेंद्र सिंह, विनय सिंह समेत 10 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। आरोप है कि नई आबकारी नीति के क्रियान्वयन के दौरान अनियमितताएं हुईं, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचा।

ईडी अब इस मामले के मनी लॉन्ड्रिंग पहलू की जांच कर रही है। एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि कथित अनियमितताओं से अर्जित धन का इस्तेमाल किस प्रकार किया गया और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका रही। रामेश्वर उरांव झारखंड की राजनीति के वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं और वर्तमान में लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 11 करोड़ का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, बैंकाक से आया यात्री गिरफ्तार

विश्व केसरी

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए बैंकॉक से आए एक यात्री के पास से 10.91 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 11 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मामले में आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कस्टम अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई रविवार को अहमदाबाद कस्टम की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने की। आरोपी यात्री गुजरात के जूनागढ़ जिले के मंगरोल का रहने वाला है और वह थाई एयरवेज की फ्लाइट टीजी-343 से बैंकॉक से अहमदाबाद पहुंचा था। जांच के दौरान यात्री के चेक-इन सामान की तलाशी ली गई। इसी दौरान कस्टम के स्निफर डॉग ने बैग में नशीले पदार्थ की मौजूदगी का संकेत दिया। इसके बाद बैगेज टैग के आधार पर यात्री की पहचान कर उसे रोका गया। अधिकारियों ने जब उसके ट्रॉली बैग की गहन जांच की तो उसमें छिपाकर रखे गए चांदी रंग के पांच पॉलीथीन पैकेट मिले। इन पैकेटों में हरे रंग का पौधेनुमा पदार्थ भरा हुआ था। फील्ड टेस्टिंग किट से जांच करने पर यह हाइड्रोपोनिक गांजा निकला। कस्टम अधिकारी ने बताया कि बरामद मादक पदार्थ का कुल शुद्ध वजन 10,911 ग्राम है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 11 करोड़ रुपए है।

इस खेप को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट, 1985 के तहत जब्त कर लिया गया है। वहीं, आरोपी यात्री को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह खेप कहां से लाई गई, इसे किसे पहुंचाया जाना था और इसके पीछे किसी बड़े तस्करी नेटवर्क का हाथ तो नहीं है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आने वाले यात्रियों के पास से हाइड्रोपोनिक गांजा पकड़े जाने का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले महीने भी कस्टम ने बैंकॉक से आए एक यात्री के बैग से 20 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया था। इसके अलावा एक अन्य यात्री के पास से करीब 6.5 किलोग्राम और एक अलग कार्रवाई में लगभग 4 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया था।

कठुआ पुलिस की बड़ी सफलता, सोने के आभूषण के साथ आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस ने चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने एक आरोपी को करीब 11 लाख रुपए के चोरी हुए सोने के आभूषण के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को जिले में अपराध नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

पुलिस की ओर से रविवार को जारी प्रेस नोट के अनुसार, थाना मल्हार में दर्ज एफआईआर संख्या 11/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305 और 331(3) के अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया था। मामला सामने आते ही पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी और विशेष जांच टीम का गठन किया। लगातार तकनीकी विश्लेषण, मानव खुफिया सूचना (ह्यूमन इंटेलिजेंस) और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रुस्तम सहराब उर्फ फिना, पुत्र अब्दुल्ला, निवासी भूद, बसोहली, जिला कठुआ के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदात को स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने लगभग 11 लाख रुपए के चोरी हुए सोने के आभूषण बरामद कर लिए।

बिहार में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को मनाया जाएगा पंचायत विकास दिवस : सीएम सम्राट चौधरी

विश्व केसरी

मुंगेर। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को राज्य में प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को 'पंचायत विकास दिवस' आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पंचायतों को गरीबी मुक्त, स्वच्छ, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना है। पहले आयोजन की थीम 'महिला हितैषी पंचायत' रखी गई है।

मुंगेर जिले के टेटिया बम्बर प्रखंड स्थित टेटिया ग्राम पंचायत में 'पंचायत विकास दिवस' का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में हर महीने के अंतिम रविवार को पंचायत प्रतिनिधि, पदाधिकारी और ग्रामीण एक साथ बैठकर विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे और स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए कार्ययोजना तैयार करेंगे। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' भी सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह 'सहयोग शिविर' के माध्यम से लाखों लंबित आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन किया गया, उसी प्रकार 'पंचायत विकास दिवस' ग्रामीण विकास का प्रभावी मंच बनेगा। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, सिंचाई, जल प्रबंधन, स्वच्छता, हरित विकास, सामाजिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर नियमित समीक्षा और व्यापक विमर्श होगा। उन्होंने सांसद, विधायक, जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य और पंच सहित सभी जनप्रतिनिधियों से ग्राम सभाओं के माध्यम से अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत और समृद्ध बिहार का सपना तभी साकार होगा, जब गांव और पंचायतें आत्मनिर्भर बनेंगी। महिलाओं के सशक्तीकरण पर जोर देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि पहले 'पंचायत विकास दिवस' की थीम 'महिला हितैषी पंचायत' रखी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार जीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

मान्यता प्राप्त भारतीय स्टार्टअप्स में प्रत्यक्ष रोजगार 36 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 23.64 लाख पहुंचा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत के मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स द्वारा सृजित प्रत्यक्ष रोजगार बढ़कर 23.36 लाख हो गया है। यह रोजगार सृजन में साल-दर-साल 36.1 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

मान्यता प्राप्त सभी स्टार्टअप्स में से करीब 48 प्रतिशत में कम से कम एक महिला निदेशक या साझेदार है, जो भारत के नवाचार-आधारित विकास की समावेशी प्रकृति को दर्शाता है।

दिसंबर 2025 तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या 2 लाख से अधिक हो चुकी है, जिससे भारत दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम वाले देशों में मजबूती से शामिल हो गया है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, देश के नवाचार तंत्र ने अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में ही 55,200 से अधिक संस्थाओं को डीपीआईआईटी की मान्यता मिली, जो इस कार्यक्रम की शुरुआत के बाद किसी एक वर्ष में सबसे अधिक वृद्धि है।

डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के 11 वर्ष पूरे होने के साथ यह पहल बड़े पैमाने पर नागरिकों को डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सेमीकंडक्टर और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स के बुनियादी ढांचे के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

आधिकारिक बयान में कहा गया है, '2015 में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 81वें स्थान पर थी, जो 2025 में सुधरकर 38वें स्थान पर पहुंच गई है।

वहीं, 2.23 लाख मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स नवाचार-आधारित विकास को गति दे रहे हैं। ऐसे में डिजिटल इंडिया की 11वीं वर्षगांठ केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि आने वाले दशक में भारत के वैश्विक तकनीकी नेतृत्व की मजबूत नींव है।'

अप्रैल 2026 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने भारत की वित्तीय व्यवस्था में बदलाव लाने के 10 वर्ष पूरे किए। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान यूपीआई पर 24,162 करोड़ लेनदेन दर्ज किए गए।

आज यूपीआई भारत के 81 प्रतिशत डिजिटल भुगतान को संचालित करता है और दुनिया के लगभग 49 प्रतिशत रियल-टाइम डिजिटल लेनदेन में इसकी हिस्सेदारी है। इससे भारत रियल-टाइम डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में निर्विवाद वैश्विक अग्रणी बन गया है। यूपीआई अब कई देशों में संचालित हो रहा है और भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को 23 देशों ने सहयोग समझौतों के माध्यम से अपनाया है।

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत का डिजिटल बुनियादी ढांचा भी लगातार मजबूत हुआ है। मार्च 2026 तक देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 106.58 करोड़ तक पहुंच गई।

भारतनेट परियोजना के तहत 2.18 लाख ग्राम पंचायतों को हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड से जोड़ दिया गया है, जिससे ग्रामीण भारत के अंतिम छोर तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंची है। भारत का 5जी नेटवर्क अब 99.9 प्रतिशत जिलों तक पहुंच चुका है और इसके लिए 4.74 लाख टावर स्थापित किए जा चुके हैं। वहीं, फरवरी 2026 में गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय डेटा केंद्र का शुभारंभ किया गया, जिससे क्षेत्र की डिजिटल अवसंरचना और डेटा संप्रभुता को और मजबूती मिली।

यूपीआई ने 10 साल में रचा इतिहास, वित्त वर्ष 2017 के 2 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 24,162 करोड़ से अधिक हुए ट्रांजैक्शन्स

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एक आधिकारिक फैक्टशीट में शनिवार को कहा गया कि 10 वर्ष पहले एक साधारण डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म के रूप में शुरू हुई यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) आज भारत में रोजमर्रा के डिजिटल कारोबार की रीढ़ बन चुकी है। वित्त वर्ष 2016-17 में जहां यूपीआई के जरिए केवल 2 करोड़ लेनदेन (ट्रांजैक्शन) हुए थे, वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गई।

बयान में कहा गया है कि जन धन, आधार और मोबाइल (जैम ट्रिनिटी) ने भारत में वित्तीय समावेशन और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया। इस पहल के जरिए करोड़ों लोगों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया और उन्हें सरकारी सेवाओं तक आसान और पारदर्शी पहुंच मिली।

प्रधानमंत्री जन धन योजना के माध्यम से देशभर में बैंकिंग सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ। मार्च 2015 में जन धन खातों की संख्या 14.72 करोड़ थी, जो फरवरी 2026 तक बढ़कर 57.78 करोड़ हो गई। इसी अवधि में इन खातों में जमा राशि 15,670 करोड़ रुपए से बढ़कर 2.94 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई।

फैक्टशीट के अनुसार, आधार ने देश में सुरक्षित और त्वरित डिजिटल पहचान उपलब्ध कराई। वर्ष 2010-11 में आधार नामांकन केवल 0.42 करोड़ था, जो मार्च 2026 तक बढ़कर 144 करोड़ से अधिक हो गया। इससे डिजिटल प्रमाणीकरण पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित और आसान बना है।

मोबाइल कनेक्टिविटी ने जैम ट्रिनिटी को और मजबूत बनाया तथा देश भर में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाई। मार्च 2026 तक भारत के 85.5 प्रतिशत परिवारों के पास कम से कम एक स्मार्टफोन था, जबकि 109 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का उपयोग कर रहे थे। इन तीनों पहलों ने मिलकर डिजिटल इंडिया के समावेशी शासन मॉडल की मजबूत नींव तैयार की। जून 2026 तक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 51 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि 176 करोड़ लाभार्थियों के खातों में सीधे भेजी जा चुकी है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से लोगों तक पहुंचा है।

डिजिलॉकर ने कागजी दस्तावेजों की जगह सुरक्षित डिजिटल दस्तावेज उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव किया है। मार्च 2026 तक इस प्लेटफॉर्म पर 70.69 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं, जबकि 850 करोड़ से अधिक डिजिटल दस्तावेज जारी किए जा चुके हैं। इससे दस्तावेजों का सत्यापन तेज, कागजरहित और अधिक भरोसेमंद बना है।

मीठा खाने का भी होता है सही समय, वरना बढ़ सकती है ब्लड शुगर और वजन की परेशानी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। त्योहार, शादी-ब्याह, जन्मदिन या कोई भी खुशी का मौका बिना मीठे के अधूरा लगता है। लेकिन डॉक्टरों की मानें तो, मीठा खाने का एक सही समय होता है, जिसको लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। गलत समय पर खाया गया मीठा ब्लड शुगर बढ़ने का कारण बनता है और धीरे-धीरे वजन भी बढ़ने लगता है।

कई लोग सुबह उठते ही मिठाई, चॉकलेट, बिस्कुट या मीठी चीजें खा लेते हैं। ऐसा करना शरीर के लिए नुकसादायक हो सकता है। खाली पेट मीठा खाने से उसमें मौजूद चीनी बहुत जल्दी खून में पहुंच जाती है। इससे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है। कुछ समय बाद यह अचानक नीचे भी आ जाता है। इस वजह से जल्दी भूख लगती है, कमजोरी महसूस होती है और बार-बार कुछ मीठा खाने का मन भी करता है।

इसके मुकाबले, अगर मीठा खाना खाने के बाद खाया जाए तो शरीर उसे बेहतर तरीके से संभाल लेता है। जब हम पहले दाल, रोटी, सब्जी, चावल, सलाद या दूसरी पौष्टिक चीजें खाते हैं, तब शरीर को फाइबर, प्रोटीन और दूसरे जरूरी पोषक तत्व मिल जाते हैं। ये चीजें मीठे में मौजूद चीनी को धीरे-धीरे शरीर में पहुंचने देती हैं। इससे ब्लड शुगर एकदम से नहीं बढ़ती और शरीर पर ज्यादा दबाव भी नहीं पड़ता। इसलिए डॉक्टर भी यही सलाह देते हैं कि अगर मीठा खाना हो तो उसे भोजन के बाद थोड़ी मात्रा में खाना बेहतर होता है।

डॉक्टर बताते हैं कि दिन और रात के समय में भी काफी फर्क होता है। रात के खाने के बाद ज्यादा मीठा खाना शरीर के लिए सही नहीं माना जाता। रात में हमारा शरीर आराम करने की तैयारी करता है। ऐसे में मीठे से मिलने वाली ज्यादा चीनी और कैलोरी शरीर में जमा होने लगती है। इससे ब्लड शुगर बढ़ सकता है और धीरे-धीरे वजन भी बढ़ने लगता है। वैज्ञानिक शोध की मानें, तो रात में बार-बार मीठा खाने की आदत से आगे चलकर कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

अगर दिन में, खासकर दोपहर के खाने के बाद, थोड़ी मात्रा में मीठा खाया जाए तो उसे बेहतर माना जाता है। इसकी वजह यह है कि दिन के समय लोग ज्यादा सक्रिय रहते हैं।

कुछ लोग जल्दी के चक्कर में सिर्फ केक, पेस्ट्री, चॉकलेट या मीठे पेय पीकर ही काम चला लेते हैं। ऐसा करने से शरीर को जरूरी पोषण नहीं मिलता।

तमिलनाडु : सीएम विजय ने पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की, 52.91 लाख बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य

विश्व केसरी

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने रविवार को चेन्नई के पलवक्कम स्थित आदि द्रविड़ कल्याण उच्च माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को पोलियोरोधी दवा की मौखिक खुराक पिलाकर राज्य के वार्षिक पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। इसके साथ ही राज्यभर में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान का शुभारंभ हुआ।

यह अभियान भारत को पोलियो-मुक्त बनाए रखने और इस स्थिति को कायम रखने के लिए हर वर्ष चलाए जाने वाले टीकाकरण कार्यक्रम का हिस्सा है। पोलियो (पोलियोमायलाइटिस) एक अत्यंत संक्रामक वायरल बीमारी है, जो मुख्य रूप से छोटे बच्चों को प्रभावित करती है और स्थायी लकवे (पैरालिसिस) का कारण बन सकती है।

भारत ने इस बीमारी का सफलतापूर्वक उन्मूलन कर लिया है, लेकिन वायरस के दोबारा फैलने से रोकने और बच्चों में प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए सरकार हर साल पल्स पोलियो अभियान आयोजित करती है।

इस वर्ष तमिलनाडु स्वास्थ्य विभाग ने राज्यभर में 52.91 लाख बच्चों को एक ही दिन में पोलियो रोधी दवा की मौखिक खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए 43,051 टीकाकरण बूथ स्थापित किए गए हैं। ये बूथ सरकारी अस्पतालों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, हवाई अड्डों, टोल प्लाजा, चेक पोस्ट और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर बनाए गए हैं,।

ताकि अभिभावकों और बच्चों को आसानी से टीकाकरण की सुविधा मिल सके।

मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पलवक्कम स्थित कार्यक्रम स्थल पर बच्चों को पोलियो रोधी दवा की पहली खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। अभियान की शुरुआत के साथ ही तमिलनाडु के सभी जिलों में पल्स पोलियो टीकाकरण शिविर एक साथ शुरू हो गए। इस व्यापक जनस्वास्थ्य अभियान में हजारों स्वास्थ्यकर्मी, नर्सें, स्वयंसेवक और सरकारी अधिकारी भाग ले रहे हैं।

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम में सेरेब्रल मलेरिया के मामले बढ़ने से 48 घंटों में तीन बच्चों की मौत

विश्व केसरी

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका ब्लॉक में पिछले 48 घंटों में सेरेब्रल (दिमागी) मलेरिया से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई है।

इस वजह से इलाके में स्वास्थ्य का गंभीर संकट पैदा हो गया है, जिसके चलते अधिकारियों को बड़े पैमाने पर सर्वे शुरू करना पड़ा है।

प्रभावित गांवों से अभी भी नए मामले सामने आ रहे हैं, जबकि 20 से ज्यादा मरीजों को जमशेदपुर के महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उनमें से कई की हालत गंभीर है।

बीमारी के फैलने की गंभीरता को देखते हुए, स्वास्थ्य विभाग ने

पोटका के नौ गांवों में निगरानी, ??बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग और मेडिकल मदद के काम को तेज कर दिया है।

जल सर्विलांस ऑफिसर डॉ. असद ने बताया कि मॉनसून शुरू होने के साथ ही इन गांवों में मलेरिया और सेरेब्रल मलेरिया के मामलों में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है।

उन्होंने बच्चों की मौत की पुष्टि भी की है।

मरने वालों की पहचान लक्खी सरदार (पीएम श्री कस्तूरबा गांधी रेजिडेंशियल स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा), दाउदरोडिया गांव के राहुल सरदार (8) और कंदर गांव के सुबोला सरदार (8) के तौर पर हुई है।इस बीच, सुबोला की एक साल की बहन खुशबू सरदार भी संक्रमित हो गई है और अभी एमजीएम अस्पताल के पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में वेंटिलेटर सपोर्ट पर है।

बड़े पैमाने पर की गई जांच के दौरान 14 से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं, जिनमें कस्तूरबा गांधी स्कूल के तीन छात्र और सबार आदिवासी समुदाय का नौ महीने का बच्चा शामिल है।

स्वास्थ्य टीमों ने अब तक स्पेशल मेडिकल कैंप के जरिए प्रभावित इलाकों में 600 से ज्यादा लोगों की जांच की है।

इस संकट के बीच, प्रशासन ने लक्खी सरदार के इलाज में लापरवाही के आरोपों के बाद पोटका में एक प्राइवेट क्लिनिक को सील कर दिया है।

युवाओं में बढ़ा कैंसर का जोखिम, रिसर्च में 'तेजी से उम्र बढ़ने' का खुलासा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एक व्यक्ति अपनी उम्र के हिसाब से तीस साल का हो सकता है, लेकिन उसके शरीर की आंतरिक स्थिति यानी जैविक उम्र इससे कहीं अधिक हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह अंतर कम उम्र में कैंसर के मामलों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कारक भी हो सकता है।

हाल ही में वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन, सेंट लुइस के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में यह पाया है कि नई पीढ़ियों के लोग पिछली पीढ़ियों की तुलना में जैविक रूप से तेजी से उम्रदराज हो रहे हैं। यह शोध प्रतिष्ठित पत्रिका नेचर मेडिसिन में प्रकाशित हुआ है और यह इस बात पर जोर देता है कि आखिर दुनिया भर में 55 वर्ष या उससे कम उम्र के लोगों में कैंसर के मामले क्यों बढ़ रहे हैं।

चिकित्सा जगत में 55 वर्ष या उससे कम उम्र में होने वाले कैंसर को 'अर्ली-ऑनसेट कैंसर' कहा जाता है। पिछले कुछ दशकों में कोलोरेक्टल (आंतों का कैंसर), फेफड़ों का कैंसर, गर्भाशय का कैंसर और अन्य कई प्रकार के कैंसर के मामलों में युवाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले इसे केवल जीवनशैली या आनुवंशिक कारणों से जोड़ा जाता था, लेकिन अब वैज्ञानिक इसके पीछे गहरे जैविक कारणों की तलाश कर रहे हैं।

इस नए अध्ययन में क्रोनोलॉजिकल एज यानी वास्तविक उम्र और बायोलॉजिकल एज यानी शरीर की कार्यक्षमता के आधार पर मापी गई उम्र के बीच अंतर को समझने की कोशिश की गई। क्रोनोलॉजिकल उम्र केवल जन्म के बाद बीते वर्षों को दर्शाती है, जबकि जैविक उम्र यह बताती है कि शरीर के अंग कितने स्वस्थ और कार्यक्षम हैं। दो लोगों की उम्र समान हो सकती है, लेकिन उनकी जैविक उम्र अलग-अलग हो सकती है।

बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी: 4 बच्चों ने तोड़ा दम, मृतकों की संख्या हुई 712

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में खसरे का कहर जारी है। रविवार सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में 4 मासूमों ने दम तोड़ दिया। इसके साथ ही खसरे जैसे लक्षणों की वजह से अब तक 712 बच्चों की जान जा चुकी है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने इन चारों मौतों को संदिग्ध खसरा मौत की श्रेणी में रखा है। इसमें कहा गया है कि चार में से एक भी कंफर्म खसरे का केस नहीं था।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, संदिग्ध संक्रमण के चलते अब तक 619 बच्चों ने दम तोड़ा है, वहीं लैब से कंफर्म किए गए खसरे से मौत की संख्या 93 पर स्थिर बनी हुई है।

पिछले 24 घंटों में खसरे के 941 नए संदिग्ध मामले सामने आए। इसी दौरान 889 संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और 865 बच्चों को छुट्टी दे दी गई। इसी अवधि में (पिछले 24 घंटों) 116 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए गए।

देशभर में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 99,207 है। वहीं लैब टेस्टेड कन्फर्म मामलों की कुल संख्या 11,710 तक पहुंच गई।

डीजीएचएस के अनुसार, 10 अप्रैल से अब तक 82,844 संदिग्ध खसरा मरीजों को देशभर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इनमें से 79,152 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र 'द डेली स्टार' ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों के हवाले से बताया कि बांग्लादेश में खसरे के मामलों में कमी नहीं आने के दो प्रमुख कारण हैं। पहला, सभी क्षेत्रों में 95 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज का लक्ष्य हासिल नहीं हो पाया है, और दूसरा, अस्पतालों तथा समुदायों में संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण संबंधी उपायों का पर्याप्त पालन नहीं हो रहा है। यह जानकारी बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार ने दी।

इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आरोप लगाया था कि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने नई वैक्सीन खरीद प्रणाली लागू करने की प्रक्रिया में देश के टीकाकरण कार्यक्रम को बाधित किया, जिससे खसरे के प्रकोप की स्थिति और गंभीर हो गई।

फीफा वर्ल्ड कप: अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से हराया, मेसी के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि

विश्व केसरी

डलास। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अर्जेंटीना ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने ग्रुप स्टेज का अंत जीत के साथ किया। डलास स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से हराया। अर्जेंटीना ने ग्रुप स्टेज में अजेय रहते हुए नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह बनाई है।

मेसी को इस मुकाबले के लिए शुरुआती एकादश में शामिल नहीं किया गया। उन्हें सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतारा गया। हेड कोच लियोनेल स्कालोनी ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ खेली टीम में कुल 9 बदलाव किए। हालांकि, दूसरे हाफ में मैदान पर उतरे मेसी एक बार फिर छाप छोड़ने में सफल रहे।

अर्जेंटीना ने शुरुआत से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा और लगातार जॉर्डन के डिफेंस पर दबाव बनाया। पांचवें मिनट में जियोवानी लो सेल्सो ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन उनका प्रयास ऑफसाइड होने के कारण अमान्य करार दिया गया। हालांकि, 19वें मिनट में लो सेल्सो ने शानदार बाएं पैर के शॉट से गोल कर अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इसके बाद अर्जेंटीना ने आक्रमण जारी रखा। पेनल्टी एरिया में मार्कोस सेनेसी के साथ फाउल होने पर टीम को पेनल्टी मिली। स्ट्राइकर लाउतारो मार्टिनेज ने पेनल्टी के रूप में हाथ आए मौके को भुनाने में कोई गलती नहीं की और शानदार गोल दागते हुए अर्जेंटीना की बढ़त को 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में जॉर्डन ने वापसी की कोशिश की। दाईं ओर से बने एक शानदार मूव पर अल-तमारी ने बेहतरीन गोल करते हुए अंतर को कम करने का प्रयास किया। इस गोल के साथ ही स्कोर 2-1 हो गया।

हालांकि, अर्जेंटीना ने मैच में अपनी पकड़ लगातार बनाए रखी और जॉर्डन को हावी होने का कोई मौका नहीं दिया। मैच के 80वें मिनट में मैदान पर उतरे मेसी ने आते के साथ ही अपना जादू बिखेरा और फ्री किक पर दमदार गोल किया। मेसी के इस गोल ने अर्जेंटीना की जीत पर मुहर लगा दी। मेसी ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपना छठा गोल दागा।

इसके साथ ही वह लगातार सात वर्ल्ड कप मैचों में जीत दर्ज करने वाले पहले खिलाड़ी भी बने। विश्व कप में अब मेसी के कुल गोलों की संख्या 19 हो गई है।

यूएस ओपन बैडमिंटन: किदांबी श्रीकांत ने बनाई फाइनल में जगह, सेमीफाइनल में हारे रौनक चौहान

विश्व केसरी

फुलर्टन (यूएस)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। पुरुषों के सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीकांत ने जापान के युदाई ओकिमोटो को हराया।

श्रीकांत इस साल अपने पहले फाइनल में पहुंचे हैं। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ओकिमोटो को एक घंटे 12 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 15-21, 21-19 से हराया।ओकिमोटो ने 11-17 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए गेम प्वाइंट हासिल किया था, जिसके बाद श्रीकांत ने शुरुआती गेम में अपना धैर्य बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी ने प्वाइंट बचाया और अगले दो प्वाइंट जीतकर मैच में बढ़त बना ली। हालांकि, जापानी शटलर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गेम को 21-15 से अपने नाम किया।

तीसरे और आखिरी गेम में भी रोमांच बना रहा। श्रीकांत ने 10-5 की बढ़त बनाई, लेकिन ओकिमोटो ने स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। इसके बाद श्रीकांत ने लगातार छह अंक जीतकर बढ़त हासिल की। हालांकि, उन्होंने लगातार पांच अंक गंवा दिए और स्कोर 18-18 हो गया। ऐसे दबाव भरे समय में श्रीकांत ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया और लगातार अंक लेकर गेम को 21-19 से अपने नाम किया। अब फाइनल में उनका सामना चीनी ताइपे के आठवीं वरीयता प्राप्त सू ली यांग से होगा।

वहीं, भारत के 19 वर्षीय खिलाड़ी रौनक चौहान का शानदार अभियान सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें सू ली यांग ने 21-17, 21-19 से हराया। रौनक ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने क्वालिफाइंग दौर के दोनों मुकाबले जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ी शंकर सुब्रमण्यम को हराया। इसके बाद उन्होंने दुनिया के छठे नंबर के खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को 21-17, 26-24 से हराकर बड़ा उलटफेर किया।

क्वार्टर फाइनल में उन्होंने मिशा जिल्बरमैन को 23-21, 21-11 से हराया, लेकिन वह सेमीफाइनल में अपने इस दमदार प्रदर्शन को कायम नहीं रख सके।

महिला एकल में भारत की देविका सिहाग का सफर भी सेमीफाइनल में खत्म हो गया। उन्होंने डेनमार्क की दूसरी वरीयता प्राप्त लाइन क्रिस्टोफरसेन के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन इसके बाद वह लय कायम नहीं रख सकीं और 21-15, 11-21, 15-21 से मैच हार गईं।

टीम इंडिया में मेरी वापसी का श्रेयस विमेंस प्रीमियर लीग को जाता है: राधा यादव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। स्टार स्पिनर राधा यादव ने 11 महीने बाद भारतीय टी20 टीम में अपनी वापसी का श्रेय विमेंस प्रीमियर लीग को दिया है। राधा ने कहा कि विमेंस प्रीमियर लीग के दौरान किए गए काम, टीम प्रबंधन के सपोर्ट, साथी खिलाड़ियों और विपक्षी खिलाड़ियों से लगातार सीखने के मौके ने उन्हें भारतीय टीम में वापसी के लिए तैयार किया।

राधा ने जियोस्टार पर कहा, 'मैं लगभग 11 महीने के बाद टी20 टीम में वापस आ रही हूं। वापस आकर अच्छा लग रहा है। हाल ही में, हमने विमेंस प्रीमियर लीग खेला था। उस टूर्नामेंट में, मैंने अपने गेम में काफी कुछ जोड़ा, खासकर ज्यादा ताकत के साथ कैसे हिट करना है, डेथ ओवर्स में तेजी से कैसे रन बनाना है, अपनी गति कैसे बदलनी है, और गेंद का विविध रूप से कैसे इस्तेमाल करना है। मैंने अपने गेम के इन सभी पहलुओं पर काम किया है। इंडियन टीम के स्टाफ ने भी मेरा बहुत सपोर्ट किया है। उन्होंने मुझे अपने तरीके से चीजें तय करने की आजादी दी।'

उन्होंने कहा, 'निजी तौर पर, मैं अपने आस-पास के सभी लोगों, साथी खिलाड़ियों, कोच, यहां तक कि विपक्षियों से बहुत कुछ सीखती हूं। जब तक आप गेम खेल रहे हैं, सीखना कभी बंद नहीं होता। अगर आपको अपने गेम के बारे में कुछ समझ नहीं आता है।

'भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ी छलांग', मनसुख मांडविया ने दी सर्वेश अनिल को नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने पर बधाई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। कलिंगा स्टेडियम में आयोजित हो रही 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट चैंपियनशिप में भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन शानदार रहा। सर्वेश अनिल कुशारे ने हाई जंप में नया नेशनल रिकॉर्ड कायम किया। सर्वेश को इस खास उपलब्धि के लिए केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने बधाई दी है।

सर्वेश ने 2.31 मीटर की छलांग के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया। इस प्रदर्शन के साथ ही सर्वेश ने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी क्वालिफाई किया। खेल मंत्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ी छलांग। सर्वेश अनिल कुशारे को पुरुषों की हाई जंप में 2.31 मीटर का नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने और 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन पक्का करने पर बधाई।'

सर्वेश अनिल ने तेजस्विन शंकर के रिकॉर्ड को तोड़ा। तेजस्विन ने साल 2018 में 2.29 मीटर की छलांग लगाते हुए नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। सर्वेश ने बार की ऊंचाई को 2.35 मीटर करके छलांग लगाने की भी कोशिश की, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हो सके। सर्वेश ने अपने तीसरे प्रयास में नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ा।

सर्वेश के अलावा, केरल की एंसी सोजन ने लॉन्ग जंप में दो दशक से भी ज्यादा पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा। सोजन ने पांचवें प्रयास में 6.88 मीटर की दूरी तय करते हुए अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया। सोजन ने एथेंस में साल 2004 में अंजू बॉबी जॉर्ज द्वारा बनाए गए 6.83 मीटर के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। सोजन ने अपने पहले प्रयास में 6.73 मीटर की जंप लगाई, जबकि उनकी दूसरी जंप फाउल रही।

तीसरे प्रयास में सोजन ने 6.67 मीटर की जंप, जबकि चौथे प्रयास में उन्होंने 6.72 मीटर की जंप लगाई। पांचवें प्रयास में 6.88 मीटर की जंप लगाने के साथ सोजन ने यह खास उपलब्धि हासिल की। छठे प्रयास में सोजन ने 6.69 मीटर की जंप लगाई। वहीं, उत्तर प्रदेश के यूनुस शाह ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ में बहादुर प्रसाद का मीट रिकॉर्ड (3:40.10) तोड़ा। उन्होंने यह दौड़ 3:37.55 सेकंड में पूरी की।

गोल्फ : फ्रांस में टॉप-10 के करीब पहुंचे सप्तक तलवार

विश्व केसरी

प्लेनफ (फ्रांस)। भारत के सप्तक तलवार ने 'होटल प्लानर टूर' के 'ब्लॉट प्ले9' टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में 70 का स्कोर (ईवन पार) किया। इस राउंड में उन्होंने तीन बर्डी और तीन बोगी लगाईं। फिलहाल सप्तक टॉप-10 में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं। इस सीजन में डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टूर रैंकिंग में टॉप पर चल रहे तलवार अब संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं, जबकि अभी एक राउंड और शेष है।

डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई टूर में टॉप पर रहने वाले खिलाड़ी को अगले सीजन के लिए डीपी वर्ल्ड टूर में जगह मिलती है, जबकि होटल प्लानर टूर के टॉप-15 खिलाड़ी भी मुख्य टूर में जगह बनाते हैं। इसका मतलब है कि तलवार के पास आगे बढ़ने के दो रास्ते हैं। वे होटल प्लानर रैंकिंग (रोड टू मलोरका) में टॉप-20 में शामिल हैं।

तलवार अपना समय पीजीटीआई और होटल प्लानर टूर के बीच बांट रहे हैं। पार-70 कोर्स पर उनके पिछले राउंड 68 और 67 के थे और अब वे 54 होल्स के बाद 5-अंडर पर हैं।

फ्रांस में तीसरे दिन 66 (चार-अंडर पार) का स्कोर करने के बाद जॉन गफ 'ब्लॉट प्ले9' के फाइनल राउंड में अकेले बढ़त के साथ उतरेंगे।

इस इंग्लिश खिलाड़ी ने प्लेनफ में बिना किसी बोगी के 12-अंडर पार का स्कोर हासिल किया। वहीं, स्थानीय पसंदीदा मैक्सेंस गिबोडोट और स्पेन के जोसेबा टोरेस उनसे दो स्ट्रोक पीछे 10-अंडर पार पर हैं। तीसरे राउंड की शुरुआत संयुक्त बढ़त के साथ करने वाले गफ अपने शुरुआती आठ होल्स में कोई फायदा नहीं उठा सके, जबकि उनके पीछे चल रहे खिलाड़ियों ने 'मूविंग डे' का पूरा फायदा उठाते हुए बढ़त बना ली।

गफ ने अभी तक होटल प्लानर टूर में अपनी पहली जीत हासिल नहीं की है, लेकिन 'ब्लॉट प्ले9' में उनका प्रदर्शन पहले भी अच्छा रहा है।

पिछले साल ब्रिटनी में हुए टूर्नामेंट में वे चौथे स्थान पर रहे थे, जहां उन्होंने फाइनल राउंड में 63 का स्कोर किया था, जो उस सीजन में उनका संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

जीत की दौड़ में अक्षय भाटिया, होवलैंड ने 'ट्रैवलर्स चैंपियनशिप' में मामूली बढ़त बनाई

विश्व केसरी

क्रॉमवेल (कनेक्टिकट)। अक्षय भाटिया ने 'ट्रैवलर्स चैंपियनशिप' के तीन राउंड के बाद लीडिंग ग्रुप में बने रहकर इस सीजन में अपना दूसरा पीजीए टूर खिताब जीतने की उम्मीदें जिंदा रखी हैं। इससे यह सुनिश्चित हो गया है कि भारतीय मूल के स्टार खिलाड़ी रविवार को होने वाले फाइनल राउंड में एक और ट्रॉफी जीतने के अच्छे मौके के साथ शुरुआत करेंगे।

भाटिया ने दूसरे राउंड में शानदार 62 का स्कोर बनाने के बाद, संयमित खेल दिखाते हुए तीन-अंडर 67 का स्कोर किया और 15-अंडर-पार 195 पर पहुंच गए। इसके साथ ही वे टीपीसी रिवर हाइलैंड्स में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, वे नॉर्वे के विक्टर होवलैंड से पांच शॉट पीछे हैं, लेकिन 23 वर्षीय खिलाड़ी ने इस हफ्ते दिखा दिया है कि टूर के सबसे 'बर्डी-फ्रेंडली' ले-आउट में से एक पर कम स्कोर बनाना मुमकिन है।

होवलैंड ने छह-अंडर 64 के स्कोर के साथ 20-अंडर पर बढ़त बना ली और दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी स्कॉटी शेफलर से एक स्ट्रोक आगे निकल गए। अब फाइनल दिन एक रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है। भाटिया पैट्रिक कैंटले के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, जबकि मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन विन्धम क्लार्क और इंग्लैंड के मैट फिट्जपैट्रिक समेत कई दावेदार भी जीत की दौड़ में बने हुए हैं। भाटिया के लिए शनिवार का दिन शानदार खेल के बजाय अनुशासन की मांग कर रहा था। शुक्रवार को 62 के स्कोर के दौरान नौ बर्डी लगाकर सभी को प्रभावित करने के बाद, उन्होंने एक और ठोस प्रदर्शन किया। उन्होंने शुरुआती 9 होल्स (आउटवर्ड नाइन) में चार बर्डी हासिल कीं, जबकि बाद के नौ होल्स (बैक नाइन) में मिला-जुला प्रदर्शन रहा, जिसमें एक और बर्डी और दो बोगी शामिल थीं और कुल स्कोर 67 रहा। इस स्थिर प्रदर्शन ने सुनिश्चित किया कि होवलैंड और शेफलर के आगे होने के बावजूद वे मजबूती से मुकाबले में बने रहे।

भारतीय मूल के इस अमेरिकी खिलाड़ी का सीजन पहले ही यादगार रहा है, जिसमें 'अर्नोल्ड पामर इनविटेशनल' में मिली जीत खास रही है।

फीफा वर्ल्ड कप: क्रोएशिया ने बनाई नॉकआउट स्टेज में जगह, घाना को 2-1 से हराया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप एल के अहम मुकाबले में क्रोएशिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए घाना को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही क्रोएशिया ने राउंड ऑफ 32 का टिकट भी हासिल कर लिया है।

क्रोएशिया को अगले राउंड में पहुंचने के लिए घाना के खिलाफ जीत या फिर ड्रॉ की दरकार थी। हालांकि, क्रोएशिया इस मुकाबले में शुरुआत से ही घाना पर हावी नजर आई। क्रोएशिया के खिलाड़ियों ने लगातार घाना के डिफेंस पर दबाव डाला। मैच के 17वें मिनट में निकोला व्लासिज ने तकरीबन 20 गज की दूरी से जबरदस्त शॉट खेला, लेकिन गेंद गोल पोस्ट से टकराने के बाद बाहर निकल गई।

क्रोएशिया मैच के 31वें मिनट में आखिरकार घाना के डिफेंस को भेदने में सफल रहा। पेटार सुचिच का 30 गज की दूरी से खेला गया शॉट घाना के डिफेंडरों और गोलकीपर को छकाते हुए गोल पोस्ट में पहुंचा। इसके बाद भी क्रोएशिया ने लगातार हमले जारी रखे, लेकिन टीम पहले हाफ में कोई और गोल नहीं कर सकी। पहले हाफ में बेरंग दिखे घाना के स्ट्राइकर्स ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी की।

उन्होंने आक्रामक खेल दिखाते हुए क्रोएशिया पर दबाव बनाने का प्रयास किया। मैच के 73वें मिनट में डेरेक लुकासेन ने क्रोएशिया की बढ़त को खत्म करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

लुकासेन फ्री किक पर हाथ आए मौके को गोल में तब्दील करने में सफल रहे। हालांकि, क्रोएशिया ने मैच के 83वें मिनट में एक बार फिर बढ़त हासिल कर ली। लुका मोड्रिच के कॉर्नर पर निकोला व्लासिच ने बेहतरीन हेडर के बूते टीम की बढ़त को 2-1 कर दिया। मैच के अंतिम मिनटों में घाना ने फिर से स्कोर को बराबर करने के कई प्रयास किए, लेकिन टीम को सफलता नहीं मिल सकी। इस जीत के साथ ही क्रोएशिया ग्रुप एल में दूसरे स्थान पर रहा। टीम की नॉकआउट स्टेज में ग्रुप (के) के उपविजेता से होगी। वहीं, घाना को अब राउंड ऑफ 32 में पहुंचने के लिए बाकी ग्रुप के मुकाबलों पर निर्भर रहना होगा।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415